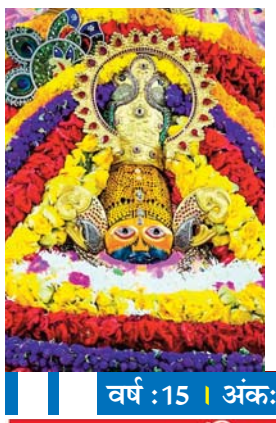

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:225। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (मंगलवार) 07 अप्रैल 2026 सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

संक्षिप्त समाचार

नई शिक्षा नीति से विज्ञान और अनुसंधान में देश होगा उन्नत : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

●दीनबंधु छोटूराम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति ने युवाओं को दिया संदेश

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आठवां दीक्षांत समारोह सोमवार को आयोजित हुआ। समारोह के दौरान कुल 750 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के साथ युवाओं को विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए।समारोह में हरियाणा के राज्यपाल

असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति ने मंच से विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि इस समारोह में शामिल होना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हरियाणा धर्मयुद्ध की धरती रही है और दीनबंधु छोटूराम के आदर्श आज भी समाज को प्रेरित कर रहे हैं। छोटूराम ने किसानों और ग्रामीण समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश के विकास में बड़ा योगदान दिया। उपराष्ट्रपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्राओं को स्वर्ण पदक मिलना देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने हरियाणा में पिछले वर्षों में लिंगानुपात में सुधार को सराहनीय बताया और कहा कि यह समाज की सकारात्मक दिशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यहां से डिग्री लेकर निकलने वाले विद्यार्थियों का लक्ष्य देश को आगे बढ़ाना होना चाहिए और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि युवाओं के बिना किसी भी विकसित राष्ट्र की कल्पना संभव नहीं है। नशे के विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि परिवार और राष्ट्र को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज के लिए प्रेरणा बनने का आह्वान किया।

पुडुचेरी चुनाव: राहुल गांधी ने महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा और युवाओं को 2000 रुपये का किया वादा

●'पुडुचेरी में महिलाओं को मुफ्त बस सेवा दी जाएगी'

एजेंसी

पुडुचेरी। पुडुचेरी विधानसभा चुनाव अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस बीच कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी ने यहां एक जनसभा में हिस्सा लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2000 रुपये और महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा देने का वादा किया।नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव के मद्देनजर प्रचार के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी 6 अप्रैल को तमिलनाडु पहुंचे। वे दिल्ली से चेन्नई आए और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए पुडुचेरी पहुंचे। पुडुचेरी के लॉस्पेट में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पुडुचेरी में महिलाओं को मुफ्त बस सेवा दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए कांग्रेस प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों के लिए आयु सीमा 40 वर्ष तक बढ़ाई जाएगी। हर परिवार को 20 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा और कांग्रेस की सरकार बनने के 6 महीने के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी में सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे। हम बेरोजगार युवकों को प्रतिमाह दो हजार रुपये देंगे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि नकली दवाओं के मामले में केंद्र शासित प्रदेश की सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों के पास शराब की दुकानें खोली जा रही हैं और मंदिरों की जमीन बेची जा रही है। चुनाव में अब केवल 3 दिन बचे हैं और सभी राजनीतिक दलों के नेता जोर-शोर से प्रचार में जुटे हुए हैं।

कांग्रेस पूरी तरह परिवारवादी पार्टी : मोदी

●'डबल इंजन सरकार' असम के हर जिले और हर परिवार के विकास के लिए काम कर रही हैं'

एजेंसी

होजाई। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां चुनावी जनसभा में कांग्रेस को 'झूठ और भ्रष्टाचार की दुकान' बताते हुए आरोप लगाया कि पार्टी पूरी तरह परिवारवादी राजनीति में उलझी हुई है और जनता के हितों से उसका कोई सरोकार नहीं है। प्रधानमंत्री ने असम के होजाई में आयोजित जनसभा में कहा कि कांग्रेस के पास 'परिवारवाद के अलावा कोई ताकत नहीं है' और वह केवल झूठ बोलने और भ्रष्टाचार करने पर ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के 'शाही परिवार' पर हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं और वह जमानत पर बाहर है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस का पूरा ध्यान सिर्फ दो परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने पर है–एक दिल्ली में और दूसरा असम में।उन्होंने कहा कि इसके विपरीत भाजपा और राजग की 'डबल इंजन सरकार' असम के हर जिले और हर परिवार के विकास के लिए काम कर रही है। मोदी ने कहा कि भाजपा के लिए 'सबका साथ, सबका विकास' केवल नारा नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने असम में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब राज्य में सड़क और रेल जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहद खराब थी। उन्होंने दावा किया कि उस समय असम बिजली के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर था और अक्सर बिजली संकट का सामना करता था, लेकिन पिछले एक दशक में स्थिति पूरी तरह बदल गई है और अब असम ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनकर उभर रहा है। मोदी ने बताया कि बीते 10-11 वर्षों में लाखों घरों तक बिजली पहुंचाई गई है, जो लंबे समय से कनेक्शन का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने हाल ही में पश्चिम कार्बी आंगलोंग और दिमा हसाओ जिलों में लोअर कोपिली जलविद्युत परियोजना के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा कि इससे राज्य को हर साल लगभग 45 करोड़ यूनिट अतिरिक्त बिजली मिलेगी।

●जनहित से उसका कोई सरोकार नहीं: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कांग्रेस विकास विरोधी, पार्टी नेतृत्व जमीन लूट में शामिल: नरेन्द्र मोदी

डिब्रूगढ़। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस को विकास विरोधी और पार्टी नेतृत्व को सबसे भ्रष्ट बताया। उन्होंने नेशनल हेराल्ड के माध्यम से गांधी परिवार पर प्रमुख शहरों में जमीन हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी वोट बैंक के चलते विकास के नाम पर सड़कों, रेलवे और उद्योगों के लिए दी जा रही जमीन का विरोध कर रही है। असम के डिब्रूगढ़ में मोदी ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस जमीन लूट का मुद्दा उठा रही है। कांग्रेस ऐसा घुसपैठियों को कवर देने के लिए कर रही है। उन्होंने कहा, 'आज कांग्रेस को जमीन की याद इसलिए आई, क्योंकि उनके घुसपैठिया वोटबैंक से जमीन छीनी जा रही है।

●पुलिस हिरासत में मौत का मामला

मदुरै कोर्ट ने नौ पुलिसकर्मियों को दिया मृत्युदंड, पिता-पुत्र से हुई थी बेरहमी

एजेंसी

कोझिकोड। मदुरै की जिला अदालत ने सोमवार को सातांकुलम में हिरासत में मौत के मामले में दोषी पाए गए नौ पुलिस कर्मियों को मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने कहा कि यह मामला 'दुर्लभतम' श्रेणी का है। इन पुलिसकर्मियों को जून 2020 में पी. जेयराज और उनके बेटे जे. बेनिक्स की हिरासत में हत्या और यातना के मामले में दोषी पाया गया।

फैसला सुनाते हुए जज ने क्या कहा?

जज मुथुकुमारन ने कहा, यदि आम नागरिक ने यह अपराध किया होता, तो सामान्य सजा दी जा सकती थी। लेकिन अपराध पुलिस ने किया है। इसलिए साधारण सजा नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि यह

हिरासत में हिंसा का स्पष्ट उदाहरण है। साक्ष्यों से पता चला कि पिता और पुत्र को पुलिस हिरासत में बुरी तरह पीटा गया। निरीक्षक एस श्रीधर ने हमले के लिए उकसाया। जबकि, अन्य कर्मी हिंसा और उसके बाद सबूतों को छिपाने में शामिल थे।

पुलिसकर्मियों पर क्या आरोप थे?

आरोपियों पर हत्या, गंभीर चोट पहुंचाने, साक्ष्य गढ़ने और झूठे मामले दर्ज करने के आरोप शामिल थे।

पूरा मामला क्या हुआ था?

पुलिस ने जेयराज (58 वर्षीय) और बेनिक्स (31 वर्षीय) को 19 जून 2020 को हिरासत में लिया था। उन पर कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने का आरोप लगाया गया था। कुछ दिनों बाद उनकी कोविलपत्ती सरकारी अस्पताल में मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि पुलिस हिरासत में उन्हें क्रूर यातना दी गई थी।

सीबीआई ने साबित किया अपराध

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने फॉरेंसिक साक्ष्य, मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर साबित किया कि सातांकुलम थाने में उन पर क्रूर हमला हुआ था। थाने में पाए गए खून के धब्बे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दर्ज चोटें मुख्य साक्ष्य रहे।

राजनीति हमारे लिए सत्ता का माध्यम नहीं राष्ट्र नीति का मार्ग है : नितिन नवीन

'बंगाल, केरलम, जम्मू कश्मीर सहित कई प्रांतों में कई कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिया है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में ध्वजारोहण किया। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय को नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजनीति हमारे लिए सत्ता का माध्यम नहीं राष्ट्र नीति का मार्ग है। हमारा सफर आसान नहीं रहा है। इस दौरान पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय सहित कई पूर्व अध्यक्षों एवं नेताओं की उपलब्धियों को याद किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। भाजपा के

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन ने राष्ट्र प्रथम की विचारधारा को आत्मसात करते हुए पार्टी और संगठन को सशक्त बनाने वाले करोड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राजनीति हमारे लिए सत्ता का माध्यम नहीं राष्ट्र नीति का मार्ग है। हमारा सफर आसान नहीं रहा है। हजारों कार्यकर्तों ने यातनाएं ओर बलिदान दे कर हमें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

मालदा घटना पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

हाईकोर्ट सीजे का फोन न उठाने पर मुख्य सचिव को लगाई फटकार, कहा- माफी मांगो

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में न्यायिक अधिकारियों के घेराव की घटना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल पुलिस को मालदा के मामले से जुड़े दस्तावेज एनआईए को सौंपने का निर्देश दिया और कहा कि स्थानीय पुलिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

एनआईए करेगी पूछताछ

सुप्रीम कोर्ट ने अपने विशेष अधिकार अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए मालदा की घटना से जुड़े सभी मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए 26 लोगों से अब एनआईए पूछताछ करेगी।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाया, जो कि बेहद गंभीर लापरवाही है। कोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे इस मामले में मुख्य न्यायाधीश से माफी मांगें। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की नौकरशाही पर भी तीखी टिप्पणी की। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची व जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि पश्चिम बंगाल प्रशासन की विश्वसनीयता कमजोर हो रही है और राजनीति सचिवालय और सरकारी दफ्तरों में घुस रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मालदा घटना पूर्व नियोजित और प्रेरित थी, जिसमें न्यायिक अधिकारियों को घंटों घेरा गया। कोर्ट ने एनआईए को उन 26 लोगों से पूछताछ करने का आदेश दिया, जिन्हें राज्य पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

कोर्ट ने बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने घटना वाले दिन एक अप्रैल को कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के फोन कॉल नहीं उठाए। कोर्ट ने मुख्य सचिव से माफी मांगने को कहा। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जिला प्रशासन की विफलता को दर्शाता है।

एसआईआर प्रक्रिया में तैनात थे 700 न्यायिक अधिकारी

700 न्यायिक अधिकारी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड से एसआईआर प्रक्रिया में तैनात थे, जो 60 लाख से अधिक मतदाताओं के आपत्तियों और दावों का निपटारा कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट का एसआईआर न्यायाधिकरणों को आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची अपडेट के लिए एक दिन की समयसीमा तय की और एसआईआर न्यायाधिकरणों को दस्तावेजों को फिर से देखने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा, हमने न्यायाधिकरणों से अनुरोध किया है कि वे पूरी दस्तावेजी प्रक्रिया को फिर से देखें, जिसमें न्यायिक अधिकारियों के कारण भी शामिल हैं, ताकि किसी भी शक को दूर किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, हमने उनसे अनुरोध किया है कि पक्षकारों को निष्पक्ष सुनवाई दी जाए।

इंदिरा गांधी ने कहा था असम 'शांति का द्वीप' : खड़गे

कछार (असम)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लोकसभा सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को सिलचर के बरखोला में आयोजित एक विशाल चुनावी जनसभा में पहुंचे, जहां उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अभिजीत पाल के समर्थन में प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने कभी असम को 'शांति का द्वीप' बताया था। जनसभा को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वर्तमान समय में असम की परिस्थितियां बदल गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों से बराक घाटी की अनदेखी की जा रही है और क्षेत्र विकास के मामले में पीछे छूट गया है।

उन्होंने कहा कि सिलचर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अब तक अधूरा पड़ा है, वहीं तारापुर एलिवेटेड कॉरिडोर का काम भी ठप हो गया है। इन परियोजनाओं के अधूरे रहने से छात्रों, कर्मचारियों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने बारामती विधान सभा उपचुनाव के लिए भरा नामांकन

मुंबई। महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सोमवार को बारामती विधान सभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा नेता और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, प्रफुल्ल पटेल सहित कई कद्दावर नेता मौजूद थे।नामांकन भरते समय उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार भावुक हो गईं थीं । उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी भी यह नहीं सोचा कि उन्हें उप चुनाव लडना पड़ेगा। सुनेत्रा पवार ने कहा कि वे चार बार मुख्यमंत्री रहे शरद पवार की बहू हैं। छह बार उपमुख्यमंत्री रहे अजीत पवार की पत्नी हैं। उन्होंने कहा, अजितदादा ने बारामती में आखिरी सांस ली।

'देश में रसोई गैस का पर्याप्त भंडार'

घबराकर अनावश्यक भंडारण न करें: केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और ईंधन की आपूर्ति को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रहीं तमाम प्रकार की भ्रामक खबरों और अफवाहों पर लोगों से विश्वास न करने की अपील की है। सरकार ने कहा है कि भारत में ईंधन और गैस का पर्याप्त स्टॉक है। उपभोक्ता अपनी आवश्यकतानुसार ही खरीदारी करें और घबराकर अनावश्यक भंडारण न करें। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और प्रतिदिन लगभग 50 लाख सिलेंडर बेचे जा रहे हैं। पिछले 14 दिनों में 6.75 लाख से अधिक छोटे सिलेंडर बेचे गए हैं। शर्मा ने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार ने 5 किलोग्राम वाले छोटे

एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री तेज कर दी है। इसके लिए उपभोक्ता केवल एक वैध पहचान पत्र के साथ नजदीकी विक्रेता से 5 किलो का सिलेंडर ले सकता है। इसके लिए आवास प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है। चार अप्रैल को इसकी बिक्री 90 हजार के पार पहुंच गई। किसी भी विक्रेता के पास स्टॉक खत्म होने की स्थिति नहीं है। पिछले पांच सप्ताह में लगभग 18 करोड़ घरों को एलपीजी सिलेंडर पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण एलपीजी आयात प्रभावित हुआ है, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से मंगवाता है।

सरकार ने समय रहते अतिरिक्त कार्गो का इंतजाम कर लिया है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में पिछले दो दिनों में करीब 5,500 जागरूकता शिविर लगाए गए हैं जिसमें 6,700 पांच किलो के सिलेंडर बेचे गए हैं।

शराब घोटाला मामला

दिल्ली हाईकोर्ट से सीबीआई को नोटिस

●सुनवाई बाद केजरीवाल बोले- केस कोर्ट में, कुछ नहीं कहूंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को हाईकोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए। उन्होंने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को एक मामले की सुनवाई से हटाने की मांग की। यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो की याचिका से संबंधित है। मामले की सुनवाई 13 अप्रैल को होगी।

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने शराब नीति मामले में केजरीवाल और अन्य सभी आरोपियों को बरी किए जाने को चुनौती दी है। जस्टिस शर्मा ने केजरीवाल की अर्जी को रिकॉर्ड पर लिया और सुनवाई के लिए तारीख तय की। केंद्रीय जांच ब्यूरो की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। उन्होंने कहा कि अदालत नाटक का मंच नहीं है। मेहता ने केजरीवाल की अर्जी का कड़ा विरोध किया। उन्होंने केजरीवाल के आरोपों को तुच्छ और अवमाननापूर्ण बताया। मेहता ने यह भी बताया कि सात अन्य बरी हुए आरोपियों ने भी जज को हटाने की अर्जी दी है। जस्टिस शर्मा ने कहा कि यदि कोई और अर्जी देना चाहता है तो दे सकता है, ताकि वह एक बार में फैसला कर सकें।

'मैं यहां कुछ नहीं कहना चाहता हूं'

दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मामला कोर्ट में है इसलिए मैं यहां कुछ नहीं कहना चाहता हूं। सोमवार को मामले पर इसी बेंच में सुनवाई होगी। ढाई बजे। मैं खुद अपनी बात रखूंगा।

निचली अदालत का फैसला

27 फरवरी को ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को बरी कर दिया था। निचली अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को फटकार लगाई थी। उसने कहा था कि उसका मामला न्यायिक जांच में टिकने योग्य नहीं है। यह पूरी तरह से अविश्वसनीय पाया गया था।

मध्यम वर्ग की ईमानदारी बनाम भगोड़ों की अय्याशी

महानगर मेट्रो

लेखकः पवन माकन (ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो)

देश के विकास का पहिया मध्यम वर्ग के कंधों पर टिका है। वह वर्ग, जो ईमानदारी से अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा टैक्स के रूप में सरकार की तिजोरी में डालता है। लेकिन जब अखबार के पन्नों पर यह खबर छपती है कि कोई 'बड़ा नाम' बैंकों का हजारों करोड़ लेकर विदेश उड़ गया है, तो हर ईमानदार नागरिक का खून खौलता है। सवाल सीधा है—आम आदमी के खून-पसीने की कमाई का हिसाब कौन देगा?

[मुख्य बिंदु 1]: मध्यम वर्गः टैक्स का बोझ और उम्मीदों का बोझ
आज एक वेतनभोगी व्यक्ति (Salaried Class) अपनी आय पर टैक्स देता है, फिर बाजार में सुई से लेकर गाड़ी खरीदने तक भारी GST चुकाता है। महंगाई और टैक्स के दोहरे मोर्चे पर लड़ते हुए मध्यम वर्ग की कमर टूट रही है। जनता सवाल पूछ रही है कि क्या नियम और कायदे सिर्फ उनके लिए हैं जिनके पास भागने का रास्ता नहीं है?

[मुख्य बिंदु 2]: भगोड़ों की 'ऐश' और सिस्टम की 'बेबसी'
विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसे नाम अब सिर्फ अपराधी नहीं, बल्कि सिस्टम की विफलता के प्रतीक बन चुके हैं।
* सवालः जब एक किसान का छोटा सा कर्ज माफ नहीं होता, तो इन पूंजीपतियों को हजारों करोड़ का चूना लगाने की छूट कैसे मिल गई?
* जवाबदेहीः प्रत्यर्पण की कागजी कार्रवाई में सालों बीत रहे हैं, जबकि जनता का पैसा विदेशी धरती पर विलासिता में खर्च हो रहा है।

[मुख्य बिंदु 3]: भ्रष्टाचार और प्रशासनिक ढील
यह सिर्फ एक संयोग नहीं हो सकता कि करोड़ों का गबन करने वाले सुरक्षा एजेंसियों की नजरों के सामने से देश छोड़ देते हैं। कहीं न कहीं प्रशासनिक गलियारों में बैठे सफेदपोशों की मिलीभगत इस खेल को शह देती है। भ्रष्टाचार की यह दीमक देश की बुनियाद को खोखला कर रही है।

[निष्कर्ष]: अब ठोस कार्रवाई की जरूरत है
जनता केवल आश्वासन नहीं, 'रिकवरी' चाहती है। वह पैसा जो स्कूलों, अस्पतालों और सड़कों के लिए था, उसे वापस लाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि ईमानदारी का फल सिर्फ ज्यादा टैक्स है, तो व्यवस्था पर से विश्वास उठना लाजमी है।
"हिसाब तो देना होगा, क्योंकि यह पैसा किसी एक का नहीं, देश के हर उस नागरिक का है जिसने अपनी जरूरतों को मारकर देश के निर्माण में योगदान दिया है।"

सम्पर्कः
* महानगर मेट्रो न्यूज पेपर
* ईमेलः mahanagarmetro7@gmail.com
* फोनः 9638877700 / 9662420070

कल दिल्ली हाई कोर्ट में खुद पेश होंगे पूर्व मुख्यमंत्री!

महानगर मेट्रो

लेखकः पवन माकन (ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो)

नई दिल्ली। दिल्ली की सियासत में कल का दिन बेहद सरगर्मी भरा रहने वाला है। कथित आबकारी नीति घोटाले की कानूनी लड़ाई अब एक नए मोड़ पर आ खड़ी हुई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अर-विंद केजरीवाल कल दिल्ली हाई कोर्ट में खुद पेश होकर अपनी दलीलें रखेंगे। यह पेशी प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर उस याचिका पर है, जिसमें ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है जिसने केजरीवाल को एक बड़ी राहत दी थी।

क्या है पूरा विवाद?
मामला एऊ के उन समन की अनदेखी से जुड़ा है, जो जांच एजेंसी ने पूछताछ के लिए केजरीवाल को जारी किए थे।
* ट्रायल कोर्ट का फैसलाः निचली अदालत ने केजरीवाल को उन आरोपों से बरी कर दिया था जिनमें कहा गया था कि उन्होंने जानबूझकर जांच में सहयोग नहीं किया और समन की अवहेलना की।
* एऊकी दलीलः एऊने इस फैसले को 'कानूनन गलत' बताते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एजेंसी का कहना है कि मुख्यमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा समन की अनदेखी करना एक गलत नजीर पेश करता है।

खुद दलीलें देंगे केजरीवालः रणनीति या मजबूरी?
राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा तेज है कि केजरीवाल ने किसी बड़े वकील के बजाय खुद अपना पक्ष रखने (ढी१२ङ्कल्लं' अस्रस्रीं१ल्ली) का फैसला क्यों किया?
* सीधा संवादः केजरीवाल अदालत के माध्यम से सीधे जनता तक यह संदेश पहुंचाना चाहते हैं कि उन्हें 'फर्जी मामले' में फंसाया जा रहा है।
* भावनात्मक कार्डः अपनी गिरफ्तारी और जेल के अनुभवों को साझा करते हुए वे अदालत में एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा सकते हैं।
* कानूनी चुनौतीः वे यह साबित करने की कोशिश करेंगे कि एऊ के समन कानूनी रूप से अस्पष्ट थे।

महानगर मेट्रो का विश्लेषणः 'कानूनी दांवपेंच और सियासत'
> "यह केवल एक समन का मामला नहीं है, बल्कि आगामी चुनावों से पहले अपनी छवि को बेदाग साबित करने की एक बड़ी लड़ाई है। हाई कोर्ट का जो भी रुख होगा, वह दिल्ली की राजनीति की दिशा तय करेगा।" – पवन माकन

कल क्या हो सकता है?
अदालत ने केजरीवाल को पहले ही नोटिस जारी किया था, जिसके जवाब में कल उनकी व्यक्तिगत उपस्थिति संभावित है। यदि हाई कोर्ट ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटता है, तो केजरीवाल की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ सकती हैं। वहीं, अगर हाई कोर्ट राहत बरकरार रखता है, तो यह आम आदमी पार्टी के लिए एक बड़ी नैतिक जीत होगी। कल की इस हाई-प्रोफाइल सुनवाई पर 'महानगर मेट्रो' की पैनी नजर बनी रहेगी। क्या केजरीवाल अपनी वाकपटुता से कोर्ट को संतुष्ट कर पाएंगे या एऊका शिकंजा और कसेगा?

पल-पल की अपडेट के लिए पढ़ते रहें – 'महानगर मेट्रो'

– पवन माकन, ग्रुप एडिटर

मालदा में वकील की गिरफ्तारी से सियासी पारा चढ़ा, चुनावी समीकरणों में बड़ा बदलाव संभव

2-5% वोट शिफ्ट से बदल सकता है पूरा जिला परिणाम

महानगर मेट्रो

कोलकाता। मालदा में एक न्यायाधीश पर हमले के आरोप में वकील मोफक्केरुल इस्लाम की गिरफ्तारी आगामी चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। इस घटना का राज्य के प्रमुख राजनीतिक दलों के रुख, प्रचार की रणनीति और मतदाताओं के मूड पर कुछ प्रभाव पड़ने की संभावना है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए स्थिति थोड़ी असहज हो सकती है। क्योंकि विपक्ष आसानी से कानून और व्यवस्था के बिगड़ने की शि-कायत कर सकता है। न्यायाधीश पर हमला जैसी घटनाएं आम जनता के बीच सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा सकती हैं, जिससे शहरी और मध्यम वर्ग के मतदाताओं के बीच नकारात्मक प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं। हालांकि, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी इस घटना को 'अलग-थलग' या 'राजनीति से प्रेरित' बताकर नुकसान को सीमित करने की कोशिश कर सकती है।

तृणमूल के मजबूत संगठनात्मक आधार के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ा प्रभाव नहीं पड़ सकता है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस घटना को एक बड़े राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल कर सकती है। वे 'कानून के शासन' और 'सुरक्षा' के मुद्दे को सामने लाकर राज्य सरकार के खिलाफ हमले तेज कर सकते हैं। मालदा में, विशेष रूप से एक सीमावर्ती जिले के रूप में, इस तरह के मुद्दों का मतदाताओं पर अधिक प्रभाव पड़ सकता है। प्रशासनिक सख्ती और सुरक्षा को

प्राथमिकता देने वालों में भाजपा का समर्थन थोड़ा बढ़ने की संभावना है। इस बीच, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और वाम मोर्चा दो प्रमुख ताकतों के खिलाफ इस स्थिति का उपयोग करने की कोशिश कर सकते हैं। वे एक तरफ टीएमसी पर प्रशासनिक विफलता का आरोप लगाएंगे और दूसरी तरफ भाजपा पर राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाएंगे। वे खुद को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में पेश करना चाहते हैं।

हालाँकि, वास्तव में, उनकी संगठनात्मक ताकत बड़े पैमाने पर वोट-स्थानांतरण प्राप्त करने के लिए अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। स्थानीय स्तर पर, मालदा जिले की राजनीतिक वास्तविकताएं इस घटना के प्रभाव को निर्धारित करने में एक प्रमुख भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि कांग्रेस और तृणमूल का पारंपरिक रूप से यहां दबदबा रहा है, लेकिन व्यक्तिगत राजनीति और स्थानीय नेतृत्व अधिक महत्वपूर्ण हैं। यदि अभियुक्त का कोई स्थानीय प्रभाव या समर्थन आधार है, तो कुछ मामलों में सहानुभूति मत भी देखे जा सकते हैं, जो कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। कुल मिलाकर, यह घटना अकेले चुनाव के परिणाम को निर्धारित नहीं करेगी, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण 'कथात्मक मुद्दे' के रूप में काम कर सकती है। उन निर्वाचन क्षेत्रों में जहां लड़ाई बहुत करीब है, यह एक 'स्विंग फैक्टर' बन सकता है-मतदाताओं के अंतिम निर्णय पर एक सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण प्रभाव।

मालदा जिले की राजनीति हमेशा बहुआयामी रही है-प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की सामाजिक संरचना, पार्टी का प्रभाव और स्थानीय नेतृत्व अलग-अलग होने के कारण, एक ही मुद्दे का प्रभाव हर जगह एक जैसा नहीं होता है।

अरबों का साम्राज्य होने के बाद भी दिल में गुजराती इंसानियत हैः गौतम अडानी ने सोशल मीडिया का दिल जीत लिया!

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। कहते हैं कि कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ने के बाद इंसान नीचे के कदम नहीं देखता, लेकिन जब बात किसी सच्चे गुजराती की हो, तो तहजीब और विनम्रता उसका साथ कभी नहीं छोड़ती। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी का एक वीडियो, जो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, यह बात साबित करता है।

कैसे हो मेरे भाई ?

ये सिर्फ. शब्द नहीं, अपनापन है!

वायरल सीन में दिख रहा है कि दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल गौतम अडानी एक आम वर्कर के पास खड़े होकर पूछते हैं, ॡकैसे हो मेरे भाई ?ॡ यह सुनकर वर्कर हैरान रह गया, लेकिन साथ ही उसके चेहरे पर जो मुस्कान आई, वह करोड़ों रुपये के टर्नओवर से भी ज्यादा कीमती थी। यह कोई प्रोटोकॉल नहीं था, यह अपनी मिट्टी से जुड़े एक गुजराती की इंसानियत थी। किसी ऑर्गनाइजेशन की ताकत बिल्डिंग में नहीं, बल्कि 'लोगों' में होती है। पाको गुजरात का हमेशा से मानना रहा है कि किसी भी कंपनी की असली कैपिटल उस-का बैंक बैलेंस नहीं, बल्कि उसके एम्प्लॉई का भरोसा होता है।

जब बॉस खुद को 'मालिक' मानता है, तो राज चलता है। लेकिन जब लीडर खुद को 'परिवार का मुखिया' मानता है और स्टाफ को "परिवार" मानता है, तो अडानी जैसा एम्पायर पैदा होता है।

पद बड़ा है या विनम्रता?

पैसा इंसान को अमीर बना सकता है, लेकिन सिर्फ.विनम्रता ही उसे महान बनाती है। गौतम अडानी के इस छोटे लेकिन दिल को छू लेने वाले डायलॉग ने साबित कर दिया है कि पद कितना भी ऊँचा क्यों न हो, दुनिया आपको तभी सलाम करती है जब आपके पैर जमीन से जुड़े हों। एक आम वर्कर को 'भाई' कहना दिखाता है कि अडानी ग्रुप की नींव सिर्फ. सीमेंट-कंक्रीट नहीं, बल्कि भावनाओं की गर्माहट है। पवन माकन की स्पेशल रिपोर्टः आज की तेज रफ़्तार दुनिया में जहाँ लोग अपने पड़ोसियों को भी नहीं जानते, अडानी साहब की यह सादगी हम सबके लिए एक सबक है।८

याद रखें, आखिर में हम कितने भी सफल क्यों न हो जाएँ, सबसे पहले हम एक 'इंसान' ही हैं। ऐसी गुजराती विनम्रता और नम्रता को सलाम! खबर जो सीधे दिल को छू जाए – पाको गुजरात

विशेष रिपोर्ट : फैशन या फजीहत ?

टैटू के नाम पर अश्लीलता की हदें पार? सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने प्राइवेसी और मर्यादा पर खड़े किए गंभीर सवाल!

महानगर मेट्रो

आज के दौर में टैटू बनवाना महज एक फैशन नहीं, बल्कि युवाओं के लिए अपनी 'पर्सनल स्टाइल' को अभिव्यक्त करने का एक जरिया बन गया है। लेकिन, क्या इस स्टाइल की होड़ में हम अपनी सामाजिक सीमाओं को लांघ रहे हैं? 'महानगर मेट्रो' की इस विशेष रिपोर्ट में आज हम उस ट्रेंड का विश्लेषण करेंगे, जिसने इंटरनेट पर नई बहस छेड़ दी है।

क्या है पूरा मामला?
हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें एक महिला अपने 'प्राइवेट एरिया' पर टैटू बनवाती नजर आ रही है। इस वीडियो ने विवादों का बवंडर खड़ा कर दिया हैः
* **मुद्दा टैटू का नहीं:** शरीर पर कलाकृति बनवाना किसी की व्यक्तिगत पसंद हो सकती है, जिसे नकारा नहीं जा सकता।
* **सवाल औचित्य काः** गंभीर प्रश्न यह है कि क्या ऐसे निजी पलों को कैमरे में कैद कर सार्वजनिक मंचों पर साझा करना उचित है?
* **गोपनीयता की नीलामीः** ऐसा प्रतीत हो रहा है कि 'व्यूज' और 'लाइक्स' की अंधी दौड़ में लोग अपनी गरिमा और प्राइवेसी की नीलामी करने पर उतारू हैं।

समाज और संस्कारों पर प्रहार
विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के वीडियो केवल आधुनिकता का प्रदर्शन नहीं हैं, बल्कि ये सामाजिक मूल्यों के पतन की ओर इशारा करते हैं। जब एक टैटू आर्टिस्ट और क्लाइंट के बीच की व्यावसायिक मयार्दा सोशल मीडिया के जरिए 'पब्लिक' हो जाती है, तो वह 'कला' कम और 'अश्लीलता' अधिक लगने लगती है।

जनता की रायः विभाजित विचार
युवा पीढ़ी, इसे 'पर्सनल चॉइस' मानती है और दखलंदाजी के खिलाफ है। बुजुर्ग एवं प्रबुद्ध वर्ग, इसे फैशन के नाम पर नग्नता परोसना और संस्कृति के विरुद्ध मानते हैं। मनोवैज्ञानिक, इसे 'अटेंशन सीकिंग' व्यवहार मानते हैं, जहाँ लाइक्स की भूख मयार्दा भुला देती है।

एडिटर की कलम से (पवन माकन):
"फैशन तब तक ही शोभा देता है जब तक वह शालीनता की परिधि में हो। टैटू निश्चित रूप से एक कला है, लेकिन जब यह कला आपकी गोपनीयता (Privacy) को बाजार में नुमाइश के लिए खड़ा कर दे, तो रुक कर सोचना जरूरी है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। आधुनिक बनना प्रगतिशीलता है, लेकिन अंधे अनुकरण में अपनी गरिमा को खो देना केवल पतन है।
महानगर मेट्रो – निर्भीक कलम, निष्पक्ष सोच।

असम की सियासत में पासपोर्ट धमाकाः क्या सीएमसरमा की पत्नी के पास हैं 3 देशों की नागरिकता?

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। गुवाहाटी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। कांग्रेस के कद्दावर नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक ऐसा 'बम' फोड़ा है जिसने न केवल असम बल्कि देश की राजनीति में भूचाल ला दिया है। खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दस्तावेजों का हवाला देते हुए दावा किया है कि असम के मुख्यमंत्री की पत्नी के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं।

क्या कानून से ऊपर है रसूखदार परिवार?
भारत का संविधान दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं देता, ऐसे में तीन देशों के पासपोर्ट की बात सामने आना गंभीर सुरक्षा चूक और कानूनी उल्लंघन की ओर इशारा करती है। पवन खेड़ा ने दस्तावेज लहराते हुए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री परिवार की निष्ठा और

कानून के पालन पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

पवन माकन की कलम से:
'महानगर मेट्रो' के चुभते सवाल
एक तरफ भाजपा राष्ट्रवाद की दुहाई देती है और दूसरी तरफ उनके अपने मुख्यमंत्रियों के परिवार पर ऐसे गंभीर आरोप लग रहे हैं। 'महानगर मेट्रो' इस मामले में कुछ बुनियादी सवाल उठाता हैः
* जांच एजेंसियां मौन क्यों? अगर यह दावा सच है, तो एऊऔर उइकअब तक मुख्यमंत्री आवास क्यों नहीं पहुंची?
* क्या यह 'सफेद झूठ' है या 'कड़वा सच'? मुख्यमंत्री खेमे की ओर से अब तक इस पर कोई ठोस तकनीकी सफाई क्यों नहीं आई?
* देश की सुरक्षा का क्या? एक सीमावर्ती राज्य (अ२रें) के मुखिया की पत्नी का विदेशी पासपोर्ट रखना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से कितना खतरनाक है?

"सियासत के गलियारों में चर्चा गरम है कि क्या 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत' का नारा देने वाली सरकार अपने ही कुनबे के इन कथित विदेशी कनेक्शनों पर पर्दा डालेगी?" कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग जाने की तैयारी में है। वहीं, असम भाजपा इसे चुनाव से पहले की 'साजिश' करार दे रही है। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि अगर ये दस्तावेज असली हैं, तो क्या मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देंगे? जनता जवाब मांग रही है, और 'महानगर मेट्रो' सच्चाई सामने आने तक सवाल पूछता रहेगा। बने रहिए 'महानगर मेट्रो' के साथ, हर उस खबर के लिए जो सत्ता की कुर्सी हिला दे।

– पवन माकन, ग्रुप एडिटर

संसद में घमासान-मैंने राघव चड्ढा के मुंह पर चिट्ठी फेंकी और कहा- गेट आउट!

कांग्रेस सांसद डॉ. गांधी का आम आदमी पार्टी और चड्ढा पर बड़ा हमला

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली, (पवन माकन)। नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी और सांसद राघव चड्ढा के बीच चल रही अंदरूनी कलह में अब कांग्रेस की भी एंट्री हो गई है। पंजाब के पटियाला से कांग्रेस सांसद डॉ. धर्मवीर गांधी ने राघव चड्ढा के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एक बेहद सनसनीखेज दावा किया है। डॉ. गांधी ने पुराने वाकये को याद करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल राघव चड्ढा के मुंह पर चिट्ठी फाड़कर फेंकी थी, बल्कि उन्हें 'गेट आउट' कहकर संसद से बाहर भी कर दिया था।

क्या है पूरा विवाद?
(द कोर कॉन्टेक्स्ट)
डॉ. धर्मवीर गांधी ने राघव चड्ढा की कार्यशैली पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि चड्ढा का व्यवहार सांसदों के प्रति उचित नहीं रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक बार जब राघव चड्ढा कुछ दस्तावेजों के साथ उनके पास आए थे, तब उनके 'अहंकारी' रवैये के कारण डॉ. गांधी का धैर्य जवाब दे गया।

तीखी बहसः डॉ. गांधी के अनुसार, उन्होंने राघव चड्ढा को स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे सांसदों को निर्देश देने की कोशिश न करें।

चिट्ठी का किस्साः विवाद इतना बढ़ा कि डॉ. गांधी ने हाथ में मौजूद कागज फाड़कर चड्ढा की ओर फेंक दिए और उन्हें तुरंत वहां से चले जाने को कहा। आम आदमी पार्टी के भीतर कलह की गूंज यह बयान ऐसे समय में आया है जब राघव चड्ढा और 'आप' नेतृत्व के बीच अनबन की खबरें पहले से ही चर्चा में हैं। डॉ. गांधी ने चुटकी लेते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपने ही सांसदों और सहयोगियों का सम्मान नहीं कर सकता, उसका ऐसा ही हश्र होना तय है।

सियासी गलियारों में चर्चा (द इम्पैक्ट) : कांग्रेस सांसद के इस बयान ने पंजाब और दिल्ली की राजनीति में नया उबाल ला दिया है।

आप की चुप्पीः इस तीखे हमले पर फिलहाल आम आदमी पार्टी या राघव चड्ढा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। विपक्ष का रुखः भाजपा और अन्य दल इस घटना को 'आप' के भीतर 'तानाशाही' के उदाहरण के रूप में पेश कर रहे हैं।

डॉ. गांधी का रुखः "सम्मान सर्वोपरि" डॉ. गांधी ने जोर देकर कहा कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मयार्दा का उल्लंघन स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि राघव चड्ढा को यह समझना चाहिए था कि वे वरिष्ठ सांसदों के साथ कैसा व्यवहार करें। महानगर मेट्रो व्यूः संसद के भीतर की यह 'फाइल फाइट' अब सार्वजनिक हो चुकी है। डॉ. गांधी का यह दावा न केवल राघव चड्ढा की छवि पर सवाल उठाता है, बल्कि विपक्षी एकजुटता के दावों के बीच व्यक्तिगत टकरावों की कड़वी सच्चाई को भी उजागर करता है।

35 करोड़ सवर्णों का भविष्य: हकीकत या सिर्फ चुनावी बिसात?

महानगर मेट्रो

लेखक: पवन माकन (ग्रुप एडिटर)

नमस्कार, मैं हूँ पवन माकन।

आज चर्चा किसी साधारण मुद्दे पर नहीं, बल्कि देश के उस 35 करोड़ सवर्ण समाज की है, जो आज खुद को हाशिए पर खड़ा महसूस कर रहा है। GC के हालिया नियमों और आरक्षण के बढ़ते दायरे ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। क्या इस 'काले कानून' के बाद भी देश का सवर्ण समाज खामोश रहेगा?

महत्वपूर्ण सवाल जो आज हर सवर्ण के मन में हैं:

* योग्यता का गला कब तक? क्या उच्च शिक्षा और नौकरियों में केवल जाति ही पैमाना होगी? 35 करोड़ की आबादी वाला यह वर्ग आखिर कब तक 'वोट बैंक' की राजनीति की भेंट चढ़ता रहेगा?

* समानता का अधिकार कहाँ है? संविधान सबको बराबर का हक देता है, लेकिन क्या तष्ट जैसे संस्थानों के नए प्रावधान प्रतिभाओं के साथ न्याय कर रहे हैं?

* **राजनीतिक बहकावा:** चुनाव आते ही हर दल सवर्णों को लुभाने के लिए वादे करता है, लेकिन सत्ता में आते ही उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं होता। क्या इस बार भी यह विशाल जनसमूह केवल 'बहकावे' में आकर अपना कीमती वोट देगा?

वक्त आ गया है सोचने का! - यह सिर्फ एक नीति का विरोध नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का सवाल है। अगर आज योग्य युवाओं को उनकी प्रतिभा के बजाय उनकी जाति के कारण पीछे धकेला गया, तो देश की प्रगति की रफ्तार क्या होगी?

महानगर मेट्रो आप सभी से पूछता है: - क्या आप इस व्यवस्था से संतुष्ट हैं? क्या आपको लगता है कि सवर्णों की एकजुटता ही इस स्थिति को बदल सकती है? अपनी राय कमेंट बॉक्स में जरूर दें। क्या इस बार भी आप बिना सोचे-समझे वोट देंगे या अपने हक के लिए आवाज उठाएंगे?

राजनीति की 'महारानी' या मात्र 'मोहरा'? सीमा गोविंद के खुलासे ने लोकतांत्रिक शुचिता पर दागे कई सवाल

* **विवाद: सीमा गोविंद का राजनीति में महिलाओं के शोषण पर बड़ा बयान।**

* **प्रभाव: सोशल मीडिया से लेकर संसद तक मचा कोहराम।**

* **मांग: राजनीतिक पार्टियों के लिए 'कोड ऑफ कंडक्ट' और स्वतंत्र जांच की बढ़ती मांग।**

महानगर मेट्रो

पवन मकान । नई दिल्ली: राजनीति को समाज सेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना जाता है, लेकिन सीमा गोविंद के हालिया सनसनीखेज बयान ने इस 'सफेदपोश' दुनिया के पीछे छिपे काले स्याह चेहरों को बेनकाब कर दिया है। क्या एक महिला को अपनी काबिलियत के दम पर राजनीति में मुकाम हासिल करने की आजादी नहीं है? सीमा गोविंद के एक बयान ने न केवल देश की राजनीति में खलबली मचा दी है, बल्कि उस कड़वी सच्चाई को भी सामने लाकर खड़ा कर दिया है जिसे अक्सर सत्ता के गलियारों में दबा दिया जाता है।

सीमा गोविंद ने अपने बयान में उन चुनौतियों और 'कीमत' का जिक्र किया है, जो एक महिला को राजनीतिक सीढ़ियां चढ़ने के लिए चुकानी पड़ती है। उनके आरोपों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या महिला आरक्षण और महिला सशक्तिकरण के दावे सिर्फ चुनावी रैलियों के लिए हैं? जब एक सशक्त महिला नेता को इस स्तर की प्रताड़ना और समझौतों की बात करनी पड़ती है, तो जमीनी स्तर पर काम करने वाली कार्यकर्ताओं की स्थिति की कल्पना करना भी डरावना है।

संपादकीय दृष्टिकोण - पवन मकान की कलम से

राजनीति का चेहरा इतना गंदा क्यों हो गया है कि यहाँ चरित्र और ईमानदारी से ज्यादा 'समझौतों' को अहमियत दी जा रही है? यह केवल सीमा गोविंद की लड़ाई नहीं है, बल्कि उस हर महिला की लड़ाई है जो नेतृत्व करने का सपना देखती है। यदि महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए अपनी गरिमा का सौदा करना पड़े, तो यह लोकतंत्र की हार है। 'राजनीति में 'नीति' गायब हो रही है और केवल 'कब्जा' करने की होड़ बची है। सीमा गोविंद का साहस सराहनीय है, लेकिन क्या व्यवस्था उन्हें न्याय दिला पाएगी या यह बयान भी राजनीति की धूल में कहीं दब जाएगा?' – पवन मकान

व्यवस्था पर सवाल

इस खुलासे के बाद कुछ गंभीर सवाल खड़े होते हैं:

* **पार्टी की आंतरिक सुरक्षा:** क्या राजनीतिक दलों के पास कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (POSH एक्ट) को रोकने के लिए कोई सक्रिय मैकेनिज्म है?
* **नेताओं की चुप्पी:** देश के बड़े राजनैतिक दलों के शीर्ष नेतृत्व ने इस मुद्दे पर अब तक मौन क्यों साध रखा है?
* **सामाजिक जिम्मेदारी:** क्या हम एक ऐसा समाज बना रहे हैं जहाँ राजनीति में महिलाओं का प्रवेश केवल 'कोटा' पूरा करने के लिए है, सम्मान के लिए नहीं?

निष्कर्ष

महानगर मेट्रो न्यूज़ इस पूरे मामले की तह तक जाएगा। यह समय है कि राजनीति की सफाई की जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियों की बेटियां बिना किसी डर के राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें। सीमा गोविंद के बयान ने जो चिंगारी सुलगाई है, वह अब बुझनी नहीं चाहिए।

कांग्रेस का 'गुजरात संकल्प': नगर निगम चुनावों के लिए वादों की झड़ी, क्या 'हाथ' थामेगी जनता?

महानगर मेट्रो

पवन माकन । अहमदाबाद/राजकोट/सूरत: गुजरात की राजनीति में इस वक्त सरगर्मियां तेज हैं। नगर निगम (Municipal Corporation) चुनावों के मुहाने पर खड़े गुजरात में कांग्रेस ने अपना 'पिटारा' खोल दिया है। महानगरों की सत्ता से दशकों से दूर कांग्रेस ने इस बार 'शहर की सरकार' के लिए एक ऐसा मैनिफेस्टो जारी किया है, जो सीधे आम आदमी की जेब और उसकी बुनियादी जरूरतों पर वार करता है। पवन माकन की कलम से: यह सिर्फ एक चुनावी दस्तावेज नहीं है, बल्कि भाजपा के अभेद्य माने जाने वाले शहरी दुर्ग में सेंध लगाने की कांग्रेस की आखिरी कोशिश नजर आती है।

मैनिफेस्टो के 5 बड़े 'ब्रह्मास्त्र' - जिनसे मचेगा घमासान

कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कुछ ऐसे वादे किए हैं, जो सत्ताधारी दल के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं:

* **प्रॉपर्टी टैक्स में बड़ी राहत:** कांग्रेस ने वादा किया है कि यदि उनकी सत्ता आती है, तो मध्यम वर्ग और गरीबों के लिए प्रॉपर्टी टैक्स में 50' तक की कटौती की जाएगी।
* **मुफ्त पानी का संकल्प:** 'नल से जल' के दावों के बीच कांग्रेस ने प्रति परिवार एक निश्चित सीमा तक मुफ्त पानी और पुराने पानी के बिलों को माफ करने का दांव खेला है।
* **स्मार्ट हेल्थ कार्ड:** हर नगर निगम क्षेत्र में 'जनता क्लिनिक' और स्मार्ट कार्ड के जरिए मुफ्त इलाज का वादा किया गया है, जो दिल्ली मॉडल की याद दिलाता है।
* **गड्ढा मुक्त सड़कें और पार्किंग:** शहरी बुनियादी ढांचे को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कांग्रेस ने घोषणा की है कि खराब सड़कों के लिए ठेकेदारों की जवाबदेही तय होगी और पार्किंग की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा।
* **युवाओं के लिए 'अर्बन एम्प्लॉयमेंट':** मनरेगा की तर्ज पर शहरों में भी युवाओं के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरू करने का बड़ा वादा किया गया है।

पवन माकन का तीखा विश्लेषण: क्या यह मुमकिन है?

राजनैतिक गलियारों में चर्चा इस बात की है कि क्या कांग्रेस इन वादों को धरातल पर उतार पाएगी? सालों से नगर निगमों पर काबिज भाजपा के पास विशाल बजट और नेटवर्क है। ऐसे में कांग्रेस का यह 'लोकल कार्ड' कितना प्रभावी होगा, यह देखने वाली बात है।

विशेष टिप्पणी:

'गुजरात की शहरी जनता अब सिर्फ 'स्मार्ट सिटी' के टैग से खुश नहीं है। उन्हें धूल, प्रदूषण और भारी टैक्स से मुक्ति चाहिए। कांग्रेस ने इन्हीं दुखती रगों पर हाथ रखा है। लेकिन सवाल वही है– क्या कांग्रेस का संगठन इन वादों को घर-घर तक पहुंचाने का दम रखता है?' – पवन माकन

विपक्ष का वार और जनता की उम्मीद

जहाँ भाजपा इन वादों को 'रेवड़ी कल्चर' और 'झूठा पिटारा' बता रही है, वहीं आम जनता के बीच टैक्स कटौती और मुफ्त पानी जैसे मुद्दों पर सुगबुगाहट शुरू हो गई है। महानगर मेट्रो न्यूज़ का सवाल: क्या गुजरात के बड़े महानगर अब बदलाव के मूड में हैं? या फिर यह मैनिफेस्टो सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएगा?

राजस्थान में ओले गिरे, रेगिस्तानी जिलों में तेज बारिश

जयपुर

राजस्थान में नया वेदर सिस्टम एक्टिव होने के साथ ही रेगिस्तानी जिलों में सुबह से रुक-रुककर बरसात हो रही है। इससे पहले यहां मानसून सीजन की तरह तेज बिजली चमकी और बादल भी गरजे। नागौर जिले में चने के आकार के ओले भी गिरे बदले मौसम का असर राजधानी व आसपास के इलाकों में दिखाई दे रहा है।

पीने वाले दोषी, बेचने वाले आज़ाद? सच जानिए!

सिस्टम की दोहरी मार: सलाखों के पीछे 'शौकीन', और सड़कों पर सरेआम घूमते 'सप्लायर'। क्या यही है न्याय?

महानगर मेट्रो

शहर की चमचमाती लाइटों के पीछे एक कड़वा सच छिपा है। हर शाम पुलिस की गाड़ियाँ उन गलियों में सायरन बजाती हैं जहाँ 'पीने वाले' मिलते हैं। चालान कटते हैं, हवालात की हवा खिलाई जाती है और बदनामी का ठप्पा लगता है। लेकिन सवाल यह है कि– जिस 'माल' को पीकर ये लोग दोषी बने, वह इन तक पहुँचा कैसे? क्या पुलिस की पहुँच उन ऊंची हवेलियों और गुप्त गोदामों तक नहीं है, जहाँ से नशे का यह ज़हर पूरी शहर की रगों में दौड़ रहा है?

पुलिस वैन में बैठे कुछ युवा और दूसरी तरफ अंधेरी गली में सरेआम बिकती अवैध शराब की बोतलें–तस्वीर खुद बोलती है!

सिस्टम का विरोधाभास

जब कार्रवाई होती है, तो आंकड़े कहते हैं कि 90' गिरफ्तारियां 'उपभोक्ताओं' की होती हैं। महानगर मेट्रो की पड़ताल में यह बात सामने आई है कि:

* **शिकार:** गरीब मजदूर या मध्यम वर्गीय युवा, जो आसानी से पुलिस की पकड़ में आ जाते हैं।
* **शिकारी:** वे बड़े सिंडिकेट और सप्लायर, जो हज़ारों लीटर अवैध शराब और नशीले पदार्थ शहर में डंप करते हैं, वे अक्सर 'रसूख' और 'रिश्वत' के कवच में सुरक्षित रहते हैं।

कुछ चुभते सवाल

'अगर प्यासा दोषी है, तो कुआं खोदने वाला बेगुनाह कैसे हो गया? '

* चेकपोस्ट कहाँ थे? जब ट्रक के ट्रक शहर की सीमा पार कर रहे थे, तब प्रशासन की आँखें क्यों बंद थीं?
* सप्लाई चेन पर चुप्पी क्यों? क्या एक आम आदमी का पकड़ा जाना ही कानून की सफलता है? असली कामयाबी तो 'जड़' काटने में होनी चाहिए।
* नामों का खुलासा कब? छोटे प्यादों के नाम तो अखबारों में छपते हैं, लेकिन उन सफेदपोश चेहरों का क्या जो इस काले कारोबार के असली मालिक हैं?

ग्राउंड रिपोर्ट का कड़वा सच

महानगर के कई इलाकों में शाम ढलते ही 'अवैध अड्डों' पर महफिलें सजने लगती हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी वहां से गुजरती तो है, लेकिन रुकती वहां है जहां से वसूली की उम्मीद हो। कार्रवाई के नाम पर केवल उन लोगों को उठाया जाता है जिनकी जेबें खाली हैं या जो सिस्टम से लड़ने की ताकत नहीं रखते।

संपादकीय दृष्टिकोण

सिर्फ पीने वालों को जेल भेजने से नशा खत्म नहीं होगा। यह तो वही बात हुई कि आप पत्तियां काट रहे हैं और जड़ को पानी दे रहे हैं। प्रशासन को अपनी प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। जब तक 'बेचने वाले' सलाखों के पीछे नहीं होंगे, तब तक 'पीने वालों' की कतारें कभी कम नहीं होंगी। महानगर मेट्रो की आवाज़: हमें 'नशा मुक्त' शहर चाहिए, 'पकड़-धकड़' का नाटक नहीं। असली गुनहगारों पर वार कीजिए, तभी समाज सुरक्षित होगा।

राम अवतार जग्गी हत्याकांड: 23 साल बाद इंसाफ, पूर्व CM के बेटे अमित जोगी को उम्रकैद

महानगर मेट्रो।

रायपुर/बिलासपुर: । छत्तीसगढ़ की राजनीति में दो दशकों से गूँज रहे राम अवतार जग्गी हत्याकांड में आखिरकार इंसाफ की जीत हुई है। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को हत्या और आपराधिक साजिश का दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।

हाई कोर्ट ने पलटा निचली अदालत का फैसला

बता दें कि साल 2007 में रायपुर की ट्रायल कोर्ट ने इस मामले के 28 अन्य आरोपियों को तो सजा सुनाई थी, लेकिन अमित जोगी को 'सबूतों के अभाव' में बरी कर दिया था। अब चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की डिवीजन बेंच ने निचली अदालत के उस फैसले को 'पूरी तरह से त्रुटिपूर्ण और आधारहीन' बताया है।

पुलिस और सत्ता का गठड़: जब रक्षक ही भक्षक बने

इस केस की सबसे चौंकाने वाली कड़ी वे तीन पुलिस अधिकारी हैं, जिन्हें 2007 में ही दोषी ठहराया गया था। इसमें दो CSP और एक थाना प्रभारी शामिल थे।

* **दोषी अधिकारी:** वी.. पांडे, अमरीक सिंह गिल और राकेश चंद्र त्रिवेदी।
* **आरोप:** इन अधिकारियों ने न केवल असली हत्यारों को बचाया, बल्कि गवाहों को डराया-धमकाया और फर्जी सबूत पेश किए। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मुख्य सचिव के पुत्र होने के

अदालत की सख्त टिप्पणी: 'अमित जोगी इस पूरी साजिश के मुख्य सूत्रधार थे। निचली अदालत द्वारा अन्य आरोपियों और अमित जोगी के बीच भेदभाव करना न्याय का अपमान था। '

क्या था मामला? (फ्लैशबैक)

* **दिनांक:** 4 जून 2003
* **घटना:** NCP के तत्कालीन कोषाध्यक्ष राम अवतार जग्गी की रायपुर में गोली मारकर हत्या।
* **वजह:** जग्गी 10 जून को होने वाली एक विशाल रैली की तैयारी कर रहे थे। CBI के अनुसार, यह रैली तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी और उनके बेटे अमित जोगी के लिए बड़ा राजनीतिक खतरा थी।
* **साजिश:** हत्या को शुरू में पुलिस ने लूट का रंग देने की कोशिश की थी, लेकिन CBI जांच में खुलासा हुआ कि यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित हत्या थी।

अब सुप्रीम कोर्ट पर टिकी निगाहें

सजा के ऐलान के बाद अमित जोगी ने 6 अप्रैल 2026 को सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी है। सर्वोच्च न्यायालय इस मामले पर 20 अप्रैल को सुनवाई करेगा।

संपादकीय दृष्टिकोण: सत्ता का संरक्षण और न्याय की लड़ाई

यह मामला याद दिलाता है कि जब सत्ता और पुलिस का गठबंधन होता है, तो न्याय की राह कितनी कठिन हो जाती है। गुजरात के सोहराबुद्दीन या हरेन पंड्या हत्याकांड जैसे उदाहरणों की तरह ही यहाँ भी खाकी पर खा?? का गहरा साया दिखा। लेकिन छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट का यह फैसला यह साबित करता है कि भले ही देर हो जाए, कानून के हाथ लंबे होते हैं और सत्ता का 'डबल इंजन' भी आपको कानून से ऊपर नहीं रख सकता।

अंतरराष्ट्रीय संकट की मार छत्तीसगढ़ के ठेकेदारों ने दी अप्रत्याशित स्थिति की चेतावनी

महानगर मेट्रो।

ठेकेदार बोले काम करना हुआ मुश्किल

राजनांदगांव। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और मध्य-पूर्व में जारी सशस्त्र संघर्ष का असर अब सीधे छत्तीसगढ़ के निर्माण कार्यों पर दिखने लगा है। पेट्रोलियम उत्पादों की कमी, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं ने राज्य के ठेकेदारों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने विभाग को औपचारिक रूप से अप्रत्याशित घटना की सूचना दी है। प्रदेश अध्यक्ष वीरेश शुक्ला, जिला अध्यक्ष संजय सिंघी और जिला कांट्रेक्टर एसोसिएशन के सचिव आलोक बिंदल व अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से यह ज्ञापन जारी किया है। यह पत्र प्रमुख अभियंता, पीडब्ल्यूडी, नया रायपुर सहित सभी विभागों के मुख्य अभियंताओं, मंत्रियों और सचिवों को भेजा जा रहा है। ज्ञापन में बताया गया है कि मध्य-पूर्व क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचने की बात कही गई है। पेट्रोल, डीजल, एलपीजी जैसी आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और परिवहन बाधित हुआ है। ठेकेदारों के अनुसार बिटुमेन, स्टील, इमल्शन, डीजल, पेट्रोल और एलपीजी जैसी जरूरी सामग्री की आपूर्ति बाधित हो गई है। हॉट मिक्स प्लांट, बैचिंग प्लांट, मशीनरी और ट्रांसपोर्ट संचालन प्रभावित हो रहे हैं। कई उपकरण और संसाधन निष्क्रिय हो रहे हैं, जिससे उत्पादकता में गिरावट आई है। एलपीजी सिलेंडर की कमी के कारण श्रमिक शिविरों में भोजन और दैनिक संचालन प्रभावित हो रहे हैं साइट पर काम करने वाले श्रमिकों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो गई है संघ ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति ठेकेदारों के नियंत्रण से बाहर है इसे अप्रत्याशित घटना के रूप में माना जाए परियोजनाओं की समयसीमा बढ़ाई जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि देरी के लिए ठेकेदारों को जिम्मेदार न ठहराया जाए किसी भी प्रकार के जुर्माना, पेनल्टी या नुकसान की भरपाई से छूट दी जाए भविष्य में लागत वृद्धि और नुकसान के लिए दावा करने का अधिकार सुरक्षित रखा जाए। संघ ने अपने सभी सदस्य ठेकेदारों से अपील की है कि यदि इस विषय से संबंधित अन्य समस्याएं हैं तो वे व्यक्तिगत रूप से या समूह के माध्यम से जानकारी दें ताकि उन्हें भी ज्ञापन में शामिल किया जा सके। अंतरराष्ट्रीय हालात का असर अब स्थानीय स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। छत्तीसगढ़ के ठेकेदारों द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल उनकी समस्याओं को उजागर करता है, बल्कि सरकार के सामने भी एक बड़ी चुनौती पेश करता है कि वह समय रहते उचित निर्णय लेकर निर्माण कार्यों को पटरी पर बनाए रखे।

लखोली में अवैध शराब का जाल दिन-रात नशेड़ियों का अड्डा बना दुर्गा चौक

पुलिस पेट्रोलिंग पर सवाल, महिलाओं और स्कूली बच्चों का निकलना हुआ मुश्किल

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव । शहर के लखोली क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार तेजी से फैलता जा रहा है। नगर निगम के पांच वार्डों को समेटे इस इलाके में खुलेआम शराब की बिक्री और सेवन से स्थानीय लोग परेशान हैं। खासकर वार्ड क्रमांक 35 व 36 स्थित दुर्गा चौक नशेड़ियों और असामाजिक तत्वों का प्रमुख ठिकाना बन चुका है जिससे क्षेत्र का माहौल दिन-ब-दिन बिगड़ता जा रहा है। लखोली के दुर्गा चौक में सुबह से लेकर देर रात तक नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। यहां शराब के शौकीन लोग खुलेआम बैठकर शराब पीते हैं और चखना खाते हैं। हैरानी की बात यह है कि यह सब सार्वजनिक स्थानों पर बिना किसी डर के हो रहा है। शराब के नशे में धुत लोग खुलेआम गाली-गलौज करते हैं जिससे आसपास का माहौल दूषित हो रहा है। इसके अलावा शराब पीने के बाद लोग कचरा जहां-तहां फेंक देते हैं या वहीं छोड़ देते हैं जिससे क्षेत्र में गंदगी फैल रही है। इस स्थिति का सबसे ज्यादा असर महिलाओं और स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि महिलाओं का अकेले निकलना मुश्किल हो गया है वहीं स्कूल और कोचिंग जाने वाले बच्चों को भी आए दिन असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में समय-समय पर पुलिस गश्त नहीं होती जिसके कारण असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं। लोगों का कहना है कि जब भी इस बारे में पुलिस अधिकारियों को सूचना दी जाती है तो उनका एक ही जवाब होता है पेट्रोलिंग पार्टी भेजते हैं लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आती। सूत्रों के अनुसार दुर्गा चौक के आसपास कुछ पान ठेला संचालक न केवल अवैध शराब की बिक्री में शामिल हैं बल्कि शराब पीने के लिए जगह भी उपलब्ध करा रहे हैं। इससे यह अवैध गतिविधि और भी संगठित रूप लेती जा रही है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर डर बना हुआ है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो किसी दिन कोई बड़ी घटना हो सकती है। लोगों का कहना है कि अवैध शराब रखने, बेचने और सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। लखोली क्षेत्र के रहवासी प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग कर रहे हैं कि अवैध शराब के कारोबार पर तुरंत रोक लगाई जाए और क्षेत्र में नियमित पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके और इलाके का माहौल फिर से सुरक्षित बन सके।

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

पहला विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी।

स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार...

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों

ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन- 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दशार्ती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

संपादकीय

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका-इस्त्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वैंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है।

दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति श्रृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निमार्ताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्त्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने खोया मानसिक संतुलन, गाली गलौज पर उतरे

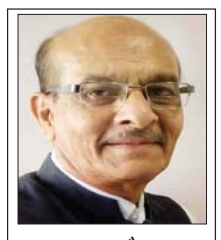

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले 1 साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। जिस तरह से उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका लाया। वेनेजुएला की सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका ने खुलेआम कब्जा किया। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। उसके बाद उनकी हिम्मत बढ़ी, उन्होंने ईरान मे अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता के खिलाफ ईरान की जनता को भड़काया, वहां पर आंदोलन कराए, खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिश ट्रम्प ने की। जब यह प्रयास सफल नहीं हो पाया,

उसके बाद अमेरिका और इजरायल ने बातचीत में उलझा कर ईरान के ऊपर हमला कर दिया। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले 35 दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले 35 दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले 47 सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं।

ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा। ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राज्यों और आमजनता में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। उससे लगता है ट्रम्प ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति के पद पर नहीं रह पायेंगे।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी ?

सौरभ वार्ष्णेय

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है।

कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है, तो उसका असर व्यापक होता है ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है।

समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी

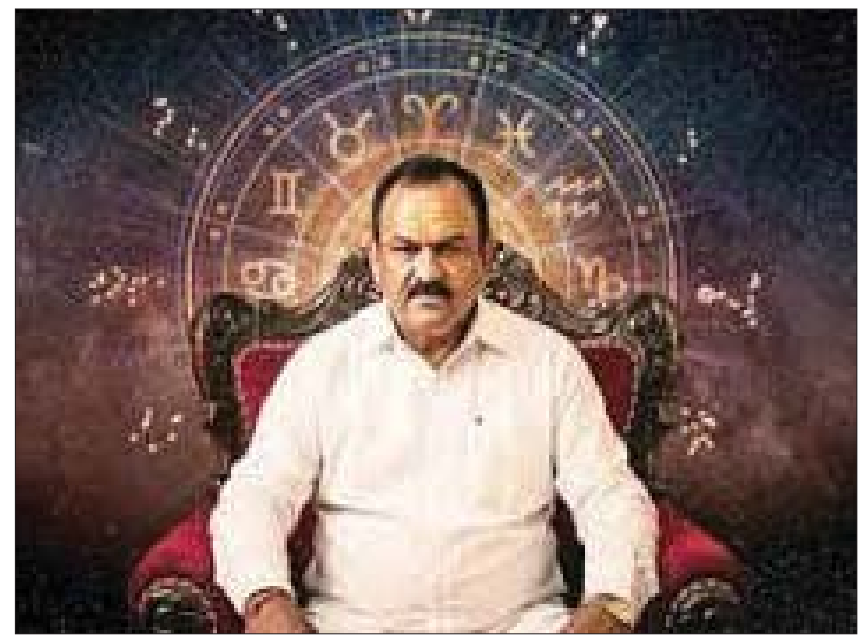

व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबाइ के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं–राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता–को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।चौथा और चिंताजनक कारण है व्यक्तिगत लाभ और संरक्षण की उम्मीद। कुछ लोग यह मानते हैं कि ऐसे बाबा उनके काम बनवा सकते हैं, समस्याएं सुलझा सकते हैं या उन्हें किसी तरह का आध्यात्मिक संरक्षण दे सकते हैं। यह मानसिकता लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच के लिए खतरनाक है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू यह है कि जब वीवीआईपी स्तर के लोग ऐसे व्यक्तियों के पास जाते हैं, तो आम जनता में उनकी विश्वसनीयता स्वतः बढ़ जाती है। इससे अंधविश्वास को बढ़ावा मिलता है और समाज में तर्क और विवेक की जगह कमजोर पड़ती है। यह जरूरी है कि समाज–विशेषकर प्रभावशाली वर्ग–तर्क, वैज्ञानिक सोच और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। किसी भी व्यक्ति को बिना प्रमाण और जवाबदेही के चमत्कारी मान लेना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी नुकसानदायक हो सकता है।

अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का नाम हाल के वर्षों में उनकी अकूत संपत्ति और गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। नासिक से शुरू हुआ यह मामला केवल एक तथाकथित धार्मिक गुरुइ की कहानी नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर खड़े किए गए एक विशाल और संदिग्ध साम्राज्य का खुलासा है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, अशोक खरात ने खुद को ज्योतिषी, तांत्रिक और चमत्कारी शक्तियों वाला व्यक्ति बताकर लोगों, खासकर महिलाओं का विश्वास जीता। इसी विश्वास का दुरुपयोग कर उन्होंने न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर अपराधों को भी अंजाम दिया।सबसे चौंकाने वाला पहलू उनकी संपत्ति को लेकर सामने आया है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पास सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति होने का अनुमान है–कुछ जगहों पर यह आंकड़ा 200 करोड़ से लेकर 500 करोड़ और यहां तक कि 1500 करोड़ रुपये तक बताया गया है। यह संपत्ति न केवल उनके नाम पर, बल्कि पत्नी, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी पाई गई, जिससे बेनामी निवेश और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका मजबूत होती है।जांच में यह भी सामने आया कि इस तथाकथित आध्यात्मिक साम्राज्य के पीछे एक संगठित तंत्र काम कर रहा था–जिसमें कोड लैंग्वेज, गुप्त कैमरे और ब्लैकमेलिंग के नेटवर्क शामिल थे।इसके अलावा, उनके पास से सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जो इस पूरे नेटवर्क की गहराई को दशार्ते हैं।

यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके तार राजनीति और प्रशासन तक भी जुड़ते दिखाई दिए हैं, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। अशोक खरात का मामला केवल एक व्यक्ति की अकूत संपत्ति का नहीं, बल्कि उस तंत्र का प्रतीक है जिसमें अंधविश्वास, लालच और सत्ता का गठजोड़ समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है।

8वीं पास ने किया विदेशी महिलाओं का इलाज, टेक्नीशियन ने बदली किडनी... कानपुर कांड में नए खुलासे

महानगर मेट्रो

कानपुर । उत्तरप्रदेश के कानपुर में अवैध किडनी ट्रांसप्लांट कांड में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. एंबुलेंस चालक और ओटी टेक्नीशियन डॉक्टर बनकर मरीजों का इलाज और ऑपरेशन कर रहे थे. कानपुर में विदेशी महिला का भी किडनी ट्रांसप्लांट किया गया.

इस पूरे मामले में अब तक 8 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि कई आरोपी फरार हैं. कानपुर में सामने आए इस किडनी ट्रांसप्लांट कांड ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं. जांच में जो बातें निकलकर सामने आई हैं, वह चौंकाने वाली हैं. पुलिस के मुताबिक, इस पूरे रैकेट में एंबुलेंस चालक से लेकर ओटी टेक्नीशियन तक 'डॉक्टर' बनकर मरीजों का इलाज और ऑपरेशन तक कर रहे थे. आठवीं पास एंबुलेंस चालक शिवम खुद डॉक्टर बनकर विदेशी महिला की जांच करता हुआ दिखा है, जिसकी फोटो भी वायरल हो रही है. वहीं नोएडा के एक अस्पताल का ओटी टेक्नीशियन अली ने तो बकायदा इस कांड में कई ऑपरेशन कर किडनी तक बदली है. मामले की शुरुआत 31 मार्च को हुई, जब पुलिस ने बिना अनुमति किडनी ट्रांसप्लांट करने के आरोप में एक अस्पताल पर छापा मारा. इस दौरान एक महिला जिसकी किडनी बदली गई और बिहार का एक युवक मिला, जो डोनर बताया गया. दोनों को बाद में इलाज के लिए लखनऊ भेजा गया. इस कार्रवाई में डॉ. सुरजीत सिंह और उनकी पत्नी डॉ. प्रीति आहूजा समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया. बताया गया कि यह पूरा नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था और अलग-अलग राज्यों से मरीजों को लाकर ट्रांसप्लांट किया जा रहा था.

जब एंबुलेंस चालक बन गया 'डॉक्टर' LPG संकट से कानपुर में 1250 फैक्ट्रियां बंद, ब्लैक सिलेंडर से चल रहा काम

इस मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह रहा कि एक एंबुलेंस चालक शिवम खुद को 'डॉक्टर शिवम' बताकर मरीजों का इलाज करता था. पुलिस को उसके मोबाइल से ऐसे वीडियो और फोटो मिले हैं, जिनमें वह मरीजों का चेकअप करता नजर आ रहा है. एक वीडियो में वह विदेशी महिला से अंग्रेजी में बात करते हुए उसे चेक कर रहा है जैसे कोई प्रशिक्षित डॉक्टर हो.

विदेशी महिला का भी हुआ ट्रांसप्लांट

जांच में यह भी सामने आया है कि इस गिरोह ने सिर्फ स्थानीय मरीजों तक ही काम सीमित नहीं रखा, बल्कि विदेशी नागरिकों को भी निशाना बनाया गया. दक्षिण अफ्रीका की एक महिला अरेबिका का भी कानपुर में किडनी ट्रांसप्लांट किया गया. ऑपरेशन के बाद जब उसकी हालत बिगड़ी, तो वही एंबुलेंस चालक 'डॉक्टर' बनकर उसका इलाज करता नजर आया. यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

टेक्नीशियन ने किया ऑपरेशन !

जांच का दूसरा बड़ा खुलासा यह है कि ऑपरेशन करने वाले लोग भी असली डॉक्टर नहीं थे. पुलिस के अनुसार, मुदस्सर अली सिद्दीकी नाम का व्यक्ति, जिसे अब तक डॉक्टर बताया जा रहा था, दरअसल एक ओटी टेक्नीशियन निकला. जब पुलिस उसकी तलाश में उसके घर पहुंची, तो परिवार ने साफ कहा कि वह डॉक्टर नहीं है, बल्कि एक अस्पताल में टेक्नीशियन के तौर पर काम करता है. यही नहीं, गाजियाबाद के कुलदीप और राजेश नाम के दो और टेक्नीशियन को गिरफ्तार किया गया है, जो इस नेटवर्क का हिस्सा थे और डॉक्टर बनकर काम कर रहे थे. जांच में यह भी सामने आया है कि इस गिरोह में ऐसे लोग भी शामिल थे, जिन्होंने सिर्फ आठवीं तक पढ़ाई की थी, लेकिन खुद को डॉक्टर बताकर मरीजों का इलाज कर रहे थे. एक अन्य आरोपी रोहित, जो कन्नौज का रहने वाला बताया जा रहा है, पहले गांव में झोलाछाप डॉक्टर के रूप में काम करता था. बाद में उसने नर्सिंग होम तक खोल लिया और इस नेटवर्क से जुड़ गया.

अब तक 8 गिरफ्तार, कई की तलाश जारी

इस पूरे मामले में अब तक पुलिस 8 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है. पहले दिन 6 लोगों को पकड़ा गया था, जिसमें डॉक्टर दंपती और एंबुलेंस चालक शामिल थे. इसके बाद दो और टेक्नीशियन को गिरफ्तार किया गया. पुलिस के मुताबिक, इस नेटवर्क में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश जारी है. जांच का दायरा अब लखनऊ, मेरठ, दिल्ली और कन्नौज तक फैल चुका है.

कैसे चलता था पूरा नेटवर्क?

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह मरीजों और डोनर्स को अलग-अलग राज्यों से लाता था. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जाता और फिर बिना उचित अनुमति के ट्रांसप्लांट कर दिया जाता. इस पूरे ऑपरेशन में फर्जी डॉक्टर, टेक्नीशियन और दलालों का एक पूरा नेटवर्क काम कर रहा था. हर व्यक्ति की भूमिका तय थी कोई मरीज लाता था, कोई कागजी काम संभालता था और कोई ऑपरेशन करता था.

स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़े सवाल

इस घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. कैसे बिना वैध अनुमति के ट्रांसप्लांट हो रहा था? कैसे बिना डिग्री वाले लोग ऑपरेशन कर रहे थे? और सबसे बड़ा सवाल कि इतने समय तक यह सब बिना पकड़े कैसे चलता रहा ? पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल के अनुसार, मामले की गहराई से जांच की जा रही है और जो भी इसमें शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी. उन्होंने बताया कि आरोपियों के मोबाइल और दस्तावेजों की जांच से कई अहम सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

REEL बनाने के चक्कर में झांसी के डोंगरी बांध में डूबे छात्र; दो की मौत

महानगर मेट्रो

दिल्ली । उत्तरप्रदेश के झांसी में पिकनिक मनाने गए इंटरमीडिएट के चार दोस्तों के साथ बड़ा हादसा हो गया. डोंगरी बांध में नाव पर मस्ती और रील बनाने के दौरान संतुलन बिगड़ने से चारों छात्र पानी में गिर गए. हादसे में दो छात्रों को बचा लिया गया, जबकि दो की डूबने से जान चली गई. उत्तर प्रदेश के झांसी में रक्सा थाना क्षेत्र के डोंगरी बांध पर रविवार को पिकनिक मनाने पहुंचे माउंट लिट्रा स्कूल के चार छात्र हादसे का शिकार हो गए. श्रवण तिवारी, शौर्य, वेदांश और आतिफ मंसूरी घर से कोचिंग का बहाना बनाकर निकले थे और बिना बताए बांध में खड़ी एक नाव लेकर बीच पानी में चले गए. वहां रील बनाने और आपस में हंसी-मजाक करने के दौरान नाव का संतुलन बिगड़ गया और चारों छात्र डूबने लगे. पास में बकरियां चरा रहे चरवाहे कल्लू केवट ने तत्परता दिखाते हुए दो छात्रों, श्रवण और शौर्य को बचा लिया, जबकि वेदांश और आतिफ गहरे पानी में समा गए. सूचना मिलते ही पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया और 12 घंटे बाद एक छात्र का शव बरामद कर लिया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है. डूबने से पहले का एक दिल दहला देने वाला वीडियो भी सामने आया है. छात्र वेदांश ने अपनी बहन को वीडियो भेजकर कहा था कि उन्होंने नाव हाईजैक कर ली है और पूरे डैम में घूम रहे हैं. वीडियो में वह आत्मविश्वास के साथ कह रहा था कि उसे तैरना आता है और वह बच जाएगा, लेकिन अफसोस वही पानी की लहरों में खो गया. परिजनों के मुताबिक, बच्चे घर से झूठ बोलकर निकले थे और उन्हें अंदाजा नहीं था कि यह मजाक उनकी जिंदगी पर भारी पड़ जाएगा.

यूपी अब 'ड्रोन शक्ति' का हब; तमंचों के लिए रहा बदनाम, लखनऊ के युवा अब बना रहे दिव्यास्त्र

महानगर मेट्रो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अब तेजी से 'ड्रोन शक्ति' का हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अवैध हथियारों और 'तमंचों' के लिए बदनाम प्रदेश अब नई पहचान गढ़ने में लगा हुआ है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को तेजी से डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप हब के रूप में उभरने की जो कोशिश की है, उसका परिणाम सामने आया है। राजधानी लखनऊ के एक प्राइवेट स्टार्टअप ने अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक विकसित की है। सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन और नीतियों का असर जमीन पर दिखने की बात इससे कही जा रही है। अपराध, पिछड़ेपन, माफियाराज से आगे बढ़ते प्रदेश अब ड्रोन के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ा है। दरअसल, लखनऊ के तीन युवा उद्यमियों पवन, रविंद्र पाल सिंह और सौरभ सिंह की ओर से स्थापित कंपनी हॉवरिट (॥श1द्दह्लह्ल) ने 'दिव्यास्त्र एमके-1' नाम का एडवांस यूएवी तैयार किया है। यह ड्रोन आधुनिक युद्ध की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है, जो निगरानी के साथ-साथ सटीक हमले करने में सक्षम है। इस ड्रोन टेक्नोलॉजी की चर्चा तेज हो गई है। साथ ही, सीएम योगी आदित्यनाथ की नीतियों को लेकर भी खूब चर्चा हो रही है।

क्या है दिव्यास्त्र एमके-1?

दिव्यास्त्र एमके-1 ड्रोन की प्रमुख खासियत इसकी 500 किलोमीटर की रेंज है। यह ड्रोन लगभग 5 घंटे की उड़ान क्षमता रखता है। साथ ही, इस ड्रोन में एआई आधारित टारगेटिंग सिस्टम लगा हुआ है। यह 10,000 फीट तक उड़ सकता है। करीब 15 किलोग्राम तक पेलोड ले जाकर सटीक निशाना साध सकता है। लागत के मामले में भी यह बाजार के अन्य विकल्पों से काफी सस्ता बताया जा रहा है।

क्या कहते हैं संस्थापक?

स्टार्टअप के संस्थापकों का पवन, रविंद्र पाल सिंह और सौरभ सिंह का कहना है कि प्रदेश में बेहतर नीतियों और डिफेंस कॉरिडोर जैसी योजनाओं के चलते उन्हें तेजी से आगे बढ़ने का मौका मिला। यही कारण है कि आज यह कंपनी भारतीय सेना के लिए ड्रोन सप्लाई करने की दिशा में काम कर रही है और उसे शुरुआती ऑर्डर भी मिल चुके हैं। संस्थापकों ने कहा कि आने वाले समय में कंपनी 'एमके-2' वर्जन पर भी काम कर रही है। इसकी रेंज 2000 किलोमीटर और पेलोड क्षमता 80 किलोग्राम तक हो सकती है। इसके लिए यूपी डिफेंस कॉरिडोर में नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की जा रही है। वहां हर महीने 20 ड्रोन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

कई ड्रोन किए विकसित

कंपनी ने इसके अलावा डिफेंस सेक्टर के लिए कई तरह के ड्रोन और यूएवी विकसित किए हैं। इनमें निगरानी के लिए 'आंख' ड्रोन, 20 किलोग्राम तक पेलोड ले जाने वाला 'बाज' ड्रोन, शेल (बम) गिराने वाले ड्रोन, VTOL यूएवी (जो बिना रनवे के उड़ान भरते हैं) शामिल हैं। इसके अलावा ये कंपनी डिकॉय ड्रोन (दुश्मन को भ्रमित करने के लिए) और आईएसआर (इंटेलिजेंस, सर्विलांस, रिकॉन) यूएवी भी बना रही है। इससे यह साफ होता है कि यह स्टार्टअप सिर्फ एक ड्रोन नहीं बल्कि निगरानी, सप्लाई और स्ट्राइक तीनों के लिए एक पूरा ड्रोन सिस्टम तैयार कर रहा है। दरअसल, आधुनिक युद्धों में तकनीक की भूमिका निर्णायक हो गई है। ऐसे में यूपी के युवाओं की ओर से विकसित यह इनोवेशन न सिर्फ राज्य की बदली हुई छवि को दर्शाता है, बल्कि देश की सुरक्षा को भी नई मजबूती देता है।

DU के दो कॉलेजों में बम की धमकी, मौके पर पुलिस और बम निरोधक दस्ता

महानगर मेट्रो

दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय के नार्थ कैंपस के दो कॉलेजों को बम की धमकी मिली है. पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बॉम्ब स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड को मौके पर भेजा. पंजाब, चंडीगढ़ से लेकर दिल्ली तक के कई बड़े संस्थानों को आज बम धमकी दी गई है. दिल्ली विश्वविद्यालय नार्थ कैंपस के दो कॉलेज में बम होने का ईमेल आया है. पुलिस के मुताबिक, सोमवार सुबह कॉलेज प्रशासन को ईमेल मिला, जिसके बाद एहतियातन बॉम्ब स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे. पुलिस ने बताया कि सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस और मिरांडा हाउस कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद कई एजेंसियां ??मौके पर पहुंचीं. एहतियात के तौर पर उन्होंने छात्रों और कर्मचारियों को परिसर से बाहर निकाला और परिसर को घेर लिया. इन धमकियों से लोग दहशत में आ गए हैं. वहीं, पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है, ईमेल के सोर्स को तलाशने की कोशिश जारी है. हालांकि, अब तक की जांच में कुछ संदिग्ध नही मिला है. इससे पहले भी दिल्ली के कई स्कूलों को इस तरह की धमकियां दी जा चुकी हैं. लेकिन राहत की बात ये हैकि हर बार ये धमकियां अफवाह ही साबित हुई हैं. बता दें कि दिल्ली के साथ-साथ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है. एक ई-मेल के जरिए गांधी भवन से लेकर सचिवालय तक में धमाका करने का दावा किया गया है. जालंधर में भी कई नामी स्कूलों को ऐसे ही धमकी भरे ई-मेल मिले हैं. इनमें दिल्ली पब्लिक स्कूल, मेयर वर्ल्ड स्कूल और MGN स्कूल शामिल हैं. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को मिले ई-मेल में लिखा गया है, 'अपने बच्चों को बचाओ. खालिस्तान वाले बच्चों के खिलाफ नहीं, हिंदू-स्तान मोदी सरकार को तबाह करेंगे.' ई-मेल में 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को बम से उड़ाने की धमकी भी दी गई है. पटना कोर्ट और महाराष्ट्र विधानसभा को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी. इसके अलावा, लाल किला, दिल्ली असेंबली और नोएडा के कई बड़े स्कूलों को भी बम की धमकी दी जा चुकी है. ऐसे में सुरक्षा एजेंसिया अलर्ट मोड पर हैं और हर स्थिति पर पैनी नजर रख रही हैं.

जनसंघ से लेकर विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक के सफर को बताया ऐतिहासिक

भाजपा स्थापना दिवस पर 'राष्ट्र प्रथम' का संकल्प दोहराते दिखे पीएम मोदी और नितिन नवीन

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। भाजपा के स्थापना दिवस पर पार्टी ने अपने सफर और 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प को दोहराया। 1980 में स्थापित पार्टी ने जनसंघ से लेकर आज तक के सफर को कार्यकर्ताओं के समर्पण का परिणाम बताया और विकसित भारत के लक्ष्य पर जोर दिया।

पीएम मोदी और नतिन नवीन

आज यानी 6 अप्रैल को भाजपा के लिए बहुत बड़ा दिन है। आज ही के दिन यानी 6 अप्रैल 1980 को पार्टी की स्थापना हुई थी। इसी उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आज स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं और पार्टी कार्यकर्ताओं से 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प को दोहराने और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अपने प्रयासों को एकजुट करने का आग्रह किया।

भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में जनता पार्टी से अलग होने के बाद हुई थी। इसकी जड़ें इसकी पूर्ववर्ती पार्टी, भारतीय जनसंघ में थीं, जिसकी स्थापना 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी। तब से, यह भारत की प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों में से एक बन गई है, जिसका मुख्य जोर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और विकास पर है।

पीएम के नेतृत्व में पार्टी का 'अंत्योदय': नितिन नवीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर, मैं दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी का 'अंत्योदय' (अंतिम व्यक्ति का उत्थान) का चिर-प्रतीक्षित दृष्टिकोण साकार हो रहा है।

नितिन नवीन का संदेश

उन्होंने कहा, 'यह यात्रा जनसंघ के दौर से लेकर आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक का सफर अनगिनत कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और समर्पण की गाथा है। 'अंत्योदय' का वह सपना जिसे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने संजोया था और जिसके साथ हम इस राह पर निकले थे, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में जमीन पर साकार हो रहा है।' उन्होंने कहा, 'इस स्थापना दिवस पर आइए हम 'राष्ट्र सर्वोपरि' के अपने संकल्प को दोहराएं और अपने प्रयासों को एकजुट करते हुए, अपनी पूरी ऊर्जा 'विकसित भारत' के निर्माण में समर्पित करें।' इससे पहले दिन में, पाएम मोदी ने भी पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और जनसेवा के प्रति लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता और 'इंडिया फर्स्ट' के सिद्धांत पर जोर दिया।

क्या कहा पीएम मोदी ने

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'पार्टी के स्थापना दिवस पर पूरे देश में भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं। हमारी पार्टी हमेशा 'इंडिया फर्स्ट' (भारत सबसे पहले) के सिद्धांत पर चलते हुए समाज की सेवा करने में सबसे आगे रही है। हमारे कार्यकर्ता अपनी निस्वार्थ सेवा, अटूट समर्पण और सुशासन के प्रति गहरे जुनून के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने जमीनी स्तर पर अथक परिश्रम किया है। यह सुनिश्चित करते हुए कि ज़्यादा से ज़्यादा लोग हमारी विचारधारा और काम से जुड़ सकें।' उन्होंने उन कार्यकर्ताओं को भी याद किया, जिनके 'समर्पण, बलिदान और दृढ़ता' ने दशकों से पार्टी के विकास को आकार दिया है।

भाजपा 'विकसित भारत' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है: पीएम

प्रधानमंत्री ने कहा, 'भाजपा एक ऐसी पार्टी के रूप में खड़ी है जो लोगों की भलाई को अपने दृष्टिकोण के केंद्र में रखती है। यह केंद्र और विभिन्न राज्यों में हमारे काम में भी झलकता है। भाजपा एक 'विकसित भारत' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा सामूहिक संकल्प इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता रहे और भारत को प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जाए।

रोड क्रॉस कर रहे लड़के को DTC बस ने रौंदा, आजादपुर एरिया में हुआ हादसा

महानगर मेट्रो

दिल्ली ।आदर्श नगर के आजादपुर इलाके में डीटीसी बस की टक्कर से 19 साल के युवक आकाश की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की बात कह रही है।

आजादपुर एरिया में शनिवार रात हुआ हादसा

आदर्श नगरः आजादपुर इलाके में शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब एक डीटीसी बस ने युवक को टक्कर मार दी। आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान 19 वर्षीय आकाश के रूप में हुई है, जो शालीमार बाग के सहीपुर गांव के रहने वाले थे।जांच में सामने आया है कि आकाश सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार डीटीसी बस ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक शाम करीब 5:30 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से थाना आदर्श नगर को सड़क हादसे के बारे में जानकारी मिली थी। पहले यह कॉल थाना मॉडल टाउन में दर्ज हुई थी, जिसे बाद में आदर्श नगर थाने को ट्रांसफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज से ड्राइवर की तलाश

पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि फरार बस और उसके चालक की पहचान की जा सके। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल आकाश को तुरंत अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जांच जारी

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी बस चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

ग्रीन बजट से बदलेंगे शहर की तस्वीर, 17 विभागों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

रेखा गुप्ता ने 'सक्षम यात्रा' 2026 को झंडी दिखाकर रवाना किया

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। दिल्ली को प्रदूषण मुक्त और हरित बनाने के लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार ने 2026-27 के लिए 22,236 करोड़ रुपये के जरिए ग्रीन दिल्ली का खाका तैयार किया है, जो कुल बजट का 21.44' है। यह बजट विशेष रूप से ग्रीन योजनाओं के लिए तैयार किया गया है। इस योजना के तहत 17 विभागों को खास जिम्मेदारी तय की गई है। यमुना की सफाई, ई-बसों के विस्तार और हरित बुनियादी ढांचे पर खास जोर की कवायद की गई है, ताकि 'क्लीन दिल्ली, ग्रीन दिल्ली' का सपना नीति से जमीन पर उतारा जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि 'क्लीन दिल्ली, ग्रीन दिल्ली' अब महज एक चुनावी नारा नहीं, बल्कि जहरीली हवा और बढ़ते तापमान के खिलाफ सरकार का एक ठोस व निर्णायक प्रहार है। मुख्यमंत्री के अनुसार ग्रीन बजट का सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 6,485 करोड़ रुपये दिल्ली जल बोर्ड को दिया गया है, जिसका इस्तेमाल यमुना की सफाई और वॉटर ट्रीटमेंट परियोजनाओं में किया जाएगा।

ई-बसों को बढ़ावा और स्वच्छ परिवहन

परिवहन विभाग को 4,758 करोड़ दिए गए हैं, जिसका लक्ष्य ई-बसों को बढ़ावा और स्वच्छ परिवहन प्रणाली को मजबूत करना है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को 3,350 करोड़ रुपये दिए गए है, धूल नियंत्रण और बेसिक ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर पर का विकास किया जाएगा।

ग्रीन परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्लानिंग डिपार्टमेंट को 2,350 करोड़ रुपये दिए गए हैं। शहरी विकास विभाग और डूसिब को मिलाकर 2,273 करोड़ रुपये दिए गए हैं। बिजली विभाग को 1,410 करोड़ रुपये सौर और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए आवंटित किए गए हैं।

पोल्यूशन कंट्रोल पर होंगे इतने खर्च

पर्यावरण विभाग को प्रदूषण नियंत्रण की प्रमुख योजनाओं के लिए 558 करोड़ रुपये, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को जल संरक्षण कामों के लिए 305 करोड़ रुपये और डेवलपमेंट डिपार्टमेंट को ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीन डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए 258 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

विभागों को बड़ी जिम्मेदारी

वन विभाग को वृक्षारोपण और वन्यजीव संरक्षण के लिए 181 करोड़, पर्यटन विभाग को पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 102 करोड़ और शिक्षा विभाग को स्कूलों में ग्रीन पहल के लिए 100 करोड़ आवंटित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में पर्यावरणीय सुधार के लिए 31 करोड़ और राजस्व विभाग को आपदा प्रबंधन एवं हरित सर्वेक्षण के लिए 23 करोड़ दिए गए हैं।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को हरित कौशल विकास के लिए 7 करोड़ और उच्च शिक्षा विभाग को रिसर्च और पर्यावरण अध्ययन के लिए 2 करोड़ आवंटित किए गए हैं।

हाईवे पर मवेशियों की घुसपैठ पर ये दिए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश, नोटिस जारी

महानगर मेट्रो

दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर आवारा मवेशियों की बढ़ती घुसपैठ को गंभीर मुद्दा मानते हुए केंद्र सरकार, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब तलब किया है। अदालत ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया और चार हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश उस जनहित याचिका पर दिया, जिसमें मांग की गई है कि हाईवे और एक्सप्रेसवे पर आवारा मवेशियों की आवाजाही रोकने के लिए एक समान राष्ट्रीय दिशा-निर्देश बनाए जाएं और उन्हें सख्ती से लागू किया जाए। याचिका 'लॉयर्स फॉर ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल' की ओर से दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर आवारा पशुओं की मौजूदगी सड़क हादसों की बड़ी वजह बन रही है।

रात के सफर में मवेशी बन रहे खतरा

खासकर रात के समय और दुर्घटना संभावित हिस्सों में यह खतरा और बढ़ जाता है। ऐसे में अदालत से मांग की गई है कि राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर अनिवार्य फेंसिंग कराई जाए, ताकि मवेशियों की एंट्री रोकी जा सके। इसके अलावा याचिका में वैज्ञानिक तरीके से संचालित गौशालाओं और पशु आश्रय स्थलों की स्थापना की भी मांग की गई है। इसके लिए अलग से फंड तय करने की बात कही गई है, ताकि छोड़े गए या भटकते मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर रखा जा सके।

पीड़ितों के लिए 'नो-फॉल्ट कंपेंसेशन'

याचिकाकर्ता ने यह भी कहा है कि मवेशियों को अवैध रूप से छोड़ने वालों पर सख्त दंडात्मक जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। याचिका में सड़क हादसों के पीड़ितों के लिए 'नो-फॉल्ट कंपेंसेशन' व्यवस्था बनाने की मांग भी की गई है। इसका मतलब यह है कि अगर किसी हादसे में आवारा मवेशी वजह बनते हैं, तो पीड़ितों को बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के मुआवजा मिल सके।

स्कूल में मधुमक्खियों ने अचानक बोला धावा, 20 से ज्यादा बच्चों को काटा... दहशत

महानगर मेट्रो

गुना । मध्य प्रदेश के गुना में एक मिशनरी स्कूल में अचानक हड़कंप मच गया. क्योंकि स्कूल परिसर में मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक शिक्षकों और छात्रों पर हमला कर दिया. जिससे भगदड़ मच गई. गुना के एक मिशनरी स्कूल में उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने छात्रों और शिक्षकों पर हमला कर दिया. इस अप्रत्याशित घटना में कई छात्र और कुछ शिक्षक घायल हो गए. जिससे पूरे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. घटना वंदना कॉन्वेंट स्कूल की बताई जा रही है. जानकारी के अनुसार छात्र अपनी कक्षाओं से बाहर निकल रहे थे. तभी अचानक बड़ी संख्या में मधुमक्खियां परिसर में आ गईं और बच्चों पर हमला कर दिया.

छात्रों के अनुसार मधुमक्खियों ने उनके हाथ, सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर काट लिया. जिससे वे घबरा गए और इधर-उधर भागने लगे. अचानक हुए इस हमले से स्कूल में चीख-पुकार मच गई. कई बच्चे दर्द और डर के कारण रोने लगे. शिक्षक और स्कूल स्टाफ ने तत्काल स्थिति को संभालते हुए बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और उन्हें शांत करने की कोशिश की. घटना की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग की टीम और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. घायल छात्रों और शिक्षकों को तुरंत प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) दिया गया. सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है.

शिक्षा विभाग कर रहा है जांच

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मधुमक्खियों का हमला अचानक हुआ था. फिलहाल यह जांच की जा रही है कि मधुमक्खियों का झुंड स्कूल परिसर में कैसे पहुंचा और भविष्य में इस तरह की घटना को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं. इस घटना के बाद अभिभावकों में चिंता का माहौल है. हालांकि प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि स्कूल परिसर में सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे, ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हो सकें.

भोपाल की लाइफलाइन 'बड़ी झील' के पास बुलडोजर एक्शन, तोड़े जाएंगे 347 अवैध निर्माण

महानगर मेट्रो

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अब तक की सबसे बड़ी बुलडोजर कार्रवाई शुरू हो गई है. यहां की लाइफलाइन 'बड़ी झील' के पास बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है. इस दौरान 347 अवैध निर्माणों को तोड़ा जाएगा. भोपाल की लाइफलाइन कही जाने वाली बड़ी झील शहर की पहचान है लेकिन भीड़ भाड़ और अवैध निर्माण ने यहां घूमने आने वालों की मुश्किलें बढ़ा दी थीं. अब प्रशासन ने एक बड़ा अभियान शुरू कर दिया है. क्योंकि बड़ा तालाब के किनारे बने अतिक्रमणों पर बुलडोजर चलना शुरू हो गया है. 6 अप्रैल से शुरू हुआ यह अभियान 21 अप्रैल तक चलेगा. कुल 15 दिनों तक चलने वाली इस कार्रवाई में जिला प्रशासन ने 347 अतिक्रमण चिन्हित किए हैं, जो तालाब के फुल टैंक लेवल (FTL) के 50 मीटर दायरे में आते हैं.

पहले दिन भदभदा में चला 'पीला पंजा'अभियान के पहले दिन भदभदा इलाके में बुलडोजर एक्शन देखने को मिला. यहां 9 दुकानों पर प्रशासन का बुलडोजर चला. कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा, ताकि किसी भी विरोध या अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके. स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने विरोध जताया, लेकिन प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यह कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है और पीछे नहीं हटेगी.

अवैध अतिक्रमण पर चलता प्रशासन का बुलडोजर

भोज वेटलैंड रूल्स के बाद सख्ती प्रशासन का कहना है कि 16 मार्च 2022 को भोज वेटलैंड रूल्स लागू होने के बाद बड़ा तालाब से 50 मीटर के दायरे में किसी भी तरह के निर्माण को अवैध माना जाएगा. इसी नियम के तहत सभी निर्माण हटाए जाएंगे. प्रशासन का दावा है कि यह कार्रवाई तालाब की पारिस्थितिकी, जलस्तर और पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी है.

भोपाल की बड़ी झील को भोजताल या अपर लेक भी कहा जाता है. 11वीं शताब्दी में राजा भोज द्वारा निर्मित भारत की सबसे पुरानी मानव निर्मित झीलों में से एक है. यह आज भोपाल शहर की पहचान भी है. यह शहर के पीने के पानी का मुख्य स्रोत है और 2002 में इसे 'रामसर साइट' का दर्जा मिला. यहां बोट क्लब, खूबसूरत व्यू और वॉटर स्पोर्ट्स पर्यटकों को आकर्षित करते हैं.

दो फेज में होगी गेहूं की खरीदी

मध्य प्रदेश में गेहूं की खरीदी इस बार दो चरणों में होगी। पहले फेज में पांच संभाग में होगी उसके बाद 15 अप्रैल से बाकी संभाग में खरीदी की जाएगी। किसानों को 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस मिलेगा।

महानगर मेट्रो

भोपाल ।मध्य प्रदेश के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। रबी सीजन में गेहूं की खरीदी के लिए सरकार ने तारीखों की घोषणा कर दी है। गेहूं की सरकारी खरीदी को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश भी दिए गए हैं। इस बार प्रदेश में गेहूं की खरीदी दो चरणों में शुरू होगी। पहले चरण में चार संभागों में खरीदी होगी उसके बाद दूसरे चरण में बाकी संभाग में खरीदी की जाएगी।

कौन से संभाग में कब से खरीदी

9 अप्रैल 2026 से इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभागों में गेहूं की खरीदी की जाएगी। इसके अलावा 15 अप्रैल से प्रदेश के बचे हुए संभाग ने गेहूं की खरीदी शुरू की जाएगी। 15 अप्रैल से ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में गेहूं खरीदी के सेंटर खोले जाएंगे।

दो चरणों में खरीदी का फैसला क्यों

जिन संभागों में गेहूं की फसल की जल्दी आवक होती हैं वहां जल्दी खरीदी होगी उपज के जल्दी आवक वाले इलाकों में पहले खरीदी शुरू करने का फैसला किया गया दो-फेज में खरीदी करने से लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन मैनेज करने में आसानी होगी किसानों को गेहूं खरीदी के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा किसी भी सेंटर पर अचानक भीड़ बढ़ने से रोकने के लिए 7 तारीख से बुक होंगे स्लॉट,पहले फेज की गेहूं खरीदी के लिए 7 अप्रैल से स्लॉट बुक किए जाएंगे। किसान ऑनलाइन माध्यम से अपनी पसंद की मंडी और तारीख सिलेक्ट कर अपना स्लॉट बुक कर सकते हैं। स्लॉट बुक होने के बाद किसान के पास अपनी उपज बेचने के लिए एक सप्ताह का समय रहेगा।

बारामती में सुनेत्रा पवार के खिलाफ आकाश मोरे को हटाने लिए तैयार हुई कांग्रेस, पर बीजेपी के सामने रखी एक शर्त

महानगर मेट्रो

मुंबई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने महाराष्ट्र विधानसभा के आगामी उपचुनाव के लिए महत्वपूर्ण फैसला लिया है। पार्टी ने बारामती विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए सुनेत्रा पवार के खिलाफ अधिवक्ता आकाश विश्वनाथ मोरे को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने उनकी दावेदारी वापसी के लिए एक शर्त रख दी है।

सुनेत्रा पवार और आकाश मोरे

बारामती विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने सुनेत्रा पवार के खिलाफ प्रत्याशी उतार दिया। इस फैसले के बाद हलचल मच गई। एनसीपी, बीजेपी और तमाम दलों ने मांग की थी कि दिवंगत अजित पवार के सम्मान में सुनेत्रा पवार के खिलाफ कोई प्रत्याशी न उतारा जाए। हालांकि रविवार को कांग्रेस ने प्रत्याशी उतारकर उथल-पुथल मचा दी थी। अब महाराष्ट्र कांग्रेस ने कहा है कि अगर पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज की जाती है तो वह बारामती विधानसभा सीट पर उपचुनाव से हटने पर विचार करेगी। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अतुल लोंढे ने एक बयान में 23 अप्रैल को होने वाले उपचुनाव को निर्विरोध कराने की मांग को खारिज किया। पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सुविधाजनक राजनीतिक रुख अपनाने का आरोप लगाया।

बारामती से आकाश मोरे प्रत्याशी

कांग्रेस ने रविवार को अपने राज्य सचिव आकाश मोरे को उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के खिलाफ बारामती उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। 28 जनवरी को बारामती निर्वाचन क्षेत्र से विधायक अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन हो गया था, जिसके चलते बारामती सीट पर उपचुनाव होना था। यहां से अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को प्रत्याशी बनाया है।

अजित पवार 8 बार रहे विधायक

अजित पवार ने पुणे जिले की बारामती सीट का आठ बार प्रतिनिधित्व किया था, जिनमें से कुछ जीत रिकॉर्ड मतों के अंतर से थीं। विपक्षी एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने उपचुनाव को निर्विरोध कराने की अपील की है, जबकि कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह चुनाव लड़ेगी। अतुल लोंढे ने कहा कि यदि बारामती में अजित पवार की विमान दुर्घटना में मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज की जाती है, तो पार्टी और उनका उम्मीदवार चुनाव मैदान से हटाने पर विचार करेंगी।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

कांग्रेस नेता ने अजित पवार की मौत से जुड़ी परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके परिवार ने मामले की जांच की मांग की है। वहीं सुनेत्रा पवार ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने यह भी बताया कि एनसीपी शरद पवार के विधायक रोहित पवार ने महाराष्ट्रमें प्राथमिकी दर्ज कराने के कई प्रयास किए, लेकिन उन्हें सफलता केवल कर्नाटक में मिली।

अतुल लोंढे ने कहा कि किसी मौजूदा विधायक के निधन के बाद उपचुनाव को निर्विरोध कराने की कोई स्थायी परंपरा नहीं है। उन्होंने नांदेड में वसंतराव चह्वाण की मौत के बाद हुए उपचुनाव और सोलापुर के मंगलवेढा में भारत भालके के निधन के बाद हुए उपचुनाव का उदाहरण दिया। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया और दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी ऐसे मुद्दों पर अपने राजनीतिक हितों के अनुसार काम करती है।

बास्केटबॉल रिंग टूटने से बीटेक छात्र की मौत, पुलिस ने कहा- लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

महानगर मेट्रो

पुणे। पुणे में बीटेक छात्र विपुल वर्मा की बास्केटबॉल रिंग टूटने से मौत हो गई. घटना के बाद छात्रों में आक्रोश फैल गया है. पुलिस ने लापरवाही पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया. महाराष्ट्र के पुणे से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. बीटेक सेकेंड ईयर के एक छात्र की बास्केटबॉल रिंग पर पुश-अप करते वक्त रिंग टूटने से गंभीर रूप से घायल होकर मौत हो गई. मृतक छात्र का नाम विपुल वर्मा है, जो उत्तर प्रदेश के अयोध्या का रहने वाला था. घटना की जानकारी मिलते ही उसके माता-पिता पुणे के लिए रवाना हो गए हैं. घटना के बाद टोलानी इंस्टीट्यूट के छात्रों में आक्रोश देखने को मिला. डीसीपी श्वेता खेडकर ने आश्वासन दिया है कि इस मामले में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. यह घटना पुणे के तलेगांव स्थित इंदुरी इलाके में हुई. मिली जानकारी के मुताबिक, विपुल वर्मा बास्केटबॉल कोर्ट से गुजर रहा था, तभी उसने रिंग पर पुश-अप करने की कोशिश की. इसी दौरान भारी लोहे की रिंग अचानक टूटकर उसके सिर पर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. खून ज्यादा बहने की वजह से वह बेहोश हो गया. छात्रों का आरोप है कि उसे अस्पताल पहुंचाने में कुछ मिनटों की देरी हुई. बाद में उसे तलेगांव के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद टोलानी इंस्टीट्यूट में छात्रों ने आक्रोश जताया और स्थिति तनावपूर्ण हो गई. मौके पर बड़ी तादाद में पुलिस बल तैनात किया गया है, जिससे कोई अप्रिय घटना न हो. इस पूरे मामले पर सीनियर अधिकारी नजर रखे हुए हैं.

अचानक टूटकर उसके सिर पर गिर गई,अचानक टूटकर उसके सिर पर गिर गई,

इस दुखद घटना से छात्रों में शोक की लहर है. पुलिस उपायुक्त श्वेता खेडकर ने आजतक से फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

भोपाल में मंत्री के सरकारी बंगले में चोरी, कीमती मोमेंटो और ट्रॉफियां उड़ा ले गए चोर

महानगर मेट्रो

भोपाल। मध्यप्रदेश के भोपाल में मंत्री विश्वास सारंग के बंगले के स्टोर रूम से कीमती मोमेंटो और ट्रॉफियां चोरी हो गईं. चोर बिना किसी डर के वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए. गार्ड की मौजूदगी के बावजूद चोरी होने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं. पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है.

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक बड़ी खबर सामने आई है, जिसने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. प्रदेश की राजनीति के केंद्र में रहने वाले मंत्री विश्वास सारंग के बंगले में चोरी की वारदात ने सभी को हैरान कर दिया है. जानकारी के मुताबिक, यह चोरी बंगले के बाहर बने स्टोर रूम में हुई. चोर वहां से कीमती मोमेंटो और ट्रॉफियां चोरी कर फरार हो गए. ये सभी सामान मंत्री के लिए खास महत्व रखते थे. इस घटना ने न सिर्फ एक मंत्री के घर की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं, बल्कि पूरे इलाके की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है.

मंत्री के बंगले से चोरी

सबसे हैरानी की बात यह है कि चोर बेखौफ अंदाज़ में वारदात को अंजाम देकर निकल गए और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी. जिस बंगले की सुरक्षा में गार्ड तैनात हों, वहां इस तरह की घटना होना कई सवाल खड़े करता है. यह मामला सिर्फ चोरी का नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी सेंध का संकेत माना जा रहा है. घटना के बाद सुरक्षा गार्ड ने टीटी. नगर थाना में इसकी शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि चोरों की पहचान की जा सके. पुलिस संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई है और हर एंगल से जांच की जा रही है.

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

इस घटना के बाद आम लोगों के बीच भी चिंता का माहौल है. जब एक मंत्री का बंगला सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठना लाजमी है. फिलहाल पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा. इस घटना ने एक बार फिर राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है.

17 जगहों पर बनेंगे बीजेपी के नए ऑफिस, 7 अप्रैल से शुरू होगा 'गांव-बस्ती चलो' अभियान

50 गांवों में पहुंचेंगे जनप्रतिनिधि

महानगर मेट्रो

भोपाल।मध्य प्रदेश में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का 47वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। राजधानी भोपाल समेत प्रदेश भर में कार्यक्रम हो रहे हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश के 17 जिलों में पार्टी के नए ऑफिस के लिए भूमिपूजन भी होगा। 17 जिलों के कार्यालय के भूमिपूजन कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल वर्चुअली जुड़ेंगे।

कौन-कौन से जिले में होंगे भूमिपूजन

बुरहानपुर, आगर, सीहोर, मऊगंज, अशोकनगर, अनूपपुर, ग्वालियर, निवाड़ी, छिंदवाड़ा, रतलाम, नीमच, मंदसौर, पांढुर्ना, सीधी, भिंड, मैहर और धार ग्रामीण में नए ऑफिस खोले जाएंगे। इसके लिए आज भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

7 अप्रैल से चलेगा अभियान

स्थापना दिवस के अवसर पर बीजेपी 7 से 12 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में ' गांव-बस्ती चलो अभियान ' चलाएगी। इस अभियान के दौरान बीजेपी के सभी जनप्रतिनिधि सांसद, विधायक, मेयर और नगर पालिका अध्यक्षों से लेकर पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और नेता शामिल होंगे। इस दौरान वह गांव जाकर भी लोगों से संवाद करेंगे। जानकारी के अनुसार, इस अभियान के लिए हर विधानसभा क्षेत्र के 50 बड़े गांवों को सिलेक्ट किया गया है। यहां विशेष कार्यक्रम आयोजिक किए जाएंगे। इस दौरान बीजेपी जनप्रतिनिधि इन गांवों में जाकर जनसभाएं करेंगे। इसके साथ ही पार्टी पुराने, बुजुर्ग और सीनियर कार्यकर्ताओं के घर पहुंचेंगे और उन्हें सम्मानित भी करेंगे।

प्रदेशभर में मनाया जा रहा है कि बीजेपी का 47वां स्थापना दिवस

17 जिलों में पार्टी के नए ऑफिस के लिए होगा भूमिपूजन

भाजपा कार्यालयों पर विशेष सजावट कर दीप जलाए जाएंगे

7 अप्रैल से शुरू होगा बीजेपी का 'गांव-बस्ती चलो' अभियान

पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की तरफ से यह भी निर्देश दिए गए हैं कि गांवों में पहुंचने वाले नेता केवल भाषण या रैली नहीं करेंगे। बल्कि वह सरकार की चलाई जा रही योजनाओं के लाभार्थियों से चर्चा भी करेंगे। इस दौरान राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

प्रत्येक कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम और पुस्तकालय की व्यवस्था होगी। यहां संगठन और पार्टी विचारधारा से जुड़ी पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी। हेमंत खंडेलवाल, एमपी बीजेपी, अध्यक्ष

क्या कहा प्रदेश अध्यक्ष ने...

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि बीजेपी की विचारधारा सहभागिता पर आधारित है। पार्टी ने अपने मूल विचारों से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि पार्टी 17 जिलों में कार्यालय निर्माण की शुरुआत कर रही है। लक्ष्य है कि अगले स्थापना दिवस से पहले प्रदेश के सभी 62 जिलों में भाजपा के अपने कार्यालय हों।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से तरबूज की फसल बर्बाद, किसानों को लाखों का नुकसान

महानगर मेट्रो

पुण ।पुणे में बेमौसम बारिश और तेज ओलावृष्टि ने जैविक तरबूज की खेती को भारी नुकसान पहुंचाया है. किसानों की उम्मीद थी कि इस साल 100 टन तरबूज की पैदावार होगी, लेकिन अब केवल 6 से 7 टन उत्पादन की संभावना है.

पिछले तीन-चार दिनों से पुणे में हो रही बेमौसम बारिश और तेज ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है. खासकर जैविक तरीके से तरबूज की खेती करने वाले किसानों को भारी नुकसान हुआ है. जहां किसान 100 टन तरबूज की पैदावार की उम्मीद कर रहे थे, वहां अब सिर्फ 6 से 7 टन ही उत्पादन की संभावना है. सोने जैसी तैयार फसल अब मिट्टी के भाव हो गई है. जिससे किसान निराश और परेशान हैं. नितीन गायकवाड़ और उनकी पत्नी रूपाली गायकवाड़ पिछले आठ साल से तरबूज की खेती कर रहे हैं. इस साल भी उन्होंने पांच एकड़ जमीन पर पूरी तरह जैविक तरीके से तरबूज उगाए थे. दंपति को इस फसल से 20 से 25 लाख रुपये की अच्छी आमदनी की उम्मीद थी. वे सोच रहे थे कि इस साल कुछ घरेलू सपने पूरे हो जाएंगे लेकिन अचानक हुई भारी बारिश और ओले ने सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है.नितीन गायकवाड़ बताते हैं कि फसल पूरी तरह तैयार हो चुकी थी. तरबूज बड़े-बड़े और स्वादिष्ट थे लेकिन कुछ ही घंटों की ओलावृष्टि ने सब कुछ खत्म कर दिया है. रूपाली गायकवाड़ भी अपनी पीड़ा छुपा नहीं पा रही हैं. वे कहती हैं कि दिन-रात की मेहनत बेकार हो गई है.गायकवाड़ परिवार पूरी तरह केमिकल-फ्री खेती करता है. वे दूध, बेसन, गुड़, गोबर और गोमूत्र का उपयोग करके खाद और दवा बनाते हैं. उनकी फसल स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छी होती है, इसलिए कई ग्राहक सीधे खेत से तरबूज खरीदने आते थे. इस साल भी अच्छी मांग की उम्मीद थी, लेकिन प्रकृति ने सब कुछ बदल दिया है.किसानों का कहना है कि इस साल लगभग 100 टन उत्पादन और 18- से 20 लाख रुपये का मुनाफा होने की संभावना थी लेकिन अब सिर्फ 6-7 टन फसल बचने की उम्मीद है. बाकी सब ओलों और पानी में खत्म हो गई है.गायकवाड ने बताया कि उनके खेत में पैदा हुए तरबूज एक महीने तक खराब नहीं होते क्योंकि उस पर किसी केमिकल का प्रयोग नहीं किया जाता.

अशोक खरात और एकनाथ शिंदे के बीच 17 बार बात, CDR लीक की जांच करेगी महाराष्ट्र सरकार

महानगर मेट्रो

नासिक ।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया कि 'स्वयंभू बाबा' अशोक खरात मामले में कथित सीडीआर लीक होने की जांच कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार 'स्वयंभू बाबा' की संपत्तियों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपी जाएगी। सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया द्वारा खरात और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच हुई कथित बातचीत के खुलासे के बाद मचे बवाल के बीच फडणवीस ने कहा कि किसी को भी इस तरह के 'कॉल डेटा रिकॉर्ड' (सीडीआर) प्राप्त करने का अधिकार नहीं है। एकनाथ शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं।

अंजलि दमानियाने यह भी दावा किया कि उन्हें खरात से जुड़ा कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से प्राप्त हुआ था। 'स्वयंभू बाबा' और ज्योतिषी खरात को मार्च में गिरफ्तार किया गया था, जब एक विवाहित महिला ने उस पर तीन साल तक बार-बार बलात्कार करने का आरोप लगाया था।

अब तक 9 एफआईआर

अब तक अशोक खरात के खिलाफ कुल आठ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। बाद में हुई जांच में यौन उत्पीड़न, जमीन और अन्य संपत्तियों से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं सहित कई अपराधों का खुलासा हुआ। गिरफ्तारी के बाद खरात की शिंदे और एनसीपी नेता रूपाली चकणकर सहित महाराष्ट्र के प्रमुख राजनेताओं के साथ तस्वीरें वायरल हुईं। महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिंदे ने 2022 में खरात के मंदिर का दौरा किया था।

डेटा लीक की होगी जांच

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अशोक खरात मामले में सीडीआर लीक होने की जांच की जाएगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) तक पहुंचने का अधिकार नहीं है, केवल अधिकृत एजेंसियां ??ही ऐसा कर सकती हैं। यह डेटा कैसे और किसने लीक किया, इसकी जांच राज्य सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि संवेदनशील मामलों में मात्र आरोप पर्याप्त नहीं होते हैं

महिलाओं के ब्रेस्ट टच करके भाग जाता, एक दिन में कई वारदातों को अंजाम

महानगर मेट्रो

मुंबई । एक हैरान कर देने वाली घटना में मुंबई पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने एक सीरियल मॉलेस्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी, मुनव्वर नासिर खान, फिल्मसिटी में काम करता है और पुलिस के अनुसार, वह राह चलती महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करता था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने कि लिए दर्जनों सीसीटीवी कैमरे चेक किए। रात भर टीमों ने काम किया और आखिरकार उसे पकड़ लिया। हैरानी की बात है कि जांच के दौरान पता चला कि वह इस तरह के एक नहीं बल्कि कई मामलों में शामिल था।

बांगुर नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारी रविंद्र आव्हाड ने बताया कि 30 मार्च की रात लगभग 9:30 बजे एक युवती अपने घर जा रही थी। वह अपने परिवार के साथ गोरेगांव कॉम्प्लेक्स के पास होटल में खाना खाने गई थी। वह खाना खाकर परिवार के साथ निकली। तभी एक शख्स बाइक पर रॉन्ग साइड से आया और उसके ब्रेस्ट पर हाथ लगाकर भाग गया।

परिवार के लोग पीछे भागे

इस दौरान परिवार के लोगों ने उसे दौड़ाया लेकिन वह भाग गया। उन लोगों ने उसके बाइक का नंबर नोट कर लिया। उसके बाद उन लोगों ने बांगुर नगर पुलिस में शिकायत दर्ज की।पीड़िता ने तत्काल बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की पहचान करने के लिए इलाके के 29 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार तकनीकी जांच और टीमवर्क के जरिए पुलिस ने मात्र 48 घंटे में आरोपी तक पहुंच बनाई और उसकी पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पहले भी घटनाओं में रहा शामिल

पुलिस के अनुसार आरोपी आरे कॉलोनी का रहने वाला है। उसे जेमिनी एसआरए बिल्डिंग मयूर नगर से उसे गिरफ्तार किया गया। उसके बाद पता चला कि उसके खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं। वह फिल्म सिटी में स्टेज पर स्पॉट लाइटिंग का काम करता है। लह इससे पहले भी इसी तरह की घटनाओं में शामिल रहा है। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं में कई मामले दर्ज किए हैं।

मुलायम और गुलाबी होंठ हर किसी की चाहत होते हैं लेकिन बार-बार लिपस्टिक लगाने से होंठ ड्राई हो सकते हैं। ऐसे में आप घर पर प्राकृतिक चीजों की मदद से नेचुरल पिंक लिप बाम तैयार कर सकते हैं।

लिपस्टिक की नहीं पड़ेगी जरूरत! घर पर मिनटों में तैयार करें इन 5 चीजों से नेचुरल पिंक लिप बाम

खूबसूरत और गुलाबी होंठ चेहरे की रौनक बढ़ा देते हैं लेकिन प्रदूषण और खराब लाइफस्टाइल के कारण होंठों का कालापन एक आम समस्या बन गई है। बाजार में मिलने वाले लिप बाम अक्सर केमिकल से भरे होते हैं। ऐसे में चुकंदर लिप बाम एक जादुई घरेलू नुस्खा है जो आपके होंठों को नेचुरल गुलाबी रंगत देने के साथ-साथ उन्हें गहराई से मॉइस्चराइज भी करता है।

चुकंदर में प्राकृतिक रूप से गहरे लाल और गुलाबी रंग के तत्व पाए जाते हैं जो बिना किसी साइड इफेक्ट के होंठों की रंगत सुधारने में मदद करते हैं। यह न केवल होंठों के कालेपन को दूर करता है बल्कि इसमें मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को पोषण भी देते हैं। इसके लिए आप घर पर नेचुरल लिप बाम बना सकते हैं जो होठों के लिए सही साबित होगा।

आवश्यक सामग्री

चुकंदर: 1 मध्यम आकार का (कद्दूकस किया हुआ)

नारियल तेल या बादाम तेल: 1 बड़ा चम्मच

शहद: आधा छोटा चम्मच (नेचुरल चमक के लिए)

विटामिन-श्व कैप्सूल: 1 (लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए)

वैसलीन या शिया बटर (वैकल्पिक): गाढ़ापन देने के लिए

बनाने की विध

सबसे पहले चुकंदर को कद्दूकस करके उसका सारा रस एक सूती कपड़े या छलनी की मदद से निकाल लें।

इस रस को एक धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक कि यह गाढ़ा और आधा न रह जाए। (आप कच्चे रस का भी उपयोग कर सकते हैं, लेकिन पका हुआ रस ज्यादा समय तक चलता है)।

अब एक कटोरी में चुकंदर का रस, नारियल तेल, शहद और विटामिन-श्व का लिक्विड अच्छी तरह मिला लें।

इस मिश्रण को एक छोटी साफ डिब्बी में भर लें।

इसे कम से कम 2-3 घंटे के लिए फ्रिज में जमने दें। आपका नेचुरल पिंक लिप बाम तैयार है।

इस्तेमाल करने के फायदे

इसे लगाने के बाद आपको भारी लिपस्टिक लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, यह एक नेचुरल 'टिंट' का काम करता है।

नारियल तेल और शहद होंठों की दरारों को भरते हैं और उन्हें मखमली कोमल बनाते हैं।

यह पूरी तरह से केमिकल फ्री है और किचन की चीजों से तैयार हो जाता है।

बेहतर रिजल्ट के लिए रात को सोने से पहले इसे लगाएं। सुबह तक आपके होंठ नरम और गुलाबी नजर आएंगे।

तनाव बन सकता है हार्ट अटैक की वजह

दिल को सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं ये आदतें

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव एक आम समस्या बन चुका है जो दिल की सेहत पर बुरा असर डाल सकता है। लंबे समय तक तनाव रहने से हार्ट अटैक जैसी गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

आधुनिक जीवनशैली में काम का बोझ, पारिवारिक जिम्मेदारियां और भविष्य की चिंता ने तनाव को हर घर का हिस्सा बना दिया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिसे आप महज एक मानसिक स्थिति समझ रहे हैं वह आपके दिल का सबसे बड़ा दुश्मन है। जानकारी के अनुसार लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव हृदय रोगों के खतरे को कई गुना बढ़ा देता है। जब हम तनाव में होते हैं तो शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन निकलते हैं जो सीधे तौर पर ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट को बढ़ा देते हैं।

गहरी सांस

तनाव को तुरंत कम करने का सबसे सरल तरीका है गहरी सांस लेना। आयुर्वेद में इसे प्राणायाम का आधार माना गया है। जब आप धीरे-धीरे गहरी सांस लेते हैं और उसे धीरे ही छोड़ते हैं तो शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है। विज्ञान कहता है कि यह प्रक्रिया हमारे पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करती है जिससे दिल की धड़कन सामान्य होती है और मन को तत्काल शांति मिलती है।

शारीरिक सक्रियता

रोजाना केवल 30 मिनट की वॉक या योगासन आपके मूड को बेहतर बनाने वाले एंडोर्फिन हार्मोन को रिलीज करते हैं। आयुर्वेद के अनुसार व्यायाम शरीर की ऊर्जा को संतुलित करता है जबकि आधुनिक विज्ञान मानता है कि नियमित एक्सरसाइज से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और हृदय की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

सात्विक आहार

आयुर्वेद में सात्विक भोजन को सर्वोत्तम माना गया है। ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज और पर्याप्त पानी न केवल शरीर को पोषण देते हैं बल्कि मन को भी स्थिर रखते हैं। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर डाइट शरीर की सूजन को कम करती है जो हृदय रोगों का एक मुख्य कारण है।

मेडिटेशन

नियमित ध्यान या मेडिटेशन तनाव के स्तर को स्थायी रूप से कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है। यह न केवल मानसिक स्पष्टता देता है बल्कि हृदय की कार्यप्रणाली में भी सुधार करता है। प्रतिदिन केवल 10-15 मिनट का मौन आपके दिल के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम कर सकता है।

दिल की सेहत केवल जिम जाने या डाइट करने तक सीमित नहीं है बल्कि यह आपके मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ी है। अपनी जीवनशैली में इन छोटे बदलावों को शामिल कर आप एक लंबे और स्वस्थ जीवन की नींव रख सकते हैं।

बालों के लिए वरदान है एलोवेरा

बस गर्मियों में आजमाएं ये नुस्खे

सिर्फ 15 दिनों में दिखने लगेगा असर!

एलोवेरा को बालों के लिए एक प्राकृतिक वरदान माना जाता है खासकर गर्मियों के मौसम में यह स्कैल्प को ठंडक पहुंचाने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

गर्मी का पारा चढ़ते ही डैंड्रफ, चिपचिपापन और बालों का टूटना एक आम सिरदर्द बन जाता है। महंगे केमिकल वाले प्रोडक्ट्स अक्सर फायदे की जगह नुकसान पहुँचाते हैं। ऐसे में आयुर्वेद विशेषज्ञों ने एलोवेरा को बालों की हर समस्या का वन-स्टॉप सॉल्यूशन बताया है। यह न सिर्फ स्कैल्प को ठंडक देता है बल्कि जड़ों को फौलादी मजबूती भी प्रदान करता है।

जैसे ही गर्मी दस्तक देती है तेज धूप और पसीना हमारे बालों की प्राकृतिक नमी छीन लेते हैं। धूल-मिट्टी के कारण स्कैल्प के पोर्स बंद हो जाते हैं जिससे बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। लेकिन घबराएं नहीं आपके घर के बगीचे में लगा एलोवेरा का इस्तेमाल इन सबका अंत कर सकता है।

क्यों खास है एलोवेरा

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के अनुसार एलोवेरा में मौजूद प्राकृतिक एंजाइम, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स बालों के लिए सुपरफूड का काम करते हैं। इसमें पाए जाने वाले प्रोटियोलिटिक एंजाइम स्कैल्प की मृत कोशिकाओं को रिपेयर करते हैं जिससे बालों की ग्रोथ तेज होती है।

ऑयल कंट्रोल

गर्मियों में पसीने के कारण स्कैल्प ऑयली हो जाता है। एलोवेरा अतिरिक्त तेल को साफ कर बालों को फ्रेश और बाउंसी बनाता है।

डैंड्रफ और खुजली से छुट्टी

इसके एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण स्कैल्प के इन्फेक्शन को जड़ से खत्म करते हैं। यह गर्मियों की जलन और इरिटेशन में तुरंत राहत देता है।

नेचुरल कंडीशनर

यह बालों की गहराई तक जाकर मॉइस्चराइज करता है जिससे दोमुंहे बालों की समस्या खत्म होती है और बाल रेशमी व चमकदार बनते हैं।

इस्तेमाल करने के आसान तरीके

डिजिटल युग में जहां समय की कमी है वहां ये नुस्खे आप मिंटों में आजमा सकते हैं।

ताजा एलोवेरा जेल को सीधे स्कैल्प पर लगाएं। 30-40 मिनट बाद माइल्ड शैम्पू से धो लें। यह स्कैल्प को डीप क्लीन करेगा।

सप्ताह में 2-3 बार एलोवेरा जेल में नारियल तेल मिलाकर मालिश करें। यह जड़ों को भीतर से पोषण देगा।

अगर डैंड्रफ ज्यादा है तो एलोवेरा जेल में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर लगाएं। यह नुस्खा नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है।

गर्मियों में केमिकल युक्त शैम्पू का ज्यादा इस्तेमाल बालों को और ज्यादा ड्राई बना सकता है। एलोवेरा एक सुरक्षित और सस्ता विकल्प है। इसे रातभर लगाकर छोड़ने से बाल न केवल मजबूत होते हैं बल्कि स्कैल्प को भीषण गर्मी में भी ठंडक का एहसास होता रहता है।

हेल्दी स्प्राउट्स खाने से पहले हो जाएं सावधान!

इन लोगों के लिए बन सकता है नुकसान का कारण

स्प्राउट्स को हेल्दी डाइट का अहम हिस्सा माना जाता है लेकिन यह हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं होते। कुछ लोगों के लिए इसका सेवन स्वास्थ्य परेशानियां बढा सकता है।

प्रोटीन और फाइबर का पावर हाउस माना जाने वाला अंकुरित अनाज हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं होता। मांसपेशियों की मजबूती और कोशिकाओं के निर्माण के लिए जरूरी यह सुपरफूड, गलत आदतों के कारण पाचन तंत्र को बिगाड़ सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक, कुछ खास लोगों को इसके सेवन से सख्त परहेज करना चाहिए।

हम में से ज्यादातर लोग जिम या योग के बाद कच्चे अंकुरित अनाज को सबसे सेहतमंद नाश्ता मानते हैं। लेकिन आयुर्वेद का विज्ञान कुछ और ही कहता है। आयुर्वेद के अनुसार अंकुरित अनाज पचने में भारी होता है। यदि इसे बिना पकाए खाया जाए तो यह शरीर में वात दोष को बढ़ा सकता है जिससे पेट में भारीपन और रूखापन आने लगता है।

किन लोगों को नहीं खाना चाहिए स्प्राउट्स

डिजिटल दौर में अधूरी जानकारी के कारण लोग इसे धड़ल्ले से खा रहे हैं लेकिन इन लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

कमजोर पाचन और कब्ज

जिनका मेटाबॉलिज्म धीमा है या जिन्हें अक्सर कब्ज रहती है उनके लिए स्प्राउट्स किसी मुसीबत से कम नहीं। मंद पाचन के कारण यह अनाज पेट में पचने के बजाय सड़ने लगता है जिससे शरीर में पोषक तत्वों की जगह विषाक्त पदार्थ बनने लगते हैं।

बच्चे और बुजुर्ग

उम्र के इस पड़ाव पर पाचन शक्ति अक्सर कमजोर होती है। कच्चा या भारी अनाज बच्चों के पेट में दर्द और बुजुर्गों में जोड़ों के दर्द (वात वृद्धि के कारण) की समस्या पैदा कर सकता है।

वात प्रवृत्ति वाले लोग

जिन लोगों के शरीर की प्रकृति वात प्रधान है उन्हें अंकुरित आहार का सेवन बहुत सीमित करना चाहिए वरना यह गैस और शरीर में दर्द का कारण बन सकता है।

खाने का सही तरीका

अगर आप स्प्राउट्स के शौकीन हैं और इसके नुकसान से बचना चाहते हैं तो आयुर्वेद के इन 3 नियमों को गांठ बांध लें।

कच्चा खाने की गलती न करें

स्प्राउट्स को हमेशा हल्का उबाल लें या भाप में पकाएं। इससे इसका भारीपन कम हो जाता है और यह सुपाच्य हो जाता है।

घी या तेल का तड़का

पकाते समय थोड़ा सा शुद्ध देसी घी या तिल का तेल और चुटकी भर हींग-जीरा जरूर डालें। घी अनाज के रूखेपन को खत्म करता है और हींग गैस नहीं बनने देती।

समय का ध्यान

जैसे ही अनाज अंकुरित हो उसे तुरंत इस्तेमाल करें। बहुत ज्यादा लंबे अंकुर होने पर उसके पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ने लगता है। सेहतमंद चीजें तभी फायदा पहुंचाती हैं जब उन्हें सही तरीके और सही मात्रा में लिया जाए। अगर आपको स्प्राउट्स खाने के बाद पेट फूलना या दर्द की शिकायत होती है तो आज ही अपना तरीका बदलें।

सोने के दामों में 18.5 फीसदी गिरावट, गिरवी सोने को नीलामी से बचाने सावधान रहें

-50-60 प्रतिशत से ज्यादा लोन लेने से बचें

मुंबई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोने के दामों में करीब 18.5 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में इस कमी का असर गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ रहा है। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना गिरवी रखकर अधिक राशि का कर्ज लिया था, उनके सामने अब 'मार्जिन कॉल' का खतरा बढ़ गया है।विशेषज्ञों के अनुसार, जब सोने की कीमत घटती है तो गिरवी रखे आभूषणों की वैल्यू कम हो जाती है और लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्थान अतिरिक्त रकम जमा कराने या आंशिक लोन चुकाने का नोटिस दे सकते हैं। तय समय में भुगतान नहीं करने पर गिरवी सोने की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि मौजूदा अस्थिर बाजार में सोने के वर्तमान मूल्य का 50 से 60 फीसदी तक ही लोन लेना सुरक्षित माना जाता है। इससे कीमतों में गिरावट आने पर भी उधारकर्ता के पास सुरक्षा का पर्याप्त मार्जिन रहता है और नीलामी की नौबत नहीं आती। ग्राहकों को समय-समय पर बाजार भाव पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर लोन आंशिक रूप से चुकाने की सलाह दी गई है।

होर्मुज तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर

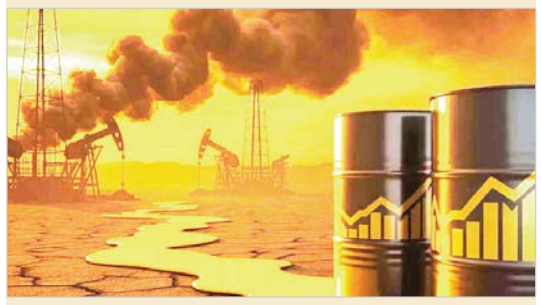

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक तेल कीमतों में तेज की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई चेतावनी के बाद बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत बढ़कर 109.8 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। वहीं रवीवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.4 फीसदी बढ़कर 110.60 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जबकि अमेरिकी क्रूड (डब्ल्यूटीआई) में 1.8 फीसदी की तेजी आई और यह 113.60 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर होर्मुज को तुरंत नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका कड़े सैन्य कदम उठा सकता है। इस बयान के जवाब में एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जलडमरूमध्य नहीं खोला जाएगा। उनका कहना था कि जब तक युद्ध से हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होती, तब तक यह मार्ग बंद रहेगा।

वित्त वर्ष 2025-26 में देश में वाहन बिक्री में 13.3 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि

- पिछले वित्त वर्ष में वाहनों की बिक्री 41,63,927 इकाई थी

नई दिल्ली ।

देश में सभी श्रेणियों के वाहनों की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 13.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,96,71,064 इकाई तक पहुंच गई। यह जानकारी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को जारी की।` पिछले वर्ष की तुलना में यह बिक्री 2,61,87,255 इकाई थी। वर्ष की शुरुआत धीमी रहने के बावजूद जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद बाजार में तेजी आई। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 47,05,056 इकाई हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 41,63,927 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.4 प्रतिशत बढ़कर 2,14,20,386 इकाई रही।

तिपहिया वाहनों की बिक्री 11.68 प्रतिशत बढ़कर 13,63,412 इकाई और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 11.74 प्रतिशत बढ़कर 10,60,906 इकाई रही। फाडा के एक अे धिकारी ने कहा` कि यह वर्ष भारतीय मोटर वाहन उद्योग के लिए ऐतिहासिक रहा। छह में से पांच वाहन श्रेणियों में बिक्री के नए रिकॉर्ड बने हैं। तीन करोड़ इकाइयों के स्तर के करीब पहुंचना दो साल पहले असंभव लगता था। जीएसटी 2.0 के लागू होने से दोपहिया, छोटी कारों, तिपहिया और कुछ वाणिज्यिक वाहनों की वहनीयता में सुधार हुआ। हालांकि, फाडा ने भविष्य में पश्चिम एशिया युद्ध, ईंधन कीमतों और उपभोक्ता विश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी दी। संगठन के सर्वेक्षण में 36.5 प्रतिशत डीलरों ने कहा कि बढ़ती ईंधन कीमतें ग्राहकों के खरीद निर्णयों को प्रभावित कर रही हैं। वहीं, वित्तपोषण स्थितियां स्थिर रही, और 72.5 प्रतिशत डीलरों ने पिछले 30 दिनों में कोई बदलाव नहीं देखा।

जिंदल स्टील ने ईंधन संकट में सिंगैस का इस्तेमाल शुरू किया

- कोयले से तैयार सिंथेसिस गैस (सिंगैस) एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है

नई दिल्ली ।

ईंधन की कमी के बीच जिंदल स्टील ने अपने उच्च तापमान वाली भट्टियों में सिंथेसिस गैस (सिंगैस) का इस्तेमाल शुरू किया है। इससे प्राकृतिक गैस, एलपीजी और प्रोपेन की आपूर्ति में व्यवधान के बावजूद उत्पादन में निरंतरता बनी। यह इस्पात उद्योग में ऐसा पहला प्रयास है। सिंथेसिस गैस एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है जो अपशिष्ट और जैविक पदार्थों को ऊर्जा में बदलता है। जिंदल स्टील ने इसे कोयले के गैसीकरण से तैयार किया है। इसके इस्तेमाल से गैल्वनाइजिंग लाइन में इस्पात पर जस्ता की परत और कलर कोटिंग लाइन में धातु पर रंग की परत चढ़ाने वाली भट्टियों का संचालन सुचारू हुआ। कंपनी ने देश का पहला डीआरआई संयंत्र स्थापित किया है, जिसमें सिंगैस का इस्तेमाल लोहे के उत्पादन में होता है। इसके साथ ही ब्लास्ट फर्नेस में सिंगैस इंजेक्शन से आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम हुई और प्रति टन इस्पात कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई। अंगुल संयंत्र के एक कार्यकारी निदेशक के अनुसार स्वदेशी कोयले से तैयार सिंगैस आयातित गैस, अमोनिया और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का विकल्प

बन सकता है।

इससे भारत को अपने विशाल कोयला भंडार का उपयोग कर भविष्य में कम कार्बन उत्सर्जन वाली वृद्धि सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी। जिंदल स्टील के संयंत्र ओडिशा (अंगुल), छत्तीसगढ़ (रायगढ़) और झारखंड (पतरातू) में हैं, और कंपनी का भारत और अफ्रीका में भी रणनीतिक परिचालन है।

शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों ने 91 लाख वर्गफुट कार्यालय स्थान लिए पट्टे पर

नई दिल्ली ।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में भारत के शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों द्वारा कार्यालय स्थान पट्टे पर लेने की गतिविधि रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान कुल 91 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान पट्टे पर लिया गया, जो किसी भी तिमाही का अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। कंपनी के अनुसार इन नौ शहरों में कुल कार्यालय पट्टे की मात्रा 2.07 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले साल इसी अवधि के 1.97 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में 5 फीसदी अधिक है। इन शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता, अहमदाबाद और कोच्चि शामिल हैं। बेंगलुरु ने 29 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 22 फीसदी और मुंबई 16 फीसदी के साथ प्रमुख शहर बने।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही पीएमआई

- मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया

नई दिल्ली ।

देश के सेवा क्षेत्र में मार्च 2026 में विस्तार जारी रहा, लेकिन वृद्धि की गति पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी रही। एचएसबीसी इंडिया द्वारा जारी मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, मौसमी रूप से समायोजित सेवा पीएमआई कारोबार सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 पर आ गया। पीएमआई में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों के विस्तार और 50 से कम अंक संकुचन का संकेत देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया। कंपनियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने की बात कही। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि कच्चे माल की लागत में तेज वृद्धि हुई। फरवरी के बाद खाना पकाने का तेल, अंडे, बिजली, फल, ईंधन, श्रम, मछली, चिकन, मीट और सब्जियों की कीमतें बढ़ीं। निजी क्षेत्र में लागत दबाव लगभग चार वर्ष में सबसे अधिक रहा। रोजगार में लगातार तीसरे महीने वृद्धि दर्ज हुई।

कंपनियों का मानना है कि बढ़ते विश्वास और मांग के कारण नौकरी सृजन मजबूत रहा।

उत्पादन के दृष्टिकोण में कंपनियों की आशावादिता पिछले 12 वर्षों में सबसे अधिक रही। एचएसबीसी इंडिया का समग्र पीएमआई फरवरी के 58.9 से घटकर मार्च में 57.0 हो गया, जो लगभग तीन वर्षों में विस्तार की सबसे धीमी दर दर्शाता है। यह सूचकांक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के भारित औसत पर आधारित है।

एचडीएफसी बैंक में अनिश्चितता, मार्च तिमाही में शेयर 26 फीसदी टूटे

- चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक को मार्च 2026 तिमाही में अनिश्चितता और निवेशकों की बिकवाली का सामना करना पड़ा। चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफे ने बैंक में उथल-पुथल पैदा की और शेयरों पर दबाव देखा जा रहा है। मार्च तिमाही में बैंक के शेयरों में 26.2 फीसदी गिरावट आई, जो मार्च 2020 के बाद सबसे बड़ी है। सिर्फ पिछले महीने विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने बैंक से लगभग 35,000 करोड़ रुपये निकाले। इसी दौरान विदेशी निवेशकों ने 47.95 करोड़ शेयर बेचे, जिससे उनकी संख्या घटकर 2,528 रह गई, जो दिसंबर 2025 में 2,757 थी। इस लगातार तीसरी तिमाही है जब विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घट रही है। मार्च के अंत तक विदेशी हिस्सेदारी घटकर 44.05 फीसदी हो गई, जो पिछले तिमाही में 47.67 फीसदी थी। विश्लेषकों के अनुसार, चेयरमैन के इस्तीफे और निवेशकों के भरोसे में कमी ने बैंक की छवि और शेयर प्रदर्शन दोनों पर असर डाला है।

विप्रो ने ओलाम समूह से किया एक अरब डॉलर का करार

- कंपनी की माइंडस्प्रिंट को 37.5 करोड़ डॉलर में खरीदने की योजना

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो ने सिंगापुर स्थित खाद्य एवं कृषि कारोबार समूह ओलाम के साथ आठ वर्ष का बहुवर्षीय रणनीतिक समझौता किया है। इस करार का अनुमानित मूल्य 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है, जिसमें 80 मिलियन डॉलर का सुनिश्चित व्यय शामिल है। इसके तहत विप्रो, ओलाम की आईटी और डिजिटल सेवा इकाई माइंडस्प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी। विप्रो ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह समझौता कंपनी की ÷फार्म से फोर्क÷ क्षमताओं को बढ़ाने और खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल प्रभाव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। माइंडस्प्रिंट की स्थापना 2007 में सिंगापुर में हुई थी

और कंपनी के 3,200 से अधिक कर्मचारी भारत, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन और पश्चिम एशिया में कार्यरत हैं। कंपनी ने 2025 में 13.56 मिलियन डॉलर का समेकित राजस्व दर्ज किया। ओलाम समूह, जिसकी प्रमुख हिस्सेदारी टेमासेक होल्डिंग्स के पास है, दुनिया भर में 60 से अधिक देशों में लगभग 22,000 ग्राहकों को खाद्य पदार्थ, सामग्री, पशु चारा और रेशे की आपूर्ति करता है। यह अधिग्रहण ओलाम समूह की पुनर्गठन योजना के अनुरूप है, जिसके तहत समूह अपनी शेष परिसंपत्तियों और कारोबारों को जिम्मेदारीपूर्वक बेचकर विशेष लाभांश के रूप में शेयरधारकों में वितरित करेगा। माइंडस्प्रिंट का अधिग्रहण पूरी तरह नकद में किया जाएगा और 30 जून 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह समापन समायोजन और आवश्यक नियामकीय मंजूरी (सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया में प्रतिस्पर्धा-रोधी मंजूरी सहित) के अधीन होगा। विप्रो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल सेवाओं के विस्तार और विप्रो इंटेलिजेंस के प्रभाव को बढ़ाने में मदद करेगी। अे धिकारी ने कहा` कि माइंडस्प्रिंट के विकास में यह कदम संगठन को और मजबूत और भविष्य के लिए तैयार बनाएगा।

आईईएक्स पर वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार में रिकॉर्ड वृद्धि

- सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया

नई दिल्ली।

भारतीय ऊर्जा बाजार में वित्त वर्ष 2025-26 आईईएक्स (इें डियन इनर्जी एक्सचेंज) के लिए नए रिकॉर्ड लेकर आया। सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस वृद्धि का मुख्य कारण रियल-टाइम बाजार का मजबूत प्रदर्शन है, जिसने बाजार को अधिक सक्रिय और प्रतिस्पर्धात्मक बनाया।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में आईईएक्स पर बिजली का कारोबार 39.4 अरब यूनिट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक तिमाही स्तर है और सालाना आधार पर 24.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मार्च 2026 में मासिक स्तर पर भी कारोबार 13.90 अरब यूनिट तक बढ़ गया, जो पिछले साल की तुलना में 23.5 प्रतिशत अधिक है। नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) कारोबार भी मजबूत रहा। पूरे वित्त वर्ष में कुल 187.20 लाख आरईसी का लेन-देन हुआ, जो सालाना आधार पर 5 प्रतिशत अधिक है। जनवरी-मार्च तिमाही में 71.70 लाख

आरईसी का कारोबार दर्ज हुआ, जबकि मार्च 2026 में यह आंकड़ा सालाना आधार पर 119.9 प्रतिशत बढ़कर 28.94 लाख तक पहुंच गया।

'डे-अहेड मार्केट' में अगले दिन की आपूर्ति के लिए सौदों का मूल्य सालाना आधार पर 13.7 प्रतिशत घटकर 3.86 रुपये प्रति यूनिट रहा। वहीं वास्तविक समय बाजार का समापन मूल्य 3.59 रुपये प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत कम है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कर्ज में चौथी तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़ोतरी

- कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

पुणे मुख्यालय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी देते हुए बताया कि कुल ऋण और जमा दोनों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। बैंक के अनुसार जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में कुल ऋण 2.92 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2.40 लाख करोड़ रुपये था, यानी 22 फीसदी की बढ़ोतरी। इसमें कॉरपोरेट ऋण 1.12 लाख करोड़ और खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई क्षेत्र के ऋण 1.79 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल जमा 3.50 लाख करोड़ रुपये होकर 14 फीसदी बढ़ गया, जबकि चालू और बचत खाते (सीएएसए) का अनुपात 13 फीसदी बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा। इन परिवर्तनों के साथ बैंक का कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में 5.46 लाख करोड़ रुपये था। बैंक की यह तिमाही वृद्धि उसकी वित्तीय स्थिति और तरलता में सुधार को दर्शाती है।

भारत में स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि की संभावन

- 2030 तक बदल जाएगी रोजगार की तस्वीर, लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (इक्रियर) के अध्ययन के अनुसार भारत में *स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता (ईई) क्षेत्रों में रोजगार अगले चार वर्षों में तीन गुना बढ़ सकता है। 2021-22 में इन क्षेत्रों में कुल रोजगार 4,44,900 था, जो 2029-30 तक लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की संभावना है। अध्ययन के अनुसार वर्ष 2029-30 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 9,05,000 और ऊर्जा दक्षता में 4,28,700 रोजगार होने की उम्मीद है। 2021-22 में स्वच्छ ऊर्जा और अन्य पारंपरिक स्वच्छ ऊर्जा में रोजगार 3,18,000 और ईई में 1,26,900 था। इक्रियर का कहना है कि यदि भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करता है तो संबंधित रोजगार 2.8 गुना बढ़ जाएंगे। वहीं 15 करोड़ टन तेल समतुल्य ऊर्जा बचत का लक्ष्य प्राप्त होने पर ईई में रोजगार 3.8 गुना बढ़ने की संभावना है। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा सबसे अधिक रहेगा। अध्ययन में यह भी उजागर हुआ कि वर्ष 2022-2030 के बीच गुजरात में 79,000 व राजस्थान में 77,000 अतिरिक्त नौकरियों का सृजन होगा और ये सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले राज्य बनने की उम्मीद है। पवन ऊर्जा आधारित रोजगार सृजन के मामले में तमिलनाडु और गुजरात अग्रणी हैं जबकि आंध्र प्रदेश में बड़े जलविद्युत आधारित रोजगार में सबसे अधिक हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। छतों पर सौर पैनल लगाने से संबंधित रोजगार के मामले में गुजरात के अग्रणी रहने की उम्मीद है जबकि जमीन पर लगाए जाने वाले सौर पैनल में सबसे अधिक अतिरिक्त रोजगार राजस्थान में मिलने की संभावना है। ऊर्जा दक्षता के रोजगार में तमिलनाडु का दबदबा है और उसके बाद गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक आते हैं।

सैकड़ों महिलाओं के साथ अश्लील हरकत करने वाले बाबा अशोक खरात की संपत्ति की होगी जांच

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाले अशोक खरात का मामला अब एक बड़े राष्ट्रीय स्कैंडल में तब्दील होता जा रहा है। रेप, धोखाधड़ी और अवैध रूप से करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों में घिरे इस फर्जी बाबा के खिलाफ सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि अशोक खरात की बेहिसाब संपत्ति और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद यह साफ हो गया है कि प्रशासन अब केवल आपराधिक मामलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस पूरे साम्राज्य की आर्थिक जड़ों को भी खोदेगा। अशोक खरात पर आरोप है कि उसने आस्था की आड़ में न केवल महिलाओं का यौन शोषण और दुष्कर्म किया, बल्कि डरा-धमका कर और धोखाधड़ी के जरिए भारी मात्रा में चल-अचल संपत्ति भी खड़ी की है। ईडी की एंट्री का मतलब है कि अब उसके बैंक खातों, विदेशी लेनदेन और बेनामी संपत्तियों के स्रोतों की गहराई से पड़ताल होगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सदन और सार्वजनिक मंचों पर यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार केवल हवा-हवाई आरोपों पर नहीं, बल्कि ठोस सबूतों के आधार पर काम कर रही है। अब तक खरात के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 12 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, और जैसे-जैसे जांच का दायरा बढ़ रहा है, पीड़ित और गवाह भी हिम्मत जुटाकर सामने आ रहे हैं। इस मामले में एक नया मोड़ तब आया जब कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) लीक होने का विवाद गरमाया।

ईरान जंग का असर, एअर इंडिया ने इजराइल के लिए उड़ाने 31 मई तक कीं रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एयर इंडिया ने नई दिल्ली-तेल अवीव रूट पर 31 मई तक उड़ानें रद्द कर दी हैं। तेल अवीव के लिए ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस पहले ही अपनी उड़ानें बंद कर चुकी हैं। फिलहाल एल अल, इस्राएर, अर्किया और एयर हाइफा ही सीमित सेवाएं चला रही हैं। फ्लाइट सस्पेंड होने से 40 हजार से ज्यादा भारतीय पर असर पड़ा हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत आने के लिए उन्हें जॉर्डन या मिस्र के रास्ते जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास ने 24 घंटे की हेल्पलाइन शुरू की है। रजिस्ट्रेशन अभियान भी चला रहा है। राजदूत जेपी सिंह ने भारतीय कामगारों और छात्रों से वर्चुअल बातचीत कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। नई दिल्ली-तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान सेवा 1 जनवरी से शुरू हुई थी, जिसमें सप्ताह में चार फ्लाइट बोइंग 787 ड्रीमलाइनर से संचालित की जा रही थीं।

राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू के दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू (दिल्ली यूनिवर्सिटी) के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेजों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज में बम की धमकी के बाद सोमवार को कॉलेज परिसर को खाली करा लिया गया। पुलिस के मुताबिक, कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन को ई-मेल मिला, जिसमें उन्हें कैंपस में एक संभावित एक्सप्लोसिव डिवाइस के बारे में अलर्ट किया था। पूरी तरह से तलाशी लेने के लिए बम डिस्पोजल और स्निफर डॉग स्क्वॉड को तैनात किया गया है। वहीं, स्टूडेंट्स, स्टाफ और फैकल्टी को एहतियात के तौर पर बाहर निकाला गया और सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस दोनों कॉलेजों में गहनता से जांच कर रही है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि धमकी किसने दी है?

भोपाल पुलिस के इनपुट पर यूपी एसटीएफ ने कछुआ तस्कर को दबोचा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने वन्यजीव तस्कर को लखनऊ के सैरपुर स्थित आईआईएम रोड से गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने यह कार्रवाई भोपाल पुलिस के इनपुट मिलने पर की। संयुक्त टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। वह चार वर्ष से फरार चल रहा था। उसे सैरपुर थाने में दाखिल किया गया। जहां भोपाल पुलिस साथ लेकर चली गई। एसटीएफ के एएसपी सत्यसेन यादव के मुताबिक, आरोपी रविंद्र उर्फ रमन मलिहाबाद के बख्तियार नगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ मध्य प्रदेश के भोपाल में कछुआ तस्करी का मामला दर्ज था। भोपाल पुलिस को इनपुट मिला का रविंद्र उर्फ रमन लखनऊ में छिपा है। इस पर मध्य प्रदेश पुलिस ने एसटीएफ से सहयोग मांगा। संयुक्त टीम ने रविवार को आईआईएम रोड स्थित सैरपुर थाना क्षेत्र से सुबह करीब 11:45 बजे दबोचा गया। एसटीएफ के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश की नदियों से प्रतिबंधित और संरक्षित प्रजाति के कछुओं को निकालकर अंतर्राज्यीय तस्करों को सप्लाई करता था। आगे की कार्रवाई मध्य प्रदेश की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा की जाएगी।

ऊधम सिंह नगर में बंद पड़े पोल्ट्री फार्म में 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा बरामद

रुद्रपुर (एजेंसी)। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर के काशीपुर क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़े कालाबाजारी रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। परमानंदपुर स्थित एक पुराने पोल्ट्री फार्म में छापेमारी के दौरान 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा और 100 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। इसमें से 16 सिलेंडर भरे हुए और 53 खाली थे। प्रशासन ने मौके से एक आरोपी जुबैर अली को गिरफ्तार किया, जो उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के ग्राम घोसीपुरा पट्टीकला का निवासी है। सूचना के आधार पर एसडीएम अभय प्रताप सिंह और तहसीलदार पंकज चंदोला ने टीम के साथ तुरंत छापेमारी की। उन्होंने बताया कि पुराने बंद पोल्ट्री फार्म का उपयोग गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री और अन्य नशीली वस्तुओं के धंधे के लिए हो रहा था। बरामदगी से यह स्पष्ट होता है कि आरोपी कई तरह के अवैध कारोबार में शामिल था। गैस सिलेंडरों को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर तन्मय मैथानी को सौंपा गया है, जबकि गांजा और शराब को पुलिस ने सील कर लिया है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है ताकि इसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

बार-बार हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है

गुजरात को लेकर दिए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान पर भड़की बीजेपी

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक पारा चढ़ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इडुक्की की एक रैली में गुजरात के लोगों को लेकर एक टिप्पणी की जिसने विवाद का रूप ले लिया है। बीजेपी ने इसे गुजरात की अस्मिता और देश के महान सपूतों का अपमान करार देते हुए कांग्रेस पर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को इडुक्की में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने केरल की साक्षरता की तुलना अन्य राज्यों से की। उन्होंने पीएम मोदी और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा कि केरल के लोगों को गुमराह मत करो। वे बहुत समझदार और पढ़े-लिखे हैं। मोदीजी, विजयनजी, आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के उन लोगों को बेवकूफ बना सकते हैं जो अनपढ़ हैं, लेकिन आप केरल के लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते। खड़गे के इस बयान के बाद बीजेपी ने तुरंत मोर्चा खोल दिया। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने एक्स पर कांग्रेस अध्यक्ष को घेरा। संघवी ने कहा कि यह टिप्पणी गुजरात के छह करोड़ लोगों और महात्मा गांधी, सरदार पटेल व पीएम मोदी जैसे महापुरुषों का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार सत्ता से बाहर होने की हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है। उन्होंने स्पष्ट में कहा कि गुजरात माफ़ नहीं करेगा। संघवी ने कांग्रेस पर बार-बार गुजरात को निशाना बनाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या पार्टी की यह आलोचना राज्य के लोगों द्वारा सत्ता से बाहर किए जाने की वजह से है। उन्होंने कहा कि खड़गे का बयान उनकी हताशा को नहीं, बल्कि कांग्रेस के असली कद को दर्शाता है और कहा कि गुजरात की राजनीतिक रूप से जागरूक जनता ने हमेशा उन लोगों को नकारा है जो गांधी और पटेल की धरती का अपमान करते हैं और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी, उन्होंने यह भी जोड़ा कि गुजरात माफ नहीं करेगा। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे पर पलटवार करते हुए पूछा कि वे महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे नेताओं की बुद्धिमत्ता के बारे में क्या सोचते हैं, जो सभी गुजरात, यूपी और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों से आते थे। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर 9 अप्रैल को होने वाले केरल चुनावों से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य की जनता चुनावों में इसका करारा जवाब देगी।

टीवीके प्रमुख विजय ने चेन्नई में चुनावी दौरा किया रद्द, समय की कमी और पुलिस पाबंदियों का हवाला

चेन्नई (एजेंसी)। विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्तरी कड़गम (टीवीके) ने सोमवार को चेन्नई में प्रस्तावित चुनावी प्रचार कार्यक्रम रद्द कर दिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विजय को विल्लीवाक्कम और टी नगर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं और रोड शो करने थे, लेकिन प्रशासनिक पाबंदियों के चलते कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। सूत्रों का कहना है कि चुनाव प्रचार की अनुमति मिलने के बावजूद पुलिस द्वारा दोनों स्थानों के बीच आवागमन के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। इसी वजह से कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से पूरा करना संभव नहीं था। पार्टी ने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इस तरह की पाबंदियां चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि टीवीके इस मामले को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के समक्ष उठाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, पार्टी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी मौसम में इस तरह की प्रशासनिक चुनौतियां राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए बड़ी समस्या बन सकती हैं। वहीं, निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की भूमिका भी अहम मानी जाती है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ऐसे में सभी दल अपने-अपने स्तर पर प्रचार में तेजी ला रहे हैं, और हर छोटा घटनाक्रम चुनावी रणनीति पर असर डाल सकता है।

असम में कल्पना के हेलीकॉप्टर को उतरने की नहीं दी अनुमति, डर में हिमंता?

-सोरेन ने फोन के जरिए लोगों से कहा- मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं

दिसपुर, (एजेंसी)। असम में चुनाव प्रचार के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता कल्पना सोरेन को हेलीकॉप्टर लैंडिंग की अनुमति न मिलने से उनका तय कार्यक्रम प्रभावित हुआ, लेकिन उन्होंने फोन के जरिए लोगों से संपर्क कर अपना संदेश पहुंचाया। असम के खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में कल्पना सोरेन को परेशानी झेलनी पड़ी। उनका इन जगहों पर जनसभा करने का कार्यक्रम था, लेकिन प्रशासन ने हेलीकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड की अनुमति नहीं दी। इस वजह से वह खुमताई और नहरकटिया नहीं पहुंच सकीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। मार्गेरीटा जाते समय सड़क रास्ते में ही फोन के जरिए खुमताई और नहरकटिया के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से अंदेशा था कि उनके कार्यक्रम में रुकावट डाली जाएगी और उनकी आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। वहीं झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी असम में एक सभा में आरोप लगाया कि उनकी बढ़ती भीड़ से सत्ता पक्ष परेशान है। इसलिए लोगों को उनकी सभा में आने से रोका जा रहा है।

कल्पना सोरेन ने अपने भाषण में कहा कि रास्ते रोके जा सकते हैं, लेकिन जनता का गुस्सा नहीं रोका जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग विपक्ष की आवाज दबाना चाहते हैं।

मतदान के जरिए अपनी ताकत जरूर दिखाएं कल्पना ने खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा के लोगों से खासकर चाय बागान के मजदूरों, आदिवासी समाज, अल्पसंख्यकों, युवाओं और महिलाओं से 9 तारीख को ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की। उन्होंने इस चुनाव को सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बल्कि सम्मान, पहचान और अधिकार की लड़ाई बताया। लोगों से कहा कि वे तीर-धनुष चुनाव चिह्न पर वोट देकर अपना जवाब दें। आखिर में उन्होंने कहा कि मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं।

यूपी के करीब 6000 मजदूर इजराइल में हैं सुरक्षित, सरकार कर रही लगातार निगरानी

किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की नहीं जताई इच्छा

लखनऊ (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तेज होती जंग और ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों के बीच इजराइल में काम कर रहे यूपी के करीब 6000 मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही थी। कई लोग सवाल कर रहे थे कि क्या ये मजदूर सुरक्षित हैं और क्या उन्हें भारत वापस लाया जाएगा? इन सवालों का जवाब देते हुए यूपी सरकार ने कहा कि सभी मजदूर पूरी तरह सुरक्षित हैं और सरकार लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

यूपी सरकार के प्रमुख सचिव डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर वे नियमित रूप से भारतीय दूतावास के अधिकारियों के संपर्क में हैं। दूतावास के जरिए यूपी के सभी मजदूरों की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने साफ किया कि तनावपूर्ण हालात के बावजूद अभी तक किसी भी मजदूर की ओर से भारत लौटने की कोई मांग नहीं की गई है। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि ईरानी हमलों के बावजूद इजराइल में कार्यरत यूपी के 6000 से ज्यादा मजदूर सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हम भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं। दूतावास के अधिकारियों के जरिए हम हर श्रमिक की लोकेशन और सुरक्षा स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। यूपी सरकार ने साफ किया कि जरूरत पड़ने पर श्रमिकों की सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था पहले से तैयार है। हालांकि, फिलहाल किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की इच्छा नहीं जताई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि सीएम योगी ने इस मामले में सख्त निर्देश दिए हैं कि विदेश में काम कर रहे यूपी के किसी भी मजदूर की सुरक्षा से कोई समझौता न किया जाए। इसके तहत श्रम विभाग लगातार दूतावास के साथ समन्वय कर रहा है। इस जंग की शुरुआत से ही ईरान तेल अवीव समेत इजराइल के बड़े शहरों पर मिसाइलें बरसा रहा है। ऐसे में विदेश में रह रहे भारतीयों, खासकर इजराइल में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई थी। यूपी भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण यहां से सबसे ज्यादा लोग इजराइल में निर्माण, कृषि और अन्य क्षेत्रों में काम करते हैं। योगी सरकार ने तनाव शुरू होते ही तुरंत सक्रिय भूमिका निभाई। सुंदरम ने भारतीय दूतावास, तेल अवीव के साथ सीधा संपर्क स्थापित किया और यूपी के श्रमिकों की सूची साझा की। दूतावास के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया कि अगर कोई श्रमिक स्वेच्छा से भारत लौटना चाहे या स्थिति और बिगड़ती है, तो उनकी सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था कर ली गई है। श्रम विभाग ने सभी जिला मजदूर कल्याण अधिकारियों को अलर्ट किया है कि अगर कोई श्रमिक परिवार से संपर्क कर सहायता मांगे तो तुरंत मदद की जाए। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने कहा कि हमारी प्राथमिकता श्रमिकों की सुरक्षा है। अभी हालात नियंत्रण में हैं और श्रमिक अपने काम पर बने हुए हैं, लेकिन सरकार किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है।

पत्नी पर लगाए कांग्रेस नेताओं के आरोपों का है पाकिस्तानी कनेक्शन

असम सीएम सरमा ने कहा- यह चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के पहले राज्य की राजनीति में उबाल आ गया। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर कांग्रेस द्वारा लगाए गए वित्तीय आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसमें विदेशी साजिश और पाकिस्तानी कनेक्शन होने का दावा किया है। इस मामले में अब कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है।

यह आरोप उन्होंने तब लगाया जब कांग्रेस नेताओं ने मौजूदा चुनावी माहौल में उनकी पत्नी के वित्तीय और निजी रिकॉर्ड पर सवाल उठाए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब गौरव गोगोई समेत कांग्रेस नेताओं ने नई दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया कि सीएम सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन पासपोर्ट हैं और वह व्योमिंग स्थित एक कंपनी के ज़रिए 52,000 करोड़ रुपए की संपत्ति को नियंत्रित करती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्तेमाल की गई सामग्री एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया नेटवर्क से ली गई थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी मीडिया चैनलों ने हाल के दिनों में असम चुनावों पर असामान्य रूप से कई चर्चाएं प्रसारित की हैं, जो सभी कांग्रेस के पक्ष में थीं। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान में कम से कम 11 टॉक शो असम चुनावों पर केंद्रित थे। उन्होंने इसे अभूतपूर्व बताया और सुझाव दिया कि यह चुनावी माहौल को प्रभावित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

सरमा ने पुष्टि की कि उनकी पत्नी, रिंकी भुइयां ने एफआईआर दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने आरोपों को मनगढ़ंत और मानहानिकारक करार दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने पर गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सीएम सरमा ने तर्क दिया कि विदेशों में शेल कंपनियां बनाना अपेक्षाकृत आसान है और उन्होंने अपने विरोधियों पर सबूत गढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति 199 यूएसडी का भुगतान करके कंपनी रजिस्टर करवा सकता है। कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने तो रिंकी के नाम पर एक और कंपनी भी बना ली। उन्होंने फिर दोहराया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा पेश किए गए दस्तावेज, जिनमें पासपोर्ट की तस्वीरें भी शामिल थीं, मनगढ़ंत थे और उन्हें संदिग्ध विदेशी संस्थाओं से हासिल किया गया था। बता दें असम में मतदान 9 अप्रैल को होना है और परिणाम 4 मई को आएगा।

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले घाटी पहुंचे सीडीएस जनरल चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है। जैसे-जैसे बरसी नजदीक आ रही है, घाटी में सतर्कता और सख्ती साफ दिख रही है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं और जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी का व्यापक नेटवर्क तैयार है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते नाकाम कर सके।

इस बीच रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कश्मीर दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) का दौरा कर सुरक्षा हालात और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने चिनार कोर की तैयारियों की सराहना कर संकेत दिया कि अब सुरक्षा बल केवल जवाब देने की रणनीति तक सीमित नहीं रहने वाले हैं, बल्कि दुश्मन की हर चाल को पहले से भांपकर विफल करने के लिए तैयार हैं।

जनरल चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि अब पारंपरिक युद्ध के तरीके पर्याप्त नहीं हैं और ÷मल्टी-डोमेन ऑपरेशन्स÷ यानी बहु-आयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके तहत सेना, वायुसेना, नौसेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां एकीकृत ढांचे में मिलकर काम करेंगी। आधुनिक तकनीक, साइबर क्षमता और मानसिक दृढ़ता को भी इस रणनीति का अहम हिस्सा बताया गया। घाटी में जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। सांबा जिले में संदिग्ध गतिविधियों के बाद सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। हालांकि अभी तक किसी मुठभेड़ की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि सुरक्षा बल किसी भी सूचना को हल्के में नहीं ले रहे। इसके अलावा, सीमाओं पर घुसपैठ रोकने के लिए एलओसी पर विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है। ड्रोन, सेंसर और अन्य आधुनिक उपकरणों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। खुफिया तंत्र को भी पहले से ज्यादा सक्रिय और मजबूत किया गया है। कुल मिलाकर, पहलगाम हमले की बरसी केवल एक याद नहीं, बल्कि एक मजबूत संकल्प का प्रतीक बन गई है। यह संकल्प है कि अब कोई चूक नहीं होगी और हर खतरे का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, बल्कि पहल कर खतरे को खत्म करने वाला देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तमिलनाडु में बड़े दलों ने ब्राह्मणों को किया दरकिनार, टिकट देने को भी नहीं हैं तैयार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन सूचियों के विश्लेषण से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है—राज्य की मुख्यधारा की राजनीति से ब्राह्मण उम्मीदवारों का लगभग पूरी तरह गायब होना। करीब 3 प्रतिशत आबादी वाले इस समुदाय को द्रविड़ राजनीति के गढ़ में इस बार बड़ी पार्टियों ने टिकट देने से परहेज किया है। राजनीतिक विश्लेषक इसे राज्य के चुनावी इतिहास में एक बड़े बदलाव के रूप में देख रहे हैं।

सबसे चौंकाने वाला फैसला अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) का रहा है। लगभग 35 वर्षों में यह पहली बार है जब पार्टी ने एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है। पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के निधन के बाद से पिछले 10 वर्षों में पार्टी ने केवल एक बार 2021 में इस समुदाय के व्यक्ति को टिकट दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि जयललिता और एमजीआर के दौर में ब्राह्मण उम्मीदवार पार्टी की प्राथमिकता हुआ करते थे, लेकिन अब समीकरण बदल चुके हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों के अनुसार, जयललिता के बाद ब्राह्मण मतदाताओं का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है, जिसके कारण अन्नाद्रमुक को अब इस समुदाय को टिकट देने में कोई सीधा चुनावी लाभ नजर नहीं आ रहा है। हैरानी की बात यह है कि हिंदुत्व की राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी 27 सीटों की सूची में किसी ब्राह्मण चेहरे को स्थान नहीं दिया है। इसी तरह सत्ताधारी द्रमुक (डीएमके) और कांग्रेस ने भी इस समुदाय से दूरी बनाई है। द्रमुक की राजनीति का आधार ही गैर-ब्राह्मण सशक्तिकरण रहा है, इसलिए उनकी सूची में यह बदलाव स्वाभाविक माना जा रहा है।

हालांकि, मुख्यधारा की पार्टियों के उलट कुछ नए और छोटे दलों ने अलग राह चुनी है। अभिनेता विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) ने दो ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि विजय इसके जरिए संदेश देना चाहते हैं कि उनकी पार्टी ब्राह्मण-विरोधी नहीं है। वहीं, तमिल राष्ट्रवादी नेता सीमन की पार्टी नाम तमिलर कच्ची (एनटीके) ने सबसे अधिक छह ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकट दिया है। सीमन ने मायिलापुर और श्रीरंगम जैसे क्षेत्रों को चुना है जहाँ ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। जानकारों का कहना है कि सीमन द्रविड़ दीवार को तोड़ने के लिए हर सामाजिक समीकरण का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुल मिलाकर, तमिलनाडु की चुनावी बिसात पर इस बार पारंपरिक जातीय प्रतिनिधित्व के मायने बदलते दिख रहे हैं।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। इस मैच में जहां रॉयल्स जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। वहीं मुम्बई का लक्ष्य पिछले मैच में मिली हार से उबरकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें ता अब तक दोनो के बीच 31 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 16 मुम्बई ने जबकि 14 रॉयल्स ने जीते हैं। कप्तान रियान पराग की राजस्थान टीम ने अब तक काफी अच्छा खेला है। टीम के हर खिलाड़ी ने अपनी ओर से योगदान दिया है। यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है, वहीं वैभव सूर्यवंशी ने इसे तेजी रही है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने पावरप्ले के दौरान टीम को काफी गति प्रदान की है। मध्यक्रम में ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला है, जबकि शिमरोन हेटमायर ने दबाव भरे पलों में भी बड़े-बड़े छक्के लगाकर टीम लक्ष्य तक पहुंचाया है। पराग ने स्वयं भी अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों से टीम में अहम योगदान दिया है, जिससे टीम की मुख्य बल्लेबाजी संरचना में स्थिरता बनी रही है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के आने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है।

गेंदबाजी में टीम के पास जोफ्रा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। वहीं नांद्रे बर्गर ने ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई ने अपनी स्पिन से विरोधियों पर अंकुश लगाया है। वहीं संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने भी अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की इस मैच से वापसी अभी तय नहीं है। ऐसे में कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास ही रहने की संभावना है। मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा , सूर्यकुमार यादव के साथ ही तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

इसके अलावा रयान रिकेल्टन शेरफेन रदरफोर्ड और मिशेल सैंटनर के अलावा टीम के पास । शार्दुल ठाकुर जैसे ऑलराउंडर हैं। मुंबई की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट पर आधारित है। वहीं बीच के ओवरों में स्पिनर मिशेल सैंटनर विरोधी टीम पर अंकुश लगायेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक होगा।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, तुमार देशपांडे, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर-डोनोवन फरेरा।

मुम्बई इंडियंस : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, मिचेल सेंटनर, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट प्लेयर-शार्दुल ठाकुर।

सीएसके की तीसरी हार से निराश ऋतुराज बोले, मुझे बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिये थी

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसे लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके को अपने तीसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार मिली है। इससे टीम के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ निराश हैं। ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि मुझे अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। साथ ही कहा कि अगर मैंने रन बना दिए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में आरसीबी से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 207 रन ही बना पायी।

हार के बाद उन्होंने कहा, 'मैं भी टीम केप्रदर्शन से थोड़ा हैरान था। सरफराज खान, प्रशांत वीर और जेमी ओवरटन ने अच्छा खेल दिखाया। वहीं अगर मैंने शीर्ष क्रम में रन बनाये होते तो हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। इसलिए आरसीबी के खिलाफ मिली हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं। इस मैच में हमारी टीम ने जिस प्रकार विराट कोहली का कैच छोड़ा उससे भी हमें नुकसान हुआ। इसके अलावा आरसीबी के टिम डेविड की पारी से भी मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि हमारी कुछ गलतियों से मैच हमारे हाथ ने फिसल गया।' इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया था। आरसीबी ने टिम और पडीक्कल के अलावा कप्तान रजत पाटीदार की नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट की 46 रन की पारी से तीन विकेट पर 250 रन बनाये जिसका पीछा करते हुए सीएसके 207 रन ही बना पायी।

संग्राम सिंह अर्जेंटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेंटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

अगर पडिक्कल इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा: पूर्व क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मेंटर दिनेश कार्तिक का मानना है कि देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा, जिस तरह से वह घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद IPL में बैटिंग कर रहे हैं। रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ RCB की बड़ी जीत में पडिक्कल ने अहम भूमिका निभाई, उन्होंने 29 गेंदों में ताबड़तोड़ 50 रन बनाए।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में पडिक्कल की शांत और संयमित पारी के बारे में पूछे जाने पर RCB के बैटिंग कोच कार्तिक ने शुरुआती मुश्किल दौर में उनके संयम की तारीफ की जिसके बाद उन्होंने खुलकर खेलना शुरू किया। कार्तिक ने कहा, 'सबसे पहली बात जो सामने आती है, वह है उनका पक्का इरादा। इस तरह की पिच पर, जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते, तो

कई बैटर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट गंवा बैठते हैं। जब हालात मुश्किल थे, तब भी धैर्य बनाए रखने के लिए देवदत्त ने बहुत हिम्मत दिखाई।'

उन्होंने कहा, 'जैसे ही उन्हें पहली बाउंड्री मिली, आप देख सकते थे कि उन्होंने अपनी बैटिंग का गियर बदल दिया। वह सही क्रिकेटिंग शॉट खेल रहे हैं और गेंद को जोरदार तरीके से मार रहे हैं। अगर वह इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाए हैं और हम जानते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।' कार्तिक ने आगे कहा, 'एक और बात जो काबिले-तारीफ है कि वह यह कि वह कर्नाटक के ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। 25 साल की उम्र में भी, वह अपने आइडिया और लीडरशिप से टीम में योगदान दे रहे हैं, और यह देखना बहुत अच्छा लगता है।' पडिक्कल की पारी में 5 बाउंड्री और दो छक्के शामिल थे, जिससे RCB 250/3 के विशाल स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही इससे पहले टिम डेविड ने 25 गेंदों में 70 रन की तूफानी पारी खेली थी। RCB ने यह मैच 43 रनों से जीता और CSK को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित

होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उन्हें मौका मिला तब वो मध्यक्रम में खेले और फिर उन्हें पारी शुरु करने का मौका मिला और फिर जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

सरफराज ने पॉवरप्ले में अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज सरफराज खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में नंबर चार पर खेलते हुए पावरप्ले में अर्धशतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस मैच में हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। आरसीबी की टीम के 250 रनों के जवाब में सीएसके टीम 19.4 ओवर में 207 रन ही बना पायी। सरफराज के लिए आमतौर पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच अच्छी रही। इससे पहले साल 2015 में उन्होंने यहां आरसीबी की ओर से खेलते हुए 45 रन बनाये थे। अब एक दशक बाद इसी मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेली है। इस मैच में सीएसके के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए विफल रहे। शीर्ष तीन बल्लेबाज संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे केवल 17 रन ही बना पाये। सरफराज ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाया। सरफराज अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही आईपीएल में आईपीएल में नंबर 4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों के अंदर अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। वहीं आरसीबी के खिलाफ सरफराज का यह दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने साल 2019 में पंजाब किंग्स की ओर से एक अर्धशतक लगाया था. वहीं अब छह साल बाद अपना दूसरा अर्धशतक लगाया है।

शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने से हारे : ईशान किशन

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यकारी कप्तान ईशान किशन ने आईपीएल में यहां अपने घरेलू मैदान में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। इस मैच में सनराइजर्स को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ईशान ने कहा है कि शुरुआती बल्लेबाजों के असफल होने से टीम हारी है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने चार विकेट खो दिये थे। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी 56 रन और हेनरिक क्लासेन के 62 रनों की सहायता से सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में केवल 156 रन तक पहुंची थी। ईशान ने कहा कि जो स्कोर उनकी टीम ने बनाया था वह बचाव के लिए पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी हर्ष दुबे ने 18 रन देकर दो विकेट लेकर अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। इससे टीम ने अंतिम ओवर तक जीत हासिल करने का प्रयास किया। ईशान ने कहा कि यह एक अच्छा मैच था पर बचाव के लिए उनके रन कम पड़ गये। गेंदबाजों ने योजना के अनुसार अच्छी गेंदबाजी की और क्षेत्ररक्षकों ने भी अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। साथ ही कहा शुरुआत में 4 विकेट गिरने से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव आ गया पर क्लासेन और नीतीश ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 150 से ऊपर पहुंचाया। वहीं सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ ने अच्छी बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथ से छीन लिया।

आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की घोषणा, भारत के दो खिलाड़ी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन, बेहतरीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को मार्च 2026 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है।

सैमसन ने 2026 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत बेंच पर बैठकर की थी, जब उन्हें चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर एट्स मुकाबले से टीम में शामिल होने का मौका मिला, तो उन्होंने टूर्नामेंट की सबसे शानदार व्यक्तिगत कहानियों में से एक लिख दी। उन्होंने कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक जरूरी सुपर 8 मुकाबले में 97 रन की यादगार नाबाद पारी खेली। इसके बाद मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ सेमी-फाइनल में और अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में दोनों ही मैचों में उन्होंने 89-89 रन बनाए। उनके इन प्रयासों की बदौलत

भारत अपने घरेलू मैदान पर खिताब बचाने में कामयाब रहा और सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड मिला।

वहीं बुमराह भारत की हर उस नॉकआउट जीत के केंद्र में रहे, जिसने टीम को खिताब तक पहुंचाया। सेमी फाइनल में जहां इंग्लैंड के खिलाफ ज्यादातर गेंदबाजों ने 9.50 से ज्यादा रन प्रति ओवर दिए, बुमराह ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 1 विकेट लिया। उनके 16वें और 18वें ओवर की कसी हुई गेंदबाजी निर्णायक साबित हुई और इंग्लैंड लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 रन पीछे रह गया। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर चार विकेट झटके और अपने घरेलू मैदान पर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता। कुल मिलाकर बुमराह ने टूर्नामेंट के आखिरी तीन मैचों में 12 की औसत और 7 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए।

टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों में दक्षिण अफ्रीका के लिए 200 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। चौथे मैच में उन्होंने अपना पहला टी20आई अर्धशतक बनाया और फिर निर्णायक पांचवें मैच में 33 गेंदों पर नाबाद 75 रन की तूफानी पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका को 3-2 से सीरीज जिताई। उन्होंने 'प्लेयर ऑफ द मैच' के दो पुरस्कार जीते और 551 रेटिंग अंकों के साथ पुरुषों की टी20आई बैटिंग रैंकिंग में 39वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 5 मैचों के बाद किसी भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा यह चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप : प्रीति ने ओलंपिक विजेता को हराया, फाइनल में बनाई जगह

उलानबटोर (मंगोलिया)। उदीयमान भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कोरिया की ऐजी इम को हराकर एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन हारकर बाहर हो गई। प्रिया और अरूंधति चौधरी ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते। विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता पूजा रानी और अंकुशिता बोरो को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने तीन दौर के मुकाबले में इम को 5-0 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैम्पियन (2019, 2023, 2025) और तोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपै की हुआंग सियाओ वेन से होगा। महिलाओं के 60 किलोवर्ग में प्रिया ने स्थानीय मुक्केबाज नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना उत्तर कोरिया की उन जियोंग वोन से होगा। अरूंधति ने उजबेकिस्तान की ओइशा तोइरोवा को 70 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 4.1 से हराया। अब उनका सामना कजाखस्तान की बेकित सेइदिश से होगा। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत को ओलंपिक पदक विजेता चीन की वू यू ने 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 से मात दी। निकहत की इस मुक्केबाज के खिलाफ यह दूसरी हार है। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को 75 किलोवर्ग में विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता उजबेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। पहले दौर में बाय मिलने के बाद यह टूर्नामेंट में लवलीना का पहला मुकाबला था। अंकुशिता को चीनी ताइपै की नियेन चिन चेन ने 3-0 से हराया। महिलाओं के 80 किलो वर्ग में पूजा सेमीफाइनल में कजाखस्तान की एन रियाबेत्स से हार गई।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं ।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

धोनी फिटनेस टेस्ट में पास हुए तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उतरेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने शुरुआती तीनो ही मैचों में हार के कारण मुश्किलों में फंसी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए राहत की खबर है। टीम को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी की अगले मैच में वापसी हो सकती है बशर्ते वह फिटनेस टेस्ट में पास हो जाएं। धोनी काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण अब तक इस लीग में नहीं खेल पाये हैं हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है पर उन्हें खेलने की अनुमति फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही मिलेगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वह 11 अप्रैल को चेन्नई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो सीएसके का मनोबला बढ़ जाएगा। धोनी के नहीं होने पर सीएसके को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। उनके रहने से टीम को मार्गदर्शन मिलता रहता है। इस बार आईपीएल 2026 अंकतालिक में टीम का खाता भी नहीं खुला है और वह सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके के लिए इस मैच से युवा डेवाल्ड ब्रेविस भी वापसी कर सकते हैं क्योंकि अब वह भी अपनी चोट से उबर गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में अगर धोनी और ब्रेविस खेलते हैं तो इससे सीएसके को काफी लाभ होगा। अगले कुछ दिनों में धोनी का फिटनेस टेस्ट होने की संभावना है और अगर वह इसमें पास हो गए तो चेपॉक में दिल्ली के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। आईपीएल में सीएसके धोनी पर कितना निर्भर है इसका अंदाजा आंकड़ों से होता है। अब तक धोनी ने केवल 8 मुकाबले नहीं खेल हैं। 3 मुकाबले 2010 में, 2 मुकाबले 2019 में और 3 मुकाबले अब तक 2026 में उन्होंने नहीं खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि जिन 8 मैचों में एमएस धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे हैं, उनमें से केवल एक ही मैच में सीएसके जीती है। वहीं बचे हुए 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

अनीत पड्डा की 'शक्ति शालिनी' में हुई विनीत कुमार की एंट्री

मैडॉक का हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की अधिकतर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट हैं। पिछले साल इस यूनिवर्स की 'थामा' रिलीज हुई थी, जिसको फैंस ने पसंद किया था। अब फैंस इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का इंतजार कर रहे हैं। अनीत पड्डा की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में एक और दिग्गज एक्टर की एंट्री हुई है। इसके बाद इस फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

अनीत पड्डा के प्रमुख भूमिका वाली 'शक्ति शालिनी' अपनी घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की इस आगामी फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार सिंह की एंट्री हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, विनीत कुमार सिंह फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे। वहीं रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि विनीत ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसका निर्माण पिछले साल शुरू हुआ था।

हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की छठी फिल्म है 'शक्ति शालिनी'

आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित 'शक्ति शालिनी' मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की छठी फिल्म है। इससे पहले इस यूनिवर्स की 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या', 'स्त्री 2' और 'थामा' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। इस प्रोजेक्ट में विशाल जेठवा और अनीत पड्डा 'सलाम वेंकी' के बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा 'थामा' के क्लाइमेक्स के दौरान की गई थी।

क्या वामिका गब्बी का टूट गया दिल? एक्ट्रेस ने की क्रिप्टिक पोस्ट

शनिवार को वामिका गब्बी ने अपने इंस्टग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। साथ ही एक क्रिप्टिक मैसेज भी साथ में शेयर किया है। अपनी तस्वीरों के साथ वामिका ने कैप्शन में रेड हार्ट और बैंडेज का इमोजी शेयर किया है। इस क्रिप्टिक पोस्ट को जब डिकोड किया जाता है तो पता चलता है कि ऐसे इमोजी हार्टब्रेक के लिए शेयर किए जाते हैं। तो क्या रियल लाइफ में वामिका गब्बी हार्टब्रेक से गुजर रही हैं। इस पोस्ट से तो यही अंदाजा लगाया जा सकता है। वामिका गब्बी की लव लाइफ की बात करें तो यह पूरी तरह से सीक्रेट है। उनका नाम अब तक किसी एक्टर के साथ भी नहीं जोड़ा गया है। वामिका इन दिनों अपने करियर पर पूरी तरह से फोकस कर रही हैं। 10 अप्रैल को वामिका गब्बी की फिल्म भूत बंगला रिलीज होगी। इसमें वह अक्षय कुमार के अपोजिट नजर आएंगी।

सलमान खान के साथ नयनतारा की बनी जोड़ी!

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान की नई फिल्म लेकर एक नया अपडेट है। खबर है कि साउथ के 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' वामशी पेडिपल्ली की इस फिल्म में नयनतारा को कास्ट किया गया है। साउथ सिनेमा की 'लेडी सुपरस्टार' कही जाने वाली नयनतारा इससे पहले शाहरुख खान की 'जवान' के साथ बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं। चर्चा ये भी है कि सलमान खान और मेकर्स ने इसकी रिलीज के लिए अगले साल ईद 2027 की तारीख पक्की कर ली है।

सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपनी इस नई फिल्म का ऐलान किया था। जबकि अब मंगलवार को ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने खबर दी है कि नयनतारा को सलमान खान के अपोजिट लीड रोल में कास्ट कर लिया गया है। अभी फिल्म की बाकी कास्ट का ऐलान होना भी बाकी है। इससे पहले सलमान खान और प्रोडक्शन हाउस 'श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स' ने सोशल मीडिया पर इस नए प्रोजेक्ट का ऐलान किया। सलमान खान ने जहां वामशी पेडिपल्ली के साथ फोटो शेयर करते हुए अपने खास अंदाज में लिखा, 'दिल, दिमाग, जिगर से अप्रैल से वामशी पेडिपल्ली और दिल राजू के साथ।' वहीं दूसरी ओर, प्रोडक्शन हाउस ने भी इस घोषणा की पुष्टि करते हुए सलमान को 'एक ऐसी हस्ती बताया, जिन्होंने दुनियाभर के दर्शकों को खुशी के अनगिनत पल दिए हैं। अब वे इस प्रोजेक्ट के लिए 'ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर' वामशी पैडिपल्ली के साथ हाथ मिला रहे हैं।

बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर होगी फिल्म

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली को साउथ सिनेमा का 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' कहा जाता है। यह पहली बार है, जब वह बॉलीवुड के लिए फिल्म बना रहे हैं। बताया जाता है कि फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे भव्य पैमाने पर बनाया जा रहा है। इसमें हिंदी और दक्षिण भारतीय, दोनों फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों को शामिल किया जाएगा। मेकर्स ने बयान जारी करते हुए कहा है, 'यह फिल्म सलमान खान को पर्दे पर एक ऐसे अवतार में पेश करेगी, जैसा उनके फैंस ने इससे पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म की शूटिंग पूरे भारत में अलग-अलग लोकेशन पर होगी और इसकी शुरुआत 14 अप्रैल से मुंबई में बने एक भव्य सेट से होगी।'

सलमान की 'मातृभूमि' होगी पोस्टपोन

इस बीच सलमान खान की गलवान युद्ध पर बनी 'मातृभूमि' पोस्टपोन होने की भी चर्चा है। फिलहाल, इसकी रिलीज डेट 17 अप्रैल 2026 है, लेकिन अब खबर है कि यह स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14 अगस्त या आसपास रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग अभी बची हुई है। 'इंडियन आइडल' फेम सिंगर-एक्टर प्रशांत तमांग की मौत के कारण इस वॉर-ड्रामा के कई सीन्स को फिर से शूट किया जा रहा है। बीते दिनों सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने की वजह से इसका आखिरी शेड्यूल प्रभावित हुआ है। वैसे भी अब, 17 अप्रैल को अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होगी। इससे भी साफ है कि अक्षय ने यह फैसला अपने दोस्त सलामन से बातचीत के बाद ही लिया होगा।

सत्य घटना पर आधारित होगा अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच आज अजय ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान सोशल मीडिया पर किया है। अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट सत्य घटना पर आधारित होगा। जिसकी रिलीज डेट से भी अजय ने पर्दा उठा दिया है। अजय ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस पोस्ट में अजय ने हाथ में एक फ्लॉपी डिस्क पकड़ रखी है, जिस पर लिखा है - 'हैप्पी बर्थडे जोशी।' इस प्रोजेक्ट का निर्माण अजय देवगन और दानिश देवगन मिलकर करेंगे। इसका निर्देशन अंशुल कुमार शर्मा करेंगे। हालांकि, यह जानकारी नहीं दी है कि यह एक फिल्म है या सीरीज। अजय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने अगले प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए लिखा, 'हर किसी की एक सीमा होती है, उसकी तो पूरी दुनिया में फैल गई।' अजय ने यह भी बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगा। अजय के इस पोस्ट पर विंदू दारा सिंह ने लाल इमोजी बनाया है।

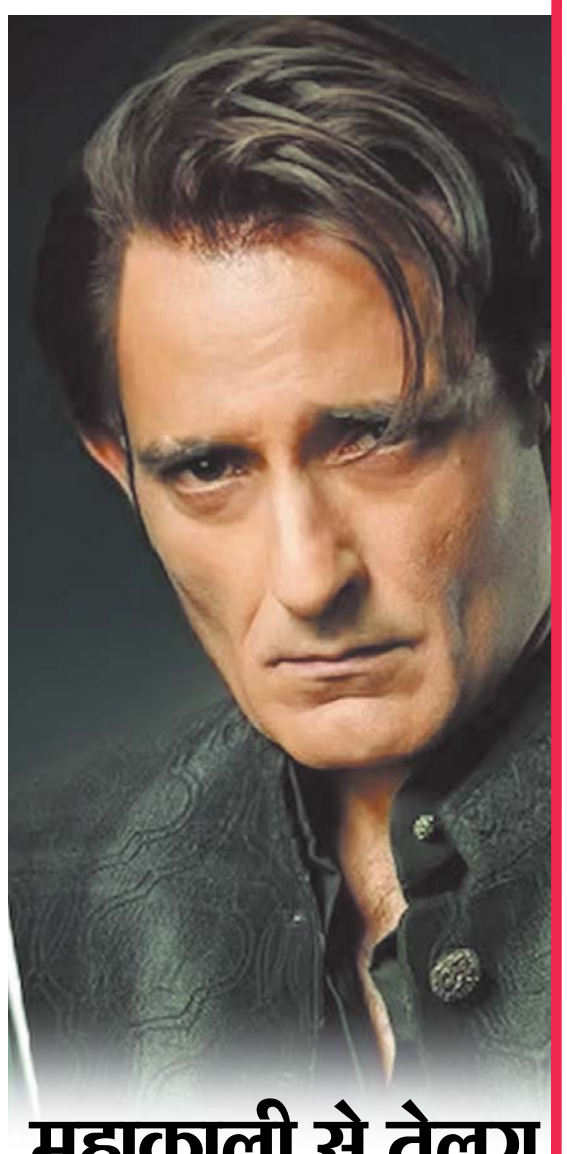

महाकाली से तेलुगु डेब्यू करेंगे अक्षय खन्ना

निभाएंगे शुक्राचार्य का रोल

अक्षय खन्ना इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उनकी फिल्म 'धुरंधर' में रहमान दकैत का किरदार लोगों को बहुत पसंद आया है। अब उनकी अगली फिल्म 'महाकाली' को लेकर भी फैंस में काफी उत्साह है।

'धुरंधर' में रहमान डकैत के किरदार से अक्षय खन्ना ने सभी का दिल जीत लिया। 'धुरंधर' के बाद अब वह साउथ फिल्म 'महाकाली' में नजर आएंगे । अक्षय खन्ना के जन्मदिन के मौके पर फिल्म निर्माता प्रशांत वर्मा ने 'महाकाली' फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य के रूप में नजर आ रहे हैं। प्रशांत वर्मा ने अक्षय को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो अक्षय खन्ना सर। आप एक सच्चे अभिनेता हैं। आपने साबित कर दिया कि असली प्रतिभा को शोर-शराबे की जरूरत नहीं होती। आपकी सहज उपस्थिति और दमदार अभिनय हमेशा अलग दिखता है। आपके साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। जल्द ही हम दर्शकों को बताएंगे कि हमने साथ मिलकर क्या बनाया है।'

कब रिलीज होगी 'महाकाली'

अक्षय खन्ना फिल्म 'महाकाली' में हिंदू पौराणिक कथा के प्रसिद्ध असुर गुरु शुक्राचार्य का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें पहले 2024 में 'हनुमान' फिल्म आई थी। आगे 'जय हनुमान' और 'अधिरा' जैसी फिल्में भी आने वाली हैं। यह अक्षय खन्ना की तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म है। फिल्म में मुख्य भूमिका (महिला सुपरहीरो) भूमि शेट्टी निभा रही हैं। 'महाकाली' 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

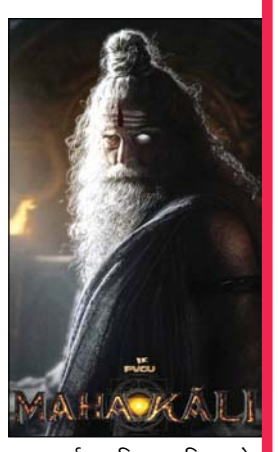

'इक्का' में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा की फिल्म 'इक्का' में भी नजर आने वाले हैं। इसमें अक्षय मुख्य खलनायक की भूमिका करेंगे। फिल्म में सनी देओल, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा सोम और संजीदा शेख भी हैं। यह फिल्म सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है

शिल्पा शिंदे की बेबाकी हम 'बिग बॉस' में देख चुके हैं। उनके लिए निर्णय लेना सिर्फ अधिकार नहीं, अपनी जगह, पहचान और गरिमा बनाने की प्रक्रिया है। वह मानती हैं कि हर 'न' लड़ाई नहीं होती और हर 'हां' झुकना नहीं। रिश्तों, काम और व्यक्तिगत स्पेस के बीच उन्होंने बार-बार साबित किया है कि असली ताकत टकराव में नहीं बल्कि सही समय पर सही बात कहने की ईमानदार हिम्मत में है। शिल्पा बताती हैं कि समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है।

अपने मुद्दों को सही से भी रखें

शिल्पा शिंदे ने कहा, 'मुझे लगता है कि डिसीजन मेकिंग स्पेस में अपनी खुद की जगह होना बहुत जरूरी है। अब भी बहुत सारे ऐसे घर हैं, जहां लोग बहुत पढ़े-लिखे हैं लेकिन फैसले लेने में महिलाओं को वह स्पेस नहीं दे पाते हैं। तुम चुप रहो, तुम्हें नहीं पता, या यह तुम्हारा काम नहीं है, बहुत सारी महिलाएं ये सब बर्दाश्त करती हैं। मैं यह नहीं कहूंगी कि हर बात पर बगावत करो लेकिन अपने मुद्दे को अच्छे तरीके से भी रखा जा सकता है। दरअसल, बहुत सी महिलाएं फिर बिल्कुल गलत तरीके से बगावत पर उतर आती हैं कि मेरा तो इस घर में जमता नहीं है, मेरा तो इस घर में कुछ हो ही नहीं सकता या मेरी तो कोई सुनता नहीं है। आप अपने मुद्दे को बहुत प्यार से भी रख सकते हो, थोड़ा अलग तरीके से भी रख सकते हो तो यह कोशिश करनी बहुत जरूरी है।'

स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव नहीं

रिश्तों और समाज की ज्यादातर उलझनें लोगों की सोच और व्यवहार के फर्क से पैदा होती हैं। आज कहा जाता है कि महिलाएं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हैं इसलिए शादियां नहीं चल रहीं, जबकि स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव करना नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और फैसलों को समझदारी से निभाना है। समाज चाहे जितना आगे बढ़ जाए, मां बनने के बाद महिला की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं और वहीं पति-पत्नी दोनों को मिलकर चलने की जरूरत होती है। यह साझेदारी जब नहीं बन पाती तो रिश्ते में असंतुलन आ जाता है। अंत में किसी भी रिश्ते का सार यही है संतुलन, समझ और समय पर शांत रहना।

रिश्तों में क्लैरिटी होना बहुत ज़रूरी

देखिए, मेरी नजर में महिलाओं की जिंदगी काफी बदल चुकी है। उन्होंने हर जगह, खासकर डिसीजन मेकिंग में अपने आप को प्रूव किया है। हालांकि, समस्या यह है कि हमारा समाज अब भी कुछ पुरानी धारणाओं पर अटका हुआ है। जैसे हम मेल ईगो बोलते हैं, लेकिन फीमेल ईगो शब्द सुनाई नहीं देता। यानी मान लिया गया है कि ईगो हमेशा पुरुष का ही होता है। अब यहां समझदारी की जरूरत है। अगर एक महिला समझ ले कि सामने वाले में मेल ईगो है तो उसे यह भी समझना होगा कि उसे उस स्थिति में कैसे रिएक्ट करना है। रिश्तों में क्लैरिटी बहुत जरूरी है। जब आप किसी से प्यार करते हैं या किसी परिवार का हिस्सा बनते हैं तो पहले से यह जानना जरूरी है कि सामने वाला कैसा है और कौन-सी बात उसे कहां तक स्वीकार है। हम सबके पास चॉइस हैं। अगर सामने वाला आपको नहीं समझ रहा तो आप समझिए, बातचीत कीजिए और चीजों को बेहतर करने की कोशिश कीजिए।

सामने वाले को समझिए

शिल्पा ने कहा, मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। मैंने शो छोड़ा या कहें कि मैं शो से आउट थी लेकिन उस पल जो निर्णय था, वह बिल्कुल साफ था। मुझे पता है कि मैं सिर्फ इसी एक चीज के लिए पैदा नहीं हुई हूं इसलिए मैंने उस वक्त वो रास्ता नहीं चुना। आज जब मैं वापस हूं और पहले से ज्यादा सम्मान मिल रहा है तो इसका सबसे बड़ा कारण वही है, आप सामने वाले को समझिए कि उसे क्या चाहिए। मैं उस वक्त भी प्रोड्यूसर का पॉइंट समझ रही थी लेकिन बीच में किसी तीसरे ने आग लगाई थी। उन्होंने मेरे साथ चीजें डिस्कस ही नहीं कीं। अब हालात अलग हैं। आज मुझे पता है कि उन्हें कैसे संभालना है। उन्हें भी पता है कि मुझे कैसे ट्रीट करना है।

गलत नहीं हैं तो झुकना नहीं चाहिए

मुझे नहीं लगता कि मैंने कोई गलती की थी। हां, कुछ लोग बहुत डिप्लोमैटिक होते हैं लेकिन मैं जिस चीज को कर सकती हूं, उसे मैं गलती नहीं मानती। परिस्थितियां जैसी बनीं, वहीं रहकर उन्हें समझना जरूरी था। इसका मतलब यह नहीं कि आप झुककर रहें। अगर आप गलत नहीं हैं तो आपको झुकना नहीं चाहिए। गलत चीज को इतना बड़ा भी न बनाइए कि हर समय 'मेरे साथ गलत हुआ' ही लगता रहे। आप जब सच में गलत नहीं हैं, तब डरने की कोई वजह नहीं होती। मैं आज भी यहां इसलिए हूं क्योंकि मैंने कुछ गलत नहीं किया था।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड- इस्राइल समर्थक यहूदी केंद्र के पास धमाका

येरूशलम, एजेंसी। नीदरलैंड पुलिस इस्राइल समर्थक एक ईसाई केंद्र के बाहर हुए छोटे विस्फोट की जांच कर रही है। मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। गेलडरलैंड प्रांत की पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि शुक्रवार रात हुए विस्फोट में कोई घायल नहीं हुआ। मध्य नीदरलैंड के निजकेर्क स्थित एक इमारत में मामूली क्षति हुई। क्रिश्चियंस फॉर इस्राइल समूह ने कहा कि विस्फोट निजकेर्क स्थित उनके इस्राइल केंद्र को निशाना बनाकर किया गया था।

हॉलीवुड की अभिनेत्री डी फ्रीमैन का 66 वर्ष की आयु में निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। द यंग एंड द रेस्टलेस और सिस्टास जैसे प्रसिद्ध शो के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री डोलोरेस डी फ्रीमैन का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने पुष्टि की कि फेफड़ों के कैंसर से जूझने के बाद 2 अप्रैल को उन्होंने अंतिम सांस ली। लुइसियाना में जन्मी फ्रीमैन का कॅरिअर काफी विविधतापूर्ण रहा। उन्होंने छह साल तक अमेरिकी मरीन कॉर्प्स में सेवा दी और जापान में रेडियो डीजे के रूप में भी काम किया।

लंदन- यहूदी समुदाय की एंबुलेंस पर हमले के मामले में तीन गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश अभियोजकों ने उत्तरी लंदन में यहूदी समुदाय की एंबुलेंस पर हुए आगजनी के हमले में तीन युवकों को आरोपी बनाया है। यह घटना 23 मार्च को एक सिनेगॉग के पास हुई थी, जिसे प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने स्तब्ध करने वाला यहूदी विरोधी हमला बताया था। आरोपियों की उम्र 17, 19 और 20 वर्ष है, जिनमें दो ब्रिटिश और एक ब्रिटिश-पाकिस्तानी नागरिक है। हमले की जांच आतंकवाद रोधी टीम के अधिकारियों द्वारा की जा रही है, हालांकि अभी इसे आतंकवादी घटना नहीं माना गया है।

ट्रंप का 63 साल से बंद अल्काट्राज जेल फिर से खोलने का प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कुख्यात अल्काट्राज जेल को फिर से खोलने का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए उन्होंने 15.2 करोड़ डॉलर की मांग की है। इसमें अमेरिका के सबसे क्रूर व हिंसक अपराधी रखे जाएंगे। फॉक्स न्यूज के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के वित्त वर्ष 2027 के बजट प्रस्ताव में उल्लिखित इस प्रस्ताव का उद्देश्य ऐतिहासिक व लंबे समय से बंद पड़ी इस जेल को अत्याधुनिक सुरक्षित जेल सुविधा में बदलने के प्रारंभिक चरण को वित्तीय सहायता प्रदान करना बताया गया है। हालांकि, इस योजना के लिए राशि जारी करने के मुद्दे पर संसद को फैसला लेना है।

ढाका के पास गैस लाइटर फैक्ट्री में आग, 5 की मौत; आग लगने की वजह साफ नहीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास स्थित केरानिगंज के कदमतली इलाके में शनिवार दोपहर गैस लाइटर बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के मुताबिक, आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने के लिए दमकल की 7 यूनिट तैनात की गईं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। शाम तक राहत और बचाव दल ने मलबे से 5 शव बरामद किए। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है।

अमेरिकी पायलट को ईरान से सुरक्षित बचाया गया, ट्रंप ने की पुष्टि

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान द्वारा अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल जेट को गिराए जाने के बाद लापता अमेरिकी सेवा सदस्य को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों ने रविवार को दी। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह ऑपरेशन एक भयंकर खोज और बचाव अभियान के तहत सफल हुआ। इससे पहले जेट के एक अन्य चालक दल के सदस्य को पहले ही सुरक्षित बचाया जा चुका था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा 'हमने उन्हें सुरक्षित निकाल लिया! पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने इतिहास के सबसे साहसी खोज और बचाव अभियानों में से एक सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हमारे अद्भुत क्रू मेम्बर अधिकारी, जो एक सम्मानित कर्नल हैं, अब पूरी तरह सुरक्षित हैं।' ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी सेना ने अधिकारी के स्थान को 24 घंटे निगरानी में रखा और उनकी सुरक्षित वापसी की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने उन्हें बचाने के लिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे। ट्रंप ने कहा अधिकारी घायल हुए हैं, लेकिन वे पूरी तरह ठीक हो जाएंगे।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ की गीदड़भभकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को भारत को गीदड़भभकी देते हुए कहाकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुस्साहस की कोशिश का जवाब कोलकाता में हमले से दिया जाएगा। आसिफ ने लाहौर से लगभग 130 किलोमीटर दूर अपने गृहनगर सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए कहाकि अगर भारत इस बार हमें जिम्मेदार ठहरा कर कोई (सैन्य) ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम कोलकाता तक निशाना साधेंगे।

किस बात का किया दावा

आसिफ ने दावा किया कि ऐसी खबरें हैं कि उनके (भारत) अपने लोगों या पाकिस्तानियों के माध्यम से एक झूठ भरे अभियान की योजना बनाई गई, जिसमें कुछ शवों को कहीं डाल कर यह कहा गया कि वे आतंकवादी थे और उन्होंने ऐसा-ऐसा किया है। हालांकि, उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। गुरुवार को आसिफ ने कहा था कि किसी भी हमले पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया त्वरित, सुनियोजित और निर्णायक होगी।

राजनाथ सिंह का दे रहे थे जवाब

आसिफ भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने पहले कहा था कि मौजूदा स्थिति में भारत के पड़ोसी देश की ओर से कोई भी दुस्साहस अभूतपूर्व और निर्णायक कार्रवाई को आमंत्रित करेगा। पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच चार दिनों तक संघर्ष चला था।

क्या बोले थे राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहाकि मौजूदा हालात में पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की दुस्साहसिक हरकत का जवाब अभूतपूर्व और निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा।

चुनावी राज्य केरल में सैनिक सम्मान सम्मेलन में सिंह ने कहाकि अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहाकि पहलगाम हमले के बाद, भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को 22 मिनट के भीतर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और यह आतंकवाद के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान था।

सिंह ने कहाकि मैं आपको बताना चाहता हूं कि अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान ने दोबारा ऐसी घिनौनी हरकतें कीं, तो हमारी सेना उन्हें ऐसा मुंहतोड़ जवाब देगी, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। इस बार जो होगा वह अभूतपूर्व होगा। सिंह ने कहा कि मौजूदा हालात में हमारा पड़ोसी (पाकिस्तान) कोई भी दुस्साहस कर सकता है।

उन्होंने कहाकि अगर वह ऐसा करता है, तो जैसा मैंने आपको बताया, भारत की कार्रवाई अभूतपूर्व और निर्णायक होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई है और सरकार के रवैये और कार्यप्रणाली में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यह बात 'ऑपरेशन सिंदूर' से स्पष्ट है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह अभियान चलाया था।

चांद के करीब पहुंचा आर्टेमिस 2, अपोलो 13 का तोड़ेगा रिकॉर्ड

ह्यूस्टन, एजेंसी। चांद की ओर बढ़ रहा आर्टेमिस -2 मिशन अब इतिहास रचने के करीब पहुंच गया है। यह मिशन 53 साल बाद इंसानों को फिर से चांद के पास ले जा रहा है और इससे उम्मीदें काफी बड़ी हैं। इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, जो सोमवार तक चांद के पास पहुंच जाएंगे। वे चांद के उस हिस्से की तस्वीरें लेंगे, जिसे पृथ्वी से नहीं देखा जा सकता। यह मिशन नासा के पुराने अपोलो प्रोग्राम के बाद अगला बड़ा कदम माना जा रहा है। अंतरिक्ष यात्री विक्टर ग्लोवर ने बताया कि जैसे-जैसे वे आगे बढ़ रहे हैं, पृथ्वी छोटी दिख रही है और चांद बड़ा होता जा रहा है। यह अनुभव उनके लिए बेहद खास है।

मिशन के दौरान अंतरिक्ष यान में आई एक परेशानी : हालांकि मिशन के दौरान एक छोटी परेशानी भी सामने आई है। अंतरिक्ष यान ओरियन का टॉयलेट ठीक से काम नहीं कर रहा है। लॉन्च के बाद से इसमें बार-बार दिक्कत आ रही है। इंजीनियरों को शक है कि पाइप में बर्फ जमने से समस्या हो रही है। फिलहाल अंतरिक्ष यात्रियों को बैकअप तरीके इस्तेमाल करने पड़ रहे हैं। नासा के अधिकारियों का कहना है कि अंतरिक्ष में टॉयलेट सिस्टम संभालना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन टीम इस स्थिति को अच्छे से संभाल रही है।

अपोलो 13 मिशन के रिकॉर्ड को तोड़ने की तैयारी : यह मिशन एक नया रिकॉर्ड भी बनाने जा रहा है। आर्टेमिस द्वद्व करीब 4 लाख किलोमीटर दूर तक जाएगा, जो अब तक इंसानों द्वारा तय की गई सबसे ज्यादा दूरी होगी। इससे पहले यह रिकॉर्ड अपोलो 13 मिशन के नाम था। इस मिशन की एक खास बात यह भी है कि इसमें कनाडा के जेरेमी हैनसेन शामिल हैं, जो चांद की ओर जाने वाले पहले गैर-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। वहीं क्रिस्टीना कोच पहली महिला और विक्टर ग्लोवर पहले अश्वेत (ब्लैक) अंतरिक्ष यात्री हैं, जो इस मिशन का हिस्सा हैं।

प्रशांत महासागर में लैंड करने आर्टेमिस -2 मिशन : करीब 10 दिन के इस मिशन के बाद 10 अप्रैल को अंतरिक्ष यान प्रशांत महासागर में उतरकर पृथ्वी पर लौटेगा। नासा का यह मिशन भविष्य में चांद पर स्थायी बेस बनाने की दिशा में पहला बड़ा कदम है। एजेंसी का लक्ष्य है कि 2028 तक चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास इंसानों की लैंडिंग कराई जाए।

यमन से इसराइल पर मिसाइल हमला : हूती विद्रोहियों ने ली जिम्मेदारी

आईडीएफ ने हवा में ही मार गिराया

यरूशलेम/सना, एजेंसी। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर इसराइल को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया है। इस हमले के बाद क्षेत्र में तनाव और गहरा गया है। इसराइल डिफेंस फोर्सेज (द्बष्ठस्न) ने बयान जारी कर बताया कि उनके उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम ने यमन की ओर से आती हुई मिसाइल को सीमा पार करने से पहले ही इंटरसेप्ट कर लिया। मिसाइल दागे जाने के तुरंत बाद इसराइल के कई हिस्सों में अलर्ट जारी कर दिया गया था और नागरिकों को सुरक्षा के लिए शेल्टर में जाने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, स्थिति स्पष्ट होने और खतरा टलने के कुछ ही मिनटों बाद सेना ने सुरक्षा प्रतिबंध हटा लिए।

हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ने इस हमले की पुष्टि करते हुए इसे इसराइल के खिलाफ उनके चल रहे सैन्य अभियान का हिस्सा बताया। गौरतलब है कि पिछले एक हफ्ते में हूतियों की ओर से किया गया यह इस तरह का दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले 28 मार्च को भी हूतियों ने वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के ऊपर से मिसाइलें दागी थीं, जिनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यमन से होने वाले ये लगातार हमले ईरान, अमेरिका और इसराइल के बीच बढ़ते क्षेत्रीय संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। हूतियों ने चेतावनी दी है कि जब तक गाजा में सैन्य कार्रवाई नहीं रुकती, उनके हमले जारी रहेंगे।

मारे गए ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की भतीजी पर गिरी गाज, अमेरिका में बेटी संग हिरासत में

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कुद्स बल का नेतृत्व करने वाले जनरल कासिम सुलेमानी की एक रिश्तेदार एवं उसकी बेटी अमेरिका के आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत में हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। हमीदा सुलेमानी अफशार और उनकी बेटी के ग्रीन कार्ड की अवधि अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा समाप्त किए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक हमीदा सुलेमानी की भतीजी हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, ''मीडिया की खबरों और सोशल मीडिया पर उनकी अपनी टिप्पणियों से यह सामने आया है कि सुलेमानी अफशार ईरान के तानाशाही, आतंकवादी शासन की मुखर समर्थक हैं।' अफशार के पति के भी अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध है। बता दें कि बगदाद एयरपोर्ट के पास 2020 में हुए अमेरिकी हमले में जनरल कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी।

ईरानियों का वीजा रद्द कर रहा अमेरिका : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने ईरान की मौजूदा या पूर्ववर्ती सरकार से जुड़े कम से कम चार ईरानी नागरिकों के ग्रीन कार्ड या अमेरिकी वीजा रद्द कर दिए हैं। इनमें दो लोगों को आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में लिया है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाल में फातिमा अर्देशीर-लारिजानी का वीजा भी रद्द कर दिया था, जो ईरान के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अली लारिजानी की बेटी हैं। अली लारिजानी पिछले महीने अमेरिका-इजराइल के हवाई हमले में मारे गए थे। फातिमा के पति सैयद कलंतर मोतामेदी का वीजा भी रद्द कर दिया गया है। दोनों अब अमेरिका में नहीं हैं।

खत्म होने वाला है ईरान युद्ध- डोनाल्ड ट्रंप : युद्ध के चलते परेशान अमेरिकी जनता को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में मची उथल-पुथल से अमेरिका काफी हद तक सुरक्षित है। उन्होंने सैन्य कार्रवाई तेज करने की चेतावनी देते हुए घोषणा की कि ईरान युद्ध 'पूरा होने के करीब' है। ट्रंप ने अमेरिकियों से कहा कि युद्ध 'खत्म होने वाला है' और इसमें केवल 'दो या तीन सप्ताह' और लगने का अनुमान है। हालांकि उन्होंने सैन्य अभियान को और तेज करने के संकेत देते हुए चेतावनी दी कि ईरान को 'पाषाण युग में वापस' भेजा जा सकता है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका के लिए हॉर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक महत्व को कमतर बताने की कोशिश की, जबकि इस महत्वपूर्ण समुद्री गलियारे की वजह से दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है।

ईरानी कमांडर ने बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने पर

अमेरिका-इज़रायल को विनाशकारी कार्रवाई की धमकी दी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष कमांडर ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका या इज़रायल ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला करते हैं, तो उसके जवाब में पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इज़रायली बुनियादी ढांचे पर 'विनाशकारी और लगातार' हमले किए जाएंगे। ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल मुख्यालय के प्रमुख कमांडर अली अब्दोल्लाही ने यह चेतावनी जारी की। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान से होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दी गई 10 दिन की समय-सीमा सोमवार को समाप्त होने वाली है। अब्दोल्लाही ने कहा, 'लगातार हार स्वीकार करने के बाद अमेरिका के आक्रामक और युद्धोन्मादी राष्ट्रपति ने एक हताश, घबराया हुआ, असंतुलित और मूर्खतापूर्ण कदम उठाते हुए ईरान के बुनियादी ढांचे व राष्ट्रीय संपत्तियों को निशाना बनाने की धमकी दी है।'

उन्होंने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल देश के अधिकारों की रक्षा करने और राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 'एक पल भी' हिचकिचाएंगे नहीं और 'हमलावरों को उनकी जगह दिखा देंगे।' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'याद रखें जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन दिए थे,' और जोड़ा, 'समय खत्म हो रहा है और 48 घंटे बचे हैं, उसके बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।'

21 मार्च को ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोला, तो वह उसके बिजली संयंत्रों को 'नष्ट और तबाह' कर देंगे। हालांकि, दो दिन बाद तेहरान के साथ 'सकारात्मक बातचीत' के बाद उन्होंने हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दिया। बाद में उन्होंने समय-सीमा फिर बढ़ा दी।

इस बीच, ईरान की आईआरजीसी नौसेना ने कहा कि उसने ड्रोन से एक इज़रायल से जुड़े जहाज को निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई। अपने आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सेपाह न्यूज़' में जारी बयान में आईआरजीसी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके बलों ने बहरीन के एक बंदरगाह में एक इज़रायली स्वामित्व वाले वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया।

होर्मुज स्ट्रेट संकट : अमेरिका से अलग होकर दुनिया के देश खुद कर रहे हैं समाधान की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के कई बड़े देश होर्मुज स्ट्रेट में पैदा हुए संकट को संभालने के लिए अब अमेरिका के बिना ही आगे बढ़ रहे हैं। ईरान युद्ध और उसके असर को लेकर अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच मतभेद लगातार बढ़ रहे हैं। खाड़ी क्षेत्र से तेल और गैस पर निर्भर देश इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को फिर से खोलने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं। वहीं, इस पूरे मामले में अमेरिका के रवैये को लेकर भी कई देशों में नाराजगी बढ़ रही है। इसी हफ्ते ब्रिटेन ने 40 से अधिक देशों की बैठक बुलाई, जिसमें इस जलमार्ग से फिर से जहाजों की आवाजाही शुरू कराने पर चर्चा हुई। इस दौरान वैश्विक व्यापार में रुकावट के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया गया।

हालांकि, इस बैठक में पश्चिमी देशों के बीच मतभेद भी साफ नजर आए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका के सैन्य कार्रवाई के प्रस्ताव को खुलकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका खुद फैसला लेकर कार्रवाई करे और फिर दूसरों से समर्थन की उम्मीद रखे, यह सही नहीं है। यह हमारा अभियान नहीं है। यूरोपीय देश इस संकट को सुलझाने के लिए सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत और आर्थिक दबाव को बेहतर तरीका मानते हैं। अधिकारियों और विशेषज्ञों का हवाला देते हुए 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने बताया कि स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए सैन्य विकल्पों को अवास्तविक और जोखिम भरा माना जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में बहरीन ने इस क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है, हालांकि 'द हिल' की रिपोर्ट के अनुसार, उसे चीन के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

यह पूरा घटनाक्रम अमेरिका और यूरोप के रिश्तों में बढ़ती दूरी को भी दिखाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान युद्ध ने अमेरिका और यूरोप के संबंधों को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां दरार साफ दिखाई दे रही है। अमेरिका इस बात से नाराज है कि उसके सहयोगी देश इस युद्ध में उसका साथ नहीं दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यूरोपीय देशों से नाराज बताए जा रहे हैं और उन्होंने नाटो के भविष्य पर भी सवाल उठाए हैं, जिससे इस गठबंधन को लेकर चिंता बढ़ गई है।

इस बीच, ट्रंप के बयान भी साफ नहीं हैं। उन्होंने एक ओर कहा कि जो देश खाड़ी क्षेत्र के तेल पर निर्भर हैं, उन्हें खुद आगे आकर इस रास्ते को खोलना चाहिए और अमेरिका मदद करेगा। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका खुद इस रास्ते को खोल सकता है और इससे तेल व्यापार में फायदा उठा सकता है। इससे उनकी नीति में असमंजस दिखाई देता है।

जमीनी स्थिति की बात करें तो 'द हिल' की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने इस जलमार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कुछ मित्र देशों को ही सीमित रूप से गुजरने दिया जा रहा है और जहाजों से शुल्क लेने का प्रस्ताव भी सामने आया है। इस संकट के कारण कई देशों ने आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। इसमें शिपिंग कंपनियों के साथ तालमेल और ईरान पर दबाव बनाने के लिए संभावित प्रतिबंधों पर चर्चा शामिल है।

पाकिस्तान में गाय-भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डेली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है।

सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है।

वहीं विपक्षी दलों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना कर इसे 'गोबर टैक्स' का नाम दिया है। उनका कहना है कि यह कदम दिखाता है कि सरकार आर्थिक दबाव में है और अब नए-नए तरीकों से पैसा जुटाने की कोशिश कर रही है।

विपक्ष ने दावा किया कि 'ग्रीन एनर्जी' का नाम बस दिखावा है। असली कहानी कुछ और है। सरकार का फैसला पहले से महंगाई और महंगे चारे से जूझ रहे किसानों से जबरन पैसा निकालने का तरीका है।

गोबर इकट्ठा कर पर्यावरण बचाने का दावा : सरकार ने इस फीस को लागू करने के लिए राज्य की करीब 168 कैटल कॉलोनियों को चिन्हित किया है। इन कॉलोनियों की लगभग 50 लाख गाय-भैंसों पर यह फीस लग सकती है। इस नई योजना के तहत पशुपालकों से हर पशु के हिसाब से रोजाना शुल्क लिया जाएगा। पहले चरण में लाहौर की दो प्रमुख डेयरी कॉलोनियों हरबंसपुरा और गुज्जरपुरा से शुरू होगा। बाद में पूरे पंजाब में फैलाया जाएगा।

सरकार का कहना है कि इस पैसे का इस्तेमाल गोबर इकट्ठा करने, कचरा मैनेजमेंट और बायोगैस प्लांट चलाने में किया जाएगा, ताकि पर्यावरण को भी फायदा हो। इतनी ज्यादा गाय-भैंसों का रोजाना कितना गोबर निकल रहा है, इसे ठीक-ठीक नापना लगभग नामुमकिन है। इसी वजह से सरकार ने प्रति पशु तय दर से फीस वसूली का मॉडल अपनाने का फैसला किया है। चाहे गाय या भैंस ज्यादा गोबर दे या कम मालिक को हर पशु के हिसाब से रोज एक तय फीस देनी होगी।

विपक्ष बोला- सरकार के पास असली कमाई का रास्ता खत्म : विपक्ष का कहना है कि यह शासन का सही मॉडल नहीं है।

यह इस बात का साफ इशारा है कि पाकिस्तान के सबसे बड़े राज्य के पास अब कमाई के असली रास्ते ही खत्म हो गए हैं। वहीं, किसानों और पशुपालकों की चिंता अलग है। उनका कहना है कि वे पहले से ही महंगे चारे, बढ़ती बिजली कीमतों और महंगाई से जूझ रहे हैं। ऐसे में यह नया टैक्स उनके खर्च को और बढ़ा देगा।

एक पाकिस्तानी इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने कहा, 'एक तरफ भ्रष्ट नेता और अफसर लग्जरी गाड़ियां, विदेश यात्राएं और मोटी सैलरी का मजा ले रहे हैं। दूसरी तरफ किसान, जो पहले ही अपने पशुओं का पेट भरने के लिए जूझ रहा है, अब उससे कहा जा रहा है कि अपनी भैंस के गोबर के लिए भी सरकार को पैसा दो। इससे साफ है कि सिस्टम पूरी तरह गड़बड़ है।'

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700,

CMYK